धनबाद
शुक्रवार 10.01.2025
मूल्य- ₹ 1.50
वर्ष-30 अंक-317 पृष्ठ- 12
पौष शुक्ल पक्ष-11
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

रंगदारी वसूली के वर्चस्व के लिए हिंसक वारदातों से थर्राया कोयलांचल

सांसद के कार्यालय में आग लगी एसडीपीओ पर हमला, रणक्षेत्र बना हिलटॉप आउटसोर्सिंग ✪ जमकर हुई बमबाजी और फायरिंग, कई वाहनों को जलाया गुस्साए भीड़ ने

धनबाद (कासं): धनबाद कोयलांचल में इस बार फिर रंगदारी की मोटी कमाई और वर्चस्व जमाकर अपनी गोटी लाल करने के मामले में हिंसक रूप ले लिया और फिर एक बार जमकर बमबाजी और गोलियां चली है।

इस बार मधुबन थाना क्षेत्र के धर्माबांध ओपी स्थित आउटसोर्सिंग कंपनी हिलटॉप परिसर में जमकर हिंसक घटना हुई। दर्जनों लोग घायल हुए हैं और एसडीपीओ पुरूषोत्तम कुमार को भी पथराव में घायल हो गए हैं। उन्हें रिम्स रांची भेजा गया है।

करोड़ों की काली कमाई आउटसोर्सिंग से उठने वाले डीओ धारक के कोयलों का उठाव रोकने और चालू करवाने के मामले में कारू यादव समर्थक और सांसद समर्थक आपस में भिड़ गए और कारू यादव समर्थक और उनके लोगों ने जमकर मारपीट कर सांसद समर्थकों को भगाया और सांसद का कार्यालय भी जला दिया। कई राउंड फायरिंग की भी खबर है। घटना की सूचना पाकर जब एसडीपीओ बाघमारा पुरूषोत्तम कुमार सिंह पुलिस बल के साथ पहुंचकर कारू यादव को गिरफ्तार कर लिया और उसे थाना ले जाने का विरोध समर्थकों ने किया इस बीच पुलिस और कारू यादव समर्थकों में जमकर मारपीट हुई। इसी दौरान एसडीपीओ श्री सिंह घायल हो गए। जिससे स्थिति विस्फोटक हो गई। कई राउंड गोलियां चलाई गई जिसमें कई लोगों के घायल होने की खबर है।

सूचना है कि इस दौरान एक व्यक्ति को गोली भी लगी है। जिसे इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया गया है।

इस घटना में कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया। कुछ पत्रकार भी चोटिल हुए हैं। बताया जा रहा है कि इस खूनी संघर्ष को रोकने पहुंची पुलिस को पीछे हटना पड़ा, इसके बाद घटना में एसडीपीओ के घायल होने के बाद धनबाद पुलिस के आलाधिकारियों के साथ भारी संख्या में मौके पर पहुंची पुलिस बल ने उपद्रवियों को मौके से खदेड़ दिया। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है। पिछले दिनों भी रंगदारी डीओ धारकों से वसूली के लिए नेतागिरि की आड़ में गुंडागर्दी देवरा गैंग ने कुजामा में किया था। प्रशासन और पुलिस के प्रयास से वहां लोर्डिंग शुरू हुआ। इन दिनों कोयलांचल में ऐसे लाबादा ओढ़े रंगदारों की रंगदारी बढ़ गई है। जो कि जिला प्रशासन और झारखण्ड सरकार के लिए विधि व्यवस्था का खतरा बन गया है।

स्कॉर्पीन श्रेणी की पनडुब्बी आईएनएस वाग्शीर नौसेना को समर्पित

नई दिल्ली (ईएमएस): स्वदेशी रूप से निर्मित प्रोजेक्ट ७५ की छठी स्कॉर्पीन श्रेणी की पनडुब्बी आईएनएस वाग्शीर नौसेना को मिल गई है जिसे १५ जनवरी को भारतीय समुद्री बेड़े में शामिल किया जाएगा। मुंबई के शिपयार्ड मझगांव डॉक लिमिटेड (एमडीएल) ने आज पनडुब्बी की डिलीवरी की। इस पनडुब्बी का निर्माण अत्याधुनिक तकनीक और भारत सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत किया गया है, जिसमें सभी तरह के घातक हमलों के लिए भारी-भरकम सेंसर और हथियार लगे हैं।

आईएनएस वाग्शीर (एस २६) भारतीय नौसेना के लिए छह कलवरी श्रेणी की पनडुब्बियों के पहले बैच की छठी और अंतिम पनडुब्बी है। यह स्कॉर्पीन श्रेणी पर आधारित एक डीजल-इलेक्ट्रिक अटैक पनडुब्बी है, जिसे फ्रांसीसी नौसेना रक्षा और ऊर्जा समूह नेवल ग्रुप ने डिजाइन और मुंबई के शिपयार्ड मझगांव डॉक लिमिटेड ने निर्मित किया है।

स्वदेशी रूप से निर्मित पनडुब्बी की डिलीवरी के साथ एमडीएल ने पी७५ परियोजना को पूरा करके देश में एकमात्र शिपयार्ड के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत किया है, जिसके पास पारंपरिक पनडुब्बी का निर्माण करने की सिद्ध क्षमता है। इसमें दुश्मन के रडार से बचने, क्षेत्र की निगरानी, खुफिया जानकारी जुटाने, पानी के अंदर या सतह पर एक ही समय में १८ टारपीडो और ट्यूब-लॉन्च एंटी-शिप मिसाइलों के साथ सटीक निर्देशित हथियारों का उपयोग करके दुश्मन पर विनाशकारी हमला करने की क्षमता है। स्टील्थ प्रौद्योगिकी सक्षम कलवरी श्रेणी की यह पनडुब्बी २२१ फीट लंबी, ४० फीट ऊंची है। समुद्र की सतह पर इसकी गति २० किमी प्रति घंटा और नीचे ३७ किमी प्रति घंटा है। इसमें ५० दिनों के लिए ३५० मीटर पानी के नीचे डूबने की सीमा है।

हर जिले में वरिष्ठ नागरिकों के लिए हेल्पलाइन स्थापित करें : हाईकोर्ट

चंडीगढ (ईएमएस): पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने हरियाणा की सैनी सरकार को आदेश दिया है कि वे मेंटिनेंस ऑफ पेरेंट्स एंड वेलफेयर ऑफ सीनियर सिटीजन एक्ट के तहत राज्य के सभी जिलों में वरिष्ठ नागरिकों के लिए हेल्पलाइन स्थापित करने पर जवाब दें। कोर्ट ने कहा कि हरियाणा सरकार हलफनामे के माध्यम से बताए कि वह हेल्पलाइन कब तक सभी जिलों में स्थापित करेगी।

दरअसल पंचकूला निवासी रामपाल मल्होत्रा द्वारा दाखिल जनहित याचिका में वरिष्ठ नागरिकों के लिए हेल्पलाइन के कार्यान्वयन को लेकर एक समर्पित एजेंसी की नियुक्ति की मांग की गई थी। याचिका में कहा गया कि हरियाणा और पश्चिम बंगाल ही दो राज्य हैं जहां वरिष्ठ नागरिकों के लिए हेल्पलाइन की स्थापना और प्रबंधन के लिए एजेंसी की नियुक्ति नहीं है।

सीएम हेमंत सोरेन ने राज्यकर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना को दी मंजूरी, इनको मिलेगा लाभ

रांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य कर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना लागू किए जाने के प्रस्ताव पर सहमति दी है। प्रस्ताव पर शीघ्र मंत्रिपरिषद (कैबिनेट) की स्वीकृति के उपरांत राज्य कर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना लागू कर दिया जाएगा।

स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड, राँची के संकल्प सं०-१८५ (१३) दिनांक-३१.०७.२३ द्वारा राज्य के कार्यरत, सेवानिवृत्त कर्मियों , पदाधिकारियों को स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ दिए जाने का प्रस्ताव है, पूर्व में कुछ त्रुटियां रहने के कारण योजना का लाभ राज्य कर्मियों को नहीं मिल पा रहा था, अब स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा इन सभी त्रुटियों का पूर्ण निराकरण कर लिया गया है। शीघ्र यह योजना झारखंड में लागू कर दी जाएगी।

इन्हें मिलेगा लाभ- उक्त योजना अंतर्गत राज्य विधान सभा के वर्तमान सदस्य, राज्य की सभी सेवाओं के कर्मियों, सेवानिवृत कर्मियों तथा उनके परिवार के उनपर आश्रित सदस्यों, जिनमें उनके पति,पत्नी,पुत्र,वैध दत्तक पुत्र (२५ वर्ष की आयु तक बशर्ते बेरोजगार हो), पुत्री (अविवाहित, विधवा, परित्यक्ता पुत्री) नाबालिग भाई एवं अविवाहित बहन एवं आश्रित माता-पिता(प्रतिमाह ९०००/- और उस पर तत्समय अनुमान्य महंगाई राहत से कम पेंशन प्राप्त करने वाले) सम्मिलित होंगे, को सम्मिलित रूप से ०५ (पाँच) लाख रूपये प्रतिवर्ष की अधिसीमा के अंतर्गत स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया जाएगा। राज्य कर्मियों, सेवानिवृत कर्मियों के दिव्यांग आश्रितों को आजीवन स्वास्थ्य बीमा का लाभ प्रदान किया जाएगा।

शंभू बॉर्डर पर किसान ने किया आत्महत्या

खनौरी बॉर्डर पर गीजर फटने से आंदोलनकारी झुलसा, डल्लेवाल की हालत नाजुक

चंडीगढ (ईएमएस): शंभू बॉर्डर पर चल रहे आंदोलन में किसान ने सल्फास निगलकर आत्महत्या कर ली। किसानों के मुताबिक गुरुवार सुबह लंगर स्थल के पास ही किसान ने सल्फास खाई। जैसे ही इस बारे में पता चला तो उसे तुरंत मौके पर प्राथमिक उपचार दिया गया। इसके बाद उसे पटियाला के राजिंदरा अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसने दम तोड़ दिया।

किसान रेशम सिंह (५५) तरनतारन जिले के पहूविंड का रहने वाला था। किसान नेता तेजबीर सिंह ने कहा कि रेशम शंभू और खनौरी बॉर्डर पर ११ महीने से आंदोलन के बावजूद सरकार की तरफ से इसका समाधान न निकालने से नाराज था। इससे पहले भी १४ दिसंबर को किसान रणजोध सिंह ने सल्फास निगल लिया था। वह उस दिन दिल्ली कूच न करने देने से नाराज हुआ था। करीब ४ दिन बाद उसकी पटियाला के राजिंदरा अस्पताल में मौत हो गई थी। उधर, खनौरी बॉर्डर पर गीजर फटने से एक किसान झुलस गया। उसे पटियाला के समाना अस्पताल में लाया गया है। वहीं दूसरी तरफ खनौरी बॉर्डर पर आमरण अनशन कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की हालत नाजुक है। गुरूवार उनके अनशन का ४५वां दिन है। डल्लेवाल का ब्लड प्रेशर लगातार गिर रहा है। ऐसे में अब वह किसी से मुलाकात नहीं करेंगे।

18वें प्रवासी भारतीय सम्मेलन में पीएम मोदी बोले

अप्रवासियों के दिल में धडक़ता है भारत 0 आप भविष्य में मेड इन इंडिया प्लेन से भारत आएंगे

नई दिल्ली (ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को ओडिशा के भुवनेश्वर में १८वें प्रवासी भारतीय सम्मेलन में शामिल हुए। मोदी ने कहा कि अप्रवासी जहां जाते हैं उसे अपना बना लेते हैं। इसके बावजूद उनके दिल में हमेशा भारत धडक़ता है। इसी के चलते दुनिया में मेरा सिर ऊंचा रहता है। पीएम ने आगे कहा कि, भारत मेड इन इंडिया फाइटर जेट बना रहा है। वो दिन दूर नहीं जब आप (अप्रवासी भारतीय) किसी मेड इन इंडिया प्लेन से ही प्रवासी भारतीय दिवस मनाने आएंगे। इस कार्यक्रम को त्रिनिदाद और टोबैगो की राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू ने भी वर्चुअली संबोधित किया।

मोदी ने प्रवासी भारतीय एक्सप्रेस को भी हरी झंडी भी दिखाई। यह भारतीय प्रवासियों के लिए स्पेशल टूरिस्ट ट्रेन है, जो दिल्ली के निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से चली और तीन सप्ताह तक कई टूरिस्ट प्लेसेज तक जाएगी। विदेश मंत्रालय की प्रवासी तीर्थ दर्शन योजना के तहत इसका संचालन किया जा रहा है। कार्यक्रम के लिए ७० देशों से ३ हजार से ज्यादा प्रतिनिधि ओडिशा पहुंचे हैं। यह सम्मेलन १० जनवरी तक चलेगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इसके समापन सत्र में शामिल होंगी और प्रवासी भारतीय पुरस्कार प्रदान करेंगी। पीएम मोदी ने कहा कि मैंने हमेशा भारतीय डाइसपोरा को भारत का राष्ट्रदूत माना है। मुझे खुशी होती है जब दुनिया में आप सभी साथियों से बात करता हूं।

दिग्विजय ने अपना पूरा जीवन मुझे और मेरे दिवंगत पिता को बदनाम करने में लगाया

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का आरोप

ग्वालियर (ईएमएस): केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह उनके पिता दिवंगत माधवराव सिंधिया पर अक्सर निशाना साधते थे और अब वे उनके साथ भी ऐसा ही कर रहे हैं।

चार दिवसीय दौरे पर ग्वालियर पहुंचे सिंधिया ने कहा कि उन्होंने दिग्विजय के प्रति हमेशा सम्मान दिखाया है। सिंधिया कभी कांग्रेस में दिग्विजय के सहयोगी थे। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य सिंह ने मध्यप्रदेश परिवहन विभाग में एक घोटाले का खुलासा होने के बाद केंद्रीय मंत्री सिंधिया पर सवाल उठाए थे।

पिछले माह की शुरुआत में परिवहन विभाग के एक पूर्व कांस्टेबल के पास से बेहिसाब संपत्ति बरामद हुई थी। पूर्व मुख्यमंत्री की आलोचनात्मक टिप्पणियों के बारे में सिंधिया ने कहा, क्या यह कोई नई बात है? उन्होंने कहा, ''दिग्विजय ने अपना पूरा जीवन मेरे पूज्य पिता और मुझ पर निशाना साधने में बिताया है। मैंने कभी उन पर निशाना नहीं साधा। मैं जब भी उनसे मिलता हूं, आज भी उनका अभिवादन करता हूं।''

बेटी को अपनी शिक्षा का खर्च माता-पिता से लेने का वैध अधिकार : सुप्रीम कोर्ट

: वैवाहिक विवाद की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी की है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एक बेटी के पास अपने माता-पिता से शिक्षा का खर्च उठाने का वैध अधिकार है. बेटी को अपनी शिक्षा जारी रखने का मौलिक अधिकार है. इसके लिए माता-पिता को अपने वित्तीय संसाधनों की सीमा के भीतर आवश्यक धनराशि प्रदान करने के लिए बाध्य किया जा सकता है.

सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद १४२ के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करके एक जोड़े को तलाक देते हुए कहा कि समझौते के अनुसार, पति ने अलग रह रही पत्नी को ३० लाख रुपये और बेटी को ४३ लाख रुपये के दो हिस्सों में ७३ लाख रुपये की राशि का भुगतान करने पर सहमति व्यक्त की थी. पक्षकारों के वकील ने न्यायालय को सूचित किया कि पति ने पत्नी को १५-१५ लाख रुपये की दो किश्तों में ये रकम अदा कर दी है. तलाक लेने वाले जोड़े के वकील ने बताया कि आयरलैंड में पढ़ रही बेटी ने ४३ लाख रुपये लेने से इनकार करते हुए अपने पिता को रकम वापस लेने पर जोर दिया है. वो ये ४३ लाख रुपये नहीं रखना चाहती. हालांकि, पिता ने ४३ लाख रुपये लेने से इनकार कर दिया है.इस पर पीठ ने कहा कि हमारा मानना है कि ४३ लाख रुपये एक ऐसी राशि है, जिसकी बेटी कानूनी तौर पर हकदार है. बेटी होने के नाते, उसे अपने माता-पिता से शिक्षा का खर्च सुरक्षित करने का एक अप्रतिदेय, कानूनी रूप से लागू करने योग्य, और वैध अधिकार है. हम केवल इतना ही मानते हैं कि बेटी को अपनी शिक्षा जारी रखने का मौलिक अधिकार है, जिसके लिए माता-पिता को अपने वित्तीय संसाधनों की सीमा के भीतर आवश्यक धनराशि प्रदान करने के लिए बाध्य किया जा सकता है.

गणतंत्र दिवस की झांकी में झारखंड का 'चरित्र और चेहरा झलकना चाहिए' : मुख्य सचिव

रांची (एजेंसी): गणतंत्र दिवस २६ जनवरी २०२५ की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गुरुवार को बैठक हुई। बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती अलका तिवारी ने कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह की झांकी में झारखंड का चरित्र और चेहरा झलकना चाहिए।

उन्होंने झांकी में मइंया सम्मान योजना और सड़क सुरक्षा को भी जोड़ने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि झांकियों के चयन के लिए एक कमिटी भी होनी चाहिए, जो उसके थीम और प्रजेंटेशन को फाइनल करे।

बैठक में ही तीन सदस्यीय कमिटी का गठन भी किया गया, जिसमें कृषि सचिव श्री अबू बक्कर सिद्दिकी, पर्यटन सचिव श्री मनोज कुमार और सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक श्री राजीव लोचन बख्शी को शामिल किया गया।

बैठक में तय हुआ कि समारोह में कुल १२ से १३ विभागों की झांकियों का प्रदर्शन कमिटी के अनुमोदन के बाद किया जाएगा। मुख्य सचिव ने उपायुक्त दुमका और रांची को निर्देशित किया कि वे गणतंत्र दिवस समारोह के लिए आमंत्रण पत्र की छपाई और वितरण ससमय सुनिश्चित करेंगे।

वहीं रांची और दुमका में स्थापित महत्वपूर्ण प्रतिमा स्थलों की सफाई और प्रतिमाओं पर माल्यार्पण की व्यवस्था, मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों को समारोह स्थल तक लाने की व्यवस्था, मुख्य समारोह स्थल पर पंडाल, बैरिकेडिंग एवं बैठने की व्यवस्था, समारोह स्थल पर ध्वनि विस्तारक यंत्र की व्यवस्था, पेयजल, शौचालय एवं स्वच्छता इत्यादि की व्यवस्था, समारोह स्थल तक जाने वाले मुख्य मार्गों पर यातायात और पार्किंग की व्यवस्था, मुख्य समारोह स्थल पर चिकित्सा की व्यवस्था, अग्निशमन की व्यवस्था, पुरस्कार- सम्मान पत्र का वितरण, सुरक्षा व्यवस्था तथा अन्य जिला मुख्यालयों पर गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन को लेकर बैठक में विस्तृत चर्चा हुई और निर्णय लिए गये।

मुख्य सचिव ने मोरहाबादी मैदान के पास लगे एलइडी स्क्रीन की क्वालिटी सुधारने का निर्देश दिया। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक के प्रस्ताव पर झांकी में झारखंड के वाद्य यंत्रों की प्रदर्शनी को अनुमोदित किया गया।

डीजीपी श्री अनुराग गुप्ता ने झांकी में साइबर सुरक्षा को भी शामिल करने का सुझाव दिया। वहीं तय हुआ कि गणतंत्र दिवस परेड में सेना, सीआइएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी, जैप, जिला बल, एनडीआरएफ, फायर बिग्रेड के प्लाटून के साथ सेना, सीआरपीएफ और जैप के बैंड भाग लेंगे। इसका रिहर्सल १८ जनवरी से २४ जनवरी के बीच सुनिश्चित कर लेने का निर्देश दिया गया।

गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारी को लेकर मुख्य सचिव श्रीमती अलका तिवारी की अध्यक्षता में हुई बैठक में गृह सचिव श्रीमती वंदना दादेल, डीजीपी श्री अनुराग गुप्ता, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के प्रधान सचिव श्री मस्तराम मीणा, कृषि सचिव श्री अबू बक्कर सिद्दिकी, पर्यटन सचिव श्री मनोज कुमार, परिवहन सचिव श्री कृपानंद झा, ग्रामीण विकास सचिव श्री के श्रीनिवासन, दक्षिणी छोटानागपुर के आयुक्त श्री अंजनी मिश्रा, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक श्री राजीव लोचन बख्शी, आइजी अभियान श्री एबी होमकर समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस की प्रशासनिक तैयारी

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारी को लेकर समाहरणालय के सभागार में गुरुवार को बैठक हुई।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि पूर्व की भांति इस साल भी जिला स्तरीय मुख्य समारोह रणधीर वर्मा स्टेडियम (गोल्फ ग्राउंड) में आयोजित किया जाएगा। इसमें विभिन्न प्लाटूनों द्वारा परेड और विभिन्न विभागों द्वारा आकर्षक झांकी निकाली जाएगी। उत्कृष्ट कार्य करने वाले सरकारी कर्मी, पुलिस पदाधिकारी, राजस्व कर्मी, पंचायत सेवक, जनसेवक को सम्मानित किया जाएगा। संध्या में न्यू टाउन हॉल में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। उपायुक्त ने सभी विभागों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को झांकी में दर्शानि तथा झांकी में उत्कृष्ट एवं अच्छे संदेश प्रदर्शित करने का निर्देश दिया। झांकी से पूर्व विभिन्न स्कूली बच्चों द्वारा ड्रील किया जाएगा।

गणतंत्र दिवस पर जिला सशस्त्र बल, झारखंड सशस्त्र बल, एनसीसी, सीआईएसएफ, सीआरपीएफ, होमगार्ड के प्लाटूनों द्वारा परेड में हिस्सा लेंगे। परेड का पूर्वाभ्यास २० जनवरी से २३ जनवरी तक किया जाएगा। वहीं २४ जनवरी को उपायुक्त एवं वरीय पुलिस अधीक्षक फाइनल पूर्वाभ्यास का निरीक्षण करेंगे।

गणतंत्र दिवस पर रणधीर वर्मा स्टेडियम में सुबह ९ बजे उपायुक्त द्वारा झंडोत्तोलन किया जाएगा। इसके बाद उपायुक्त द्वारा समाहरणालय में सुबह १०:३० बजे, मिश्रित भवन में उप विकास आयुक्त द्वारा सुबह १०:४५ बजे, अनुमंडल कार्यालय में अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा सुबह १०:५० बजे, भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी भवन में अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा सुबह ११ बजे, पुलिस लाइन में वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा ११:१० बजे तथा गांधी सेवा सदन में एडीएम लॉ एंड ऑर्डर द्वारा ११:३० बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा।

गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में समाज कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, उत्पाद विभाग, टाटा स्टील जामाडोबा, बीसीसीएल, जिला शिक्षा अधीक्षक सर्व शिक्षा अभियान, वन विभाग, अग्निशामक विभाग, कृषि विभाग, पुलिस विभाग, डीआरडीए, आईसीडीएस, जनसंपर्क विभाग, आपूर्ति विभाग, गव्य विभाग, धनबाद नगर निगम, जेएसएलपीएस, सहकारिता, बैंकिंग सुविधाओं से संबंधित अग्रणी जिला प्रबंधक, पीएचईडी, परिवहन व जिला उद्योग केन्द्र द्वारा आकर्षक झांकी निकाली जाएगी। बैठक में मुख्य समारोह स्थल की साफ सफाई, सौंदर्यीकरण, मुख्य समारोह स्थल की घेराबंदी, सुरक्षा, जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य अतिथियों के बैठने की व्यवस्था, शहर के प्रमुख चौक चौराहों पर विद्युत साज सज्जा आदि को लेकर विभिन्न पदाधिकारियों को अलगअलग जिम्मेवारी दी गई है।

बैठक में उपायुक्त माधवी मिश्रा, वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, सिटी एसपी अजीत कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी, उप निर्वाचन पदाधिकारी, कालिदास मुंडा, एडीएम सप्लाई श्री जियाउल अंसारी, एलआरडीसी दिलीप कुमार महतो, डीएसपी शंकर कामती, डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर नौशाद आलम, सहायक श्रम अधिक्षक प्रवीण कुमार, नियोजन पदाधिकारी आनंद कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी श्रीमती निशु कुमारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह सहित अन्य विभागों के पदाधिकारी के अलावा टाटा स्टील, बीसीसीएल, एमपीएल के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सत श्री अकाल के जयकारों से गुंजा दरबार

कालीमेला/जामाडोबा (ससे) : जामाडोबा सात नंबर गुरुद्वारा में सिक्खों के दशमे गुरु, गुरु गोविंद सिंह जी का जन्मोत्सव बड़ी धूम धाम से मनाया गया। इस दौरान बाबा की पालकी फूलों से सजाई गई। गुरु गोविंद सिंह जी के जन्मोत्सव पर दरबार में हाजिर हुई झरिया विधायक रागिनी सिंह ने बाबा के दरबार में माथा टेका व आशीर्वाद ली। बाबा का लंगर चखा । सभी सिख समाज को गुरु गोविन्द सिंह जी के जन्म दिन की लख लख बधाई दी। पंजाब से आए कवि मलकीत सिंह निमा ने गुरु गोविंद सिंह जी की इतिहास सगत को बताया। साथ ही गुरु गोविन्द के चार साहबजादे के बारे में बताया कि छोटी सी उम्र में मुगलों को मुंह तोड़ जवाब देने वाले गोविंद सिंह के शेर पुत्र थे। सिख धर्म के लिए लड़ाई लड़ी और शहीद हुए हैं। सिख समाज आज भी उनकी यादों को नमन करता है। हर सिख को हुक्म है गुरु मानयो ग्रन्थ, यह बात गुरु गोविंद सिंह जी ने कही थी, जो आज सिख गुरु ग्रन्थ साहब को नमन करता है। स्त्री सत्संग की जसबीर कौर कौर ने शब्द, मित्र प्यारे नू हाल मुरीदा दा कहना, वाहों वाहों गोविंद सिंह जी आपे गुरु आपे चेला, प्रसूत कर सगत को निहाल किया, बोले सो निहाल सत श्री अकाल के जयकारों से गुंजा बाबा का दरबार, जन्मोत्सव पर गुरुद्वारों में प्रसाद, मिठाई बांटी गई, स्त्री सत्संग कगीता कौर ने बताया कि गुरु गोविंद सिंह जी सिखों के दशमे गुरु थे गोविंद सिंह जी ने खालसा पथ की स्थापना १६९९ में की थी और खालसा पंथ सजाया था। सिख धर्म के लिए कई मुगलों के साथ युद्ध किया था। सभी युद्धों में विजय हासिल की। लोगों की सच्चाई व धर्म के रास्ते पर चलने के लिए एक नई जिंदगी दी।

उन्होंने धार्मिक सहिष्णुता और आत्मनिर्भरता का संदेश लोगों को दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शरणजीत सिंह, हरप्रीत सिंह, सरबजीत सिंह, इंद्रजीत सिंह, स्त्री सत्संग की गीता कौर तथा जसबीर कौर आदि शामिल थी।

बांसजोड़ा कोलियरी में आमरण अनशन 15 से

धनबाद (कासं) : कोल इंडिया एसटीएससी कर्मचारी संगठन के केंद्रीय संयुक्त सचिव मुकेश पासवान ने महाप्रबंधक सिजुआ को पत्र देकर एरिया पांच के सेन्द्रा बांसजोड़ा कोलियरी में संचालित साकार मास आउटसोर्सिंग कंपनी में स्थानीय बेरोजगार युवकों को नियोजन देने की मांग की है। इस मामले में कई दफा पत्र के माध्यम से कोलियरी एवं उच्चस्तरीय प्रबंधन को पत्र देकर युवाओं को आउटसोर्सिंग कंपनी में नियोजन देने की मांग की गई थी, लेकिन प्रबंधन पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। मौखिक रूप से भी कहा गया था, लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं हुई। मुकेश पासवान ने सेन्द्रा बांसजोड़ा प्रबंधन को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर बेरोजगार युवकों को आउटसोर्सिंग में नियोजन नहीं दिया तो १५ जनवरी से आमरण अनशन आरंभ किया जायेगा। जिसकी जवाबदेही बीसीसीएल और आउटसोर्सिंग कंपनी पर होगी।

ट्रैफिक नियमों के पालन को दिलाई गई शपथ

धनबाद (कासं) : सड़क सुरक्षा माह के अन्तर्गत गुरुवार को जिला परिवहन कार्यालय में जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी ने, पुलिस उपाधीक्षक (यातायात) कार्यालय में ट्राफिक डीएसपी श्री अरविंद कुमार सिंह ने तथा जिले के सभी थानों में एक साथ यातायात के नियमों का पालन कराने की शपथ दिलाई गई। इस दौरान एमवीआई अभय कुमार, एमवीआई शुभम कुमार, एमवीआई हरीश कुमार, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक सुनील कुमार, रोड इंजीनियरिंग एनालिस्ट अमरेश कुमार, आईटी असिस्टेंट देवेन्द्र कुमार तथा कार्यालय के सभी कर्मी उपस्थित थे।

शेख़ फातिमा व सावित्री बाई की जीवनी पर चर्चा

जामाडोबा (ससे) : कांग्रेस के अनिल पांडेय ने कहा कि झरिया गुलगुलिया पट्टी में बन रहे स्कूल को माफियाओं द्वारा ध्वस्त कर दिया गया जो गरीबों के हित में नहीं है। शमशेर आलम ने कहा कि जिस दिन हमारे लोग माफिया को जिताने और तलुवा चाटने के आदत से दूर हो जायेगा उस दिन दोनों घराना विधायक नही बन पायेंगे। माफिया द्वारा ही अपराधियों को पेदा किया जाता है। झरिया में ऐसा अलख जगाने की जरूरत है जो दोनों माफिया घराने को भगाने का काम करें।

शालीमार में वरिष्ठ कांग्रेसी अनिल पांडेय ने एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि देश के पूर्व एवं वर्तमान महान पुरुषों में शामिल शेख़ फातिमा, सावित्री बाई फुले की जीवनी पर जितना चर्चा होना चाहिए नहीं हुआ। सेख फातिमा जब बच्चों को पढ़ाने के लिए प्रेरित करते तब फारवर्ड क्लास तो विरोध करते ही थे, मुस्लिम समुदाय के लोग भी विरोध करते थे के बाद भी शेख फातिमा ने अपनी मिशन नहीं छोड़ी।

शेख फातिमा के भाई शेख उस्मान ने सावित्री बाई फुले को स्कूल खोलने के लिए जमीन दिया गया था तब जाकर देश में प्रथम स्कूल खोला गया था। इस स्कूल में शिक्षिका में पढ़ने के लिए घूमघूमकर शेख फातिमा बच्चों को पढ़ाने लाती थी।

कांग्रेसियों ने कहा इतिहास शेख फातिमा के साथ न्याय नहीं किया जिस सम्मान को वर्तमान समय में दिया जाएगा।

जिस समय शेख फातिमा पढ़ती और पढ़ाती थी उस समय वह नाबालिग था। उस समय माता फातिमा, सावित्री बाई फुले के साथ स्कूल चलाने में अहम भूमिका रही। सेख फातिमा और सावित्री बाई फुले की जीतना चर्चा होना चाहिए उतना नही हुआ। वक्ताओं में अनिल पांडेय, सतीश रजक, शमशेर आलम, किशोर कुमार, अख्तर अन्सारी, फैयाज अहमद, जावेद, आलोक कुमार, अब्दुल अजीज, बबलु आदि ने विचार व्यक्त किए।

अनाथ बच्चों को मिला डालसा का सहारा

धनबाद (कासं) : झालसा व प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार वीरेंद्र कुमार तिवारी के निर्देश व अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा राकेश रोशन के आदेश पर डालसा द्वारा गठित चाइल्ड केयर यूनिट के सदस्यों द्वारा ४ गरीब अनाथ बच्चों को चिन्हित किया गया जिनके पिता की मृत्यु के बाद इन बच्चों का भोजन, शिक्षा आदि भी दुर्लभ हो गया था।

चाइल्ड केयर यूनिट को इसकी सूचना मिली। अवर न्यायाधीश राकेश रोशन ने फौरन कार्रवाई करते हुए एलएडीसीएस के डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट नेतृत्व में टीम को फौरन कार्रवाई का निर्देश दिया। निर्देश के आलोक में पीएलबी हेमराज चौहान और टिम ने बच्चों को चिन्हित कर सरकारी योजनाओं लाभ दिलाने के लिए उन्हें राशन कार्ड, आयुष्मान हेल्थ कार्ड और स्पॉन्सरशिप स्कीम से जुड़वाने का काम किया जिस कारण बच्चों सहित पूरे परिवार की आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समाधान हो सका। जिससे बच्चे अभी आगे की पढ़ाई सुचारू रूप से करना शुरू किया।

बच्चों की पढ़ाई तक सरकारी योजना के तहत उन्हें ४ हजार प्रतिमाह की राशि आवंटित हो गई। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने दोनों बच्चों को बैंक पासबुक प्रदान किया तथा वहीं ठंड से राहत प्रदान करने के लिए उन्हें कम्बल भी दिया गया। इस मौके पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि ऐसे अनाथ बच्चों के लिए डालसा की पूरी टीम हमेशा तत्पर है। इस मौके पर व्यवहार न्यायालय के रजिस्टर आई जेड खान, डिप्टी चीफ एलएडीसीएस अजय कुमार भट्ट, सहायक शैलेन्द्र झा, डालसा सहायक अरुण कुमार, सौरभ सरकार राजेश सिंह, हेमराज चौहान मौजूद रहे।

गुलगुलिया विद्यालय में बौद्धिक गोष्ठी

धनबाद (कासं) : गुलगुलिया विद्यालय झरिया के तत्वावधान में ३ से ३० जनवरी तक विभिन्न महापुरुषों पर आयोजित बौद्धिकमोष्ठी श्रृंखला में गुरुवार को फ़ातिमा शेख के जन्मदिन पर बौद्धिक गोष्ठी संपन्न हुई। यह गोष्ठी शालीमार में आयोजित थी। गोष्ठी श्रृंखला का समापन ३० जनवरी को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर चिल्ड्रेन पार्क झरिया में होगा।

फ़ातिमा शेख प्रथम मुस्लिम महिला शिक्षिका थीं। वंचित बालिकाओं, विशेषतः, मुस्लिम समुदाय की बालिकाओं को शिक्षित करने की शुरुआत इन्होंने की थी।

सावित्रीबाई फुले के साथ मिलकर प्रथम बालिका विद्यालय की स्थापना इन्होंने अपने आवास में किया था। उस समय काल में मुस्लिम बालिकाओं को पढ़ाने का रिवाज नहीं था। गोष्ठी में मौजूद लोगों ने आपसी सहयोग कर कुल १३०० रुपए विद्यालय के संस्थापक अनिल पाण्डेय को दिया। अनिल पाण्डेय ने कहा कि ६५० रूपए का उपयोग गुलगुलिया विद्यालय के पुनरुद्धार के लिए किया जाएगा। ज्ञातव्य रहे कि असामाजिक तत्वों ने विद्यालय को ध्वस्त कर दिया है। गोष्ठी में अनिल पाण्डेय, सतीश चंद्र रजक, शमशेर आलम, किशोर कुमार, फैयाज अहमद, फ़ैज़ अहमद रिज़वी, वीरेंद्र गुप्ता, अब्दुल अजीज, सपन कुमार बनर्जी, राकेश कुमार मंडल, सुमित कुमार, आलोक कुमार राज, फरीद अहमद, मोहम्मद शमीम अंसारी आदि ने विचार रखे।

फास्ट फूड की दुकान में तोड़फोड़

जामाडोबा (ससे) : जामाडोबा २ पिट्स मोड़ पर फास्ट फूड की दुकान का शेड टाटा स्टील सुरक्षा कर्मियों एवं जोड़ापोखर पुलिस के सहयोग से हुई तोड़फोड़ के प्रकरण में झरिया विधायक रागिनी सिंह पहुँची। उन्होंने लोगों से कहा ये पुलिस की ज्यादती है। थाना प्रभारी बैगर नोटिस का तोड़फोड़ की है। जिससे दुकान संचालक डब्लू कुमार गुप्ता को एक लाख रुपये की क्षति हुई है।

उन्होंने घटना की जानकारी टाटा के अधिकारी, धनबाद एसएसपी को दिया एवं मांग किया। ऐसे पुलिस पदाधिकारी पर अविलंब कार्रवाई करे अन्यथा भाजपा आंदोलन करेगा। उन्होंने संचालक से कहा कि वरीय अधिकारियों को आवेदन लिखकर पुलिस द्वारा जबरन की गई तोड़ फोड़ की शिकायत करे। उनके साथ पूर्व पार्षद सुजीत कुमार सिंह, उमेश यादव, मुन्ना जयसवाल, राजेश कुमार सहित दर्जनों लोग शामिल थे।

आचार्य किशोर कुणाल को श्रद्धांजलि

धनबाद (कासं) : आदिगुरु सर्वविद्या सेवा ट्रस्ट की इकाई भारतीय एकता शेर सेना के द्वारा गुरुवार को रणधीर वर्मा चौक स्थित संकट मोचन महावीर मंदिर परिसर में पटना के संस्थापक आचार्य किशोर कुणाल की आत्मा की शांति के लिये २ मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जिसमे संस्था के संस्थापक अध्यक्ष रंजन गुप्ता एंव महेंद्र शर्मा, जगदीश साव, अमित राय, संतोष कुमार, अमोद श्रीवास्तव, अमित कुमार, रिशु सिन्हा, रविंद्र कुमार सिंह, उदय शंकर, उपेंद्र सिंह, मुना प्रसाद, ऋषिकेश, अनिल सिन्हा आदि उपस्थित थे।

कर्मचारी के हित में काम करेगा ईसीआरकेयू : जियाउद्दीन

धनबाद (कासं) : ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन ईसीआरकेयू की एक बैठक धनबाद हिल कॉलोनी स्थित शाखा दो कार्यालय में संपन्न हुआ। बैठक की अध्यक्षता शाखा के अध्यक्ष एनके खवास द्वारा की गयी। जबकि इस बैठक में केंद्रीय अपार महामंत्री मोहम्मद जियाउद्दीन और केंद्रीय संगठन मंत्री नेताजी सुभाष के उपस्थिति में संपन्न हुआ। जिसमें धनबाद के तीनों शाखा धनबाद शाखा एक, धनबाद शाखा दो और धनबाद लाइन शाखा के पदाधिकारी ने भाग लिए इस बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूत करना और कर्मचारियों का हित में काम करना। उपस्थित दोनों केंद्रीय पदाधिकारी ने बताया कि हम लोगों को इस समय को एक अवसर के रूप में लेना है और कर्मचारियों के हितों और उनकी समस्याओं के समाधान और ज्यादा काम कर सकेंगे एवं इसके लिए ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन एवं ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन के दिशा निर्देश पर समयसमय पर धरना प्रदर्शन करते रहेंगे इस बैठक में कर्मचारियों की समस्याओं पर चर्चा किया गया साथ ही साथ कर्मचारियों को यह आश्वासन भी दिया गया की जिस तरह से यूनियन पहले काम कर रहा था काम करते रहेगा। बैठक में कर्मचारियों की समस्याओं पर चर्चा की गई। साथ ही साथ कर्मचारियों को यह आश्वासन भी दिया गया की जिस तरह से यूनियन पहले काम कर रहा था काम करते रहेगा।

बैठक में मोहम्मद जियाउद्दीन, नेताजी सुभाष, एन के खवास के अलावे एके दा, सुदर्शन महतो, एक के दास, भानु प्रकाश, बीबी आजाद, रंजीत कुमार, रविन्द्र रवानी, जागेश्वर यादव और शंभू नाथ राम उपस्थित थे।

जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण

धनबाद (कासं) : सामाजिक संस्था पंख एक नई दिशा द्वारा जोड़ाफाटक शक्ति मंदिर के पास ठंड से ठिठुरते असहायों व जरूरतमंदों के बीच कंबल बांटा गया।

संस्था की अध्यक्ष पिंकी गुप्ता, सुषमा प्रसाद, नम्रता गुप्ता, गायत्री गुप्ता, रंजना सिंह, लालिता सिंह, मनीष गुप्ता, शशि शेखर गुप्ता, सुधा गुप्ता, श्रुती गुप्ता, संगीता सिंह व रेखा देवी ने अपने हाथों से असहायों के बीच कंबल बाटा। अध्यक्ष पिंकी गुप्ता ने कहा संस्था के सभी सदस्याओं के सहयोग से कंबल वितरण किया गया है। इस सहयोग के लिए उन्होंने सभी का आभार प्रकट किया। बताई कि कंबल वितरण अभियान ठंड तक ज़ारी रहेगा।

समय पर मिले कर्मियों को पीएफ की राशि

धनबाद (कासं) : कोयला खान भविष्य निधि संगठन की स्थापना भारत सरकार के श्रम और नियोजन मंत्रालय के अधीन हुई थी, जिसका उदेश्य अंश दाता के हित सुनिश्चित करने के लिए हुआ था। संसद से पारित अधिनियम के तहत सीएमपीएफ मिस्सेलेनियस रूल्स, १९४८ बना था। जिसके तहत इस संगठन को अधिकृत किया गया था कि नियोक्ता अगर अंश दाता की राशि को समय पर सीएमपीएफ में जमा नहीं करता है तो नियोक्ता को दंडित कर सकता है। किंतु श्रम और रोजगार मंत्रालय से कोयला मंत्रालय में आने के पश्चात यह संस्था शक्ति विहीन हो गया है। अपेक्षित कार्य करने में असमर्थ हो गया है। अंश दाता का कोई कार्य नहीं हो पा रहा है। हाल ही में संपन्न हुए ट्रस्टी बोर्ड के बैठक में कोयला मंत्रालय के प्रतिनिधि ने कहा की पेंशन जारी रखना और भर पाई नियोक्ता की उत्तर दाई है। ऐसे में इस संगठन की कोई उपयोगिता नहीं है।

अतः हमारा एसोसिएशन मांग करता है कि सीएमपीएफओ को सीआईएल में विलीन कर अंश दाता के पेंशन आदि की व्यवस्था सीआईएल करें। इस प्रकार अंश दाता के जमा राशि का ४ प्रतिशत जो सीएमपीएफओ के प्रयास किए खर्च भी बचेगा।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

जया किशोरी ने अविष्कार के एमडी देवेन तिवारी को किया सम्मानित

धनबाद (कासं) : कोयलांचल के जाने माने समाजसेवी सह अविष्कार डायग्नोसिस के सीएमडी देवेन तिवारी को गोल्फ ग्राउंड मैदान में आयोजित तीन दिवसीय राधा कृष्ण कथा के समापन के अवसर पर कथा वाचिका जया किशोरी ने भगवान श्री राम, सीता का

कथा समापन के दिन भक्तों का उमड़ा सैलाब

मोमेंटों देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर देवेन तिवारी और उनकी पुत्री ने भगवान श्रीकृष्ण और बांके बिहारी की आरती कर आशीर्वाद प्राप्त किया। श्री तिवारी ने श्याम मित्र धनबाद के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को कहा कि धन की धरती धनबाद में इसी तरह धार्मिक कथाओं का कार्यक्रम चलता रहे जिसके ऊर्जा से कोयलांचल प्रगति के पथ पर बढ़ता रहे। आज समापन के दिन भारी जनसैलाब कथा श्रवण के लिए उमड़ पड़ी थी।

हर माह बेलगढ़िया में लगेगा विशेष कैंप

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने गुरुवार को समाहरणालय के सभागार में झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकार (जेआरडीए) की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने शिफ्टिंग की प्रक्रिया की प्रगति की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि ८१ साइट्स में एक हजार से अधिक नॉन टाइटल होल्डर (नॉन एलटीएच) के लिए बेलगढ़िया में आवास चिन्हित किए गए हैं। जिन्हें मुआवजा की राशि देखकर शिफ्ट किया जाना है। इस पर उपायुक्त ने शीघ्र मुआवजा का भुगतान कर शिफ्टिंग की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया। इसके अलावा उपायुक्त ने प्रत्येक महीने की १५ तारीख को बेलगढ़िया में विशेष कैम्प लगाकर वहां के निवासियों को राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, दिव्यांगता प्रमाण पत्र, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, वृद्धा पेंशन, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, हेल्थ चेकअप कैंप सहित राज्य सरकार की सभी जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करने का निर्देश दिया। उन्होंने बेलगढ़िया टाउनशिप में सिवरेज, पेयजल की सुविधा, कॉलोनी में सड़क की मरम्मत एवं चौड़ीकरण को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बेलगढ़िया के लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए उपायुक्त ने अधिक से अधिक स्वयं सहायता समूह बनाने का भी निर्देश दिया।

बैठक के दौरान बेलगढ़िया टाउनशिप में इलेक्ट्रिक बस चलाने, स्कूल, हॉस्पिटल, जन वितरण प्रणाली, सामुदायिक भवन निर्माण, हर आवास में विद्युत कनेक्शन, हर आवास में नल से पेयजल कनेक्शन, बैंक एटीएम की संख्या बढ़ाने, चिल्ड्रन पार्क, धार्मिक स्थल, साफ सफाई, सिवरेज मेंटेनेंस के लिए एजेंसी का चयन, आवासों की मरम्मत, डेयरी बूथ की स्थापना, इंटरनेट व मोबाइल कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने इत्यादि को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बैठक में उपायुक्त माधवी मिश्रा, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप शुक्ला, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजूर, जिला शिक्षा पदाधिकारी निशु कुमारी, जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश कुमार बाउरी, डीआईओ सुनीता तुल्स्यान, बाघमारा, पुटकी एवं झरिया के अंचल अधिकारी, जेआरडीए के सलाहकार डीएन महापात्रा, वरीय प्रबंधक संजय कुमार, रत्नाकर मल्लिक, यूके करमाकर, ए हक तथा अन्य लोग मौजूद थे।

एसएसपी ने न्यायालय व मंडल कारा का लिया जायजा

धनबाद (कासं) : एसएसपी ने गुरुवार को न्यायालय परिसर, कोर्ट हाजत, जेल की ओर जाने

वाली सड़क, न्यायालय परिसर की इंट्री व निकासी गेट आदि का निरीक्षण किया। इस दौरान मंडल कारा एवं कोर्ट परिसर की सुरक्षा में तैनात पुलिस पदाधिकारियों व जवानों को सुरक्षा से जुड़े कई आवश्यक दिशानिर्देश भी दिए गए, खासकर मंडल कारा से पेशी के लिए कोर्ट लाए जाने तथा पेशी के बाद मंडल कारा वापस पहुंचाने के दौरान बंदियों पर विशेष नजर रखने और बंदियों से मिलने वाले मुलाकातियों पर पैनी निगाह रखने को कहा गया। उन्होने सुरक्षाकर्मियों को चौबीस घंटे निरंतर वॉच टॉवर से निगरानी रखने का निर्देश दिया।

इस दौरान वहां सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मियों के मेटल डिटेक्टर से आगंतुकों की तलाशी लेने, परिसर में आने वाले वाहनों की जांच करने, सीसीटीवी के जरिये हर गतिविधि पर निगरानी रखने सम्बन्धित निर्देश भी दिए गए । कचहरी रोड में होटल रत्न विहार से लेकर रणधीर वर्मा चौक तक नो पार्किंग जोन घोषित करते हुए सड़क किनारे लगने वाले दो पहिया व चार पहिया वाहनों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया गया।

सीआईएसएफ में प्रिया कुमारी का चयन

राजगंज (ससे) : डोमनपुर के साधारण किसान राजेन्द्र रवानी व गुड़िया देवी की बेटी प्रिया कुमारी ने अपने अथक मेहनत के बल पर केन्द्रीय ओद्यौगिक सुरक्षा बल पर चयन हुए हैं। इसको लेकर राजगंज इलाके में खुशी की लहर हैं। आज प्रिया नये पढ़ने वाले छात्राओं के लिए

प्रेरणास्रोत बन गयी है। गुरुवार को धनबाद जिला के भाजपा मीडिया प्रभारी नीलकंठ रवानी प्रिया के घर पहुँचकर अंग वस्त्र, माला व मिठाई खिलाकर बधाई व शुभकामनाएँ दी। नीलकंठ रवानी ने कहा कि प्रिया के इस उपलब्धि पर ग्रामीणों मे काफी हर्ष व्याप्त है। मौके पर प्रगति कोचिंग सेंटर के संस्थापक शुभम रवानी, रुनिया देवी, सावित्री देवी, गणेश रवानी, कृपाशंकर महतो, अभिषेक रवानी ने बधाई व शुभकामनाएँ देकर उज्वल भविष्य की कामना की है।

बांग्ला भाषा उन्नयन समिति की बैठक

बलियापुर (ससे) : बाघमारा के आमटांड़ टोला में गुरुवार को झारखंड बांग्ला भाषा उन्नयन समिति की बैठक भीम राय की अध्यक्षता में हुई। छत्तीसगढ़ में युवा पत्रकार मुकेश चन्द्राकार की जघन्य हत्या की घटना की तीव्र निंदा की। बैठक में बेंगू ठाकुर, कविता राय, श्री राय, सरस्वती राय, काजल देवी, सुमित्रा देवी, भादू देवी, शांति देवी, खुशबू देवी आदि मौजूद थे।

दिल्ली चुनाव से हमारा कोई लेनादेना नहीं : उमर अब्दुल्ला

नई दिल्ली(ईएमएस) : जम्मूकश्मीर के मुख्यमंत्री उमर

अब्दुल्ला ने गुरुवार को इंडिया अलायंस खत्म करने की बात कही। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद इसको लेकर कोई बैठक नहीं हुई है। यह गठबंधन लोकसभा चुनाव तक ही था तो इसे खत्म कर देना चाहिए। इसके पास न कोई एजेंडा है और न ही कोई लीडरशीप। दिल्ली चुनाव को लेकर उमर अब्दुल्ला ने कहा कि दिल्ली में क्या चल रहा है। इसके बारे में मैं कुछ नहीं कह सकता, क्योंकि दिल्ली चुनाव से हमारा कोई लेनादेना नहीं है। जो पार्टी वहां मौजूद हैं वो तय करें कि भाजपा का मुकाबला किस बेहतर तरीके से किया जा सकता है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप को समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना यूबीटी का सपोर्ट मिल चुका है। केजरीवाल ने दोनों नेताओं को समर्थन के लिए शुक्रिया कहा है। शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने कहा कि भाजपा ने चुनाव से पहले प्रोजेक्ट लॉन्च किए और फिर ५ साल कुछ नहीं किया। दिल्ली की जनता अरविंद केजरीवाल के साथ है।

हरिपुर धौड़ा में कंबल वितरण

धनबाद (कासं) : गुरुवार को शास्त्री नगर, विश्वकर्मा नगर, हरिपुर धौड़ा धनसार, के विभिन्न जगहों पर कड़ाके की ठंड को देखते हुए जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरण किया गया। झारखण्ड सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को हर जरूरतमंद व्यक्तियों तक लाभ पहुंचाने का हम लोग लगातार प्रयास करते रहेंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से धनबाद जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष नवनीत नीरज, योगेंद्र सिंह जोगी, हरेंद्र शाही, अरविन्द कुमार सैनी आदि लोग उपस्थित थे।

प्लस टू उच्च विद्यालय का 24वां वार्षिकोत्सव

गोविंदपुर (ससे) : प्लस टू उच्च विद्यालय गोसाईंडीह का २४वां वार्षिकोत्सव गुरुवार को समारोह पूर्वक मनाया गया। झारखंड कल्याण मंच द्वारा आयोजित समारोह की मुख्य अतिथि प्रखंड प्रमुख निर्मला सिंह ने विद्यालय सहयोग से यह अब प्लस टू उच्च विद्यालय हो गया है।

शिक्षक भी पर्याप्त हो गए हैं। अब बेहतर रिजल्ट होना चाहिए। अध्यक्षता झारखंड कल्याण मंच के अध्यक्ष राजकुमार गिरि, संचालन नयन मिश्र, विक्रांत उपाध्याय, एलपी वर्मा, अमल कुमार, सहदेव गोप, श्यामनंदन प्रसाद, टीपी सिंह, सुबल चंद्र दा, परमानंद गिरि, देवेंद्र गिरि समेत सभी शिक्षकशिक्षिकाएं मौजूद थे। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने

के विकास में प्रखंड प्रशासन की ओर से हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया। मुखिया रेशम कुमारी ने कहा कि विद्यालय के विकास में पंचायत की ओर से पूरा सहयोग रहेगा। समाजसेवी शरत दुदानी, पूर्व उप प्रमुख डीएन सिंह एवं शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष नीलकंठ मंडल ने कहा कि सभी के मिश्रा एवं धन्यवाद ज्ञापन एसएमसी अध्यक्ष किशोर राय ने किया। प्रभारी प्राचार्य विजय कुमार श्रीवास्तव ने विद्यालय की शैक्षणिक प्रतिवेदन एवं झारखंड कल्याण मंच के सचिव उमानाथ शर्मा ने मंच की गतिविधियों को सभी के समक्ष रखा।

समारोह में प्रधानाध्यापक दिनेश राय, पत्रकार जयप्रकाश रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को अतिथियों ने सम्मानित किया।

बांसजोड़ा कोलियरी में आमरण अनशन 15 से

धनबाद (कासं) : कोल इंडिया एसटीएससी कर्मचारी संगठन के केंद्रीय संयुक्त सचिव मुकेश पासवान ने महाप्रबंधक सिजुआ को पत्र देकर एरिया पांच के सेन्द्रा बांसजोड़ा कोलियरी में संचालित साकार मास आउटसोर्सिंग कंपनी में स्थानीय बेरोजगार युवकों को नियोजन देने की मांग की है। इस मामले में कई दफा पत्र के माध्यम से कोलियरी एवं उच्चस्तरीय प्रबंधन को पत्र देकर युवाओं को आउटसोर्सिंग कंपनी में नियोजन देने की मांग की गई थी, लेकिन प्रबंधन पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। मौखिक रूप से भी कहा गया था, लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं हुई। मुकेश पासवान ने सेन्द्रा बांसजोड़ा प्रबंधन को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर बेरोजगार युवकों को आउटसोर्सिंग में नियोजन नहीं दिया तो १५ जनवरी से आमरण अनशन आरंभ किया जायेगा। जिसकी जवाबदेही बीसीसीएल और आउटसोर्सिंग कंपनी पर होगी।

भाजपा ने चलाया जनसंपर्क अभियान

बलियापुर (ससे) : भाजपा ग्रामीण जिलाध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर के नेतृत्व में गुरुवार को घड़बड़ एवं बीरसिंहपुर पंचायत में भाजपा सदस्यता अभियान चलाया गया। मौके पर विद्युत चक्रवर्ती, दीपक गोप, गुहीराम पाल, गोरांग मंडल, राकेश चौबे, सुकेश गोराई, लखन गोराई, हरे कृष्ण रवानी आदि मौजूद थे।

संविधान को खत्म करना चाहती है भाजपा : संतोष सिंह

धनबाद (कासं) : धनबाद प्रखंड के अंतर्गत पुटकी अंबेडकर चौक में धनबाद कांग्रेस उपाध्यक्ष कय्यूम खान की अध्यक्षता में जय बापू, जय भीम अभियान, जय संविधान, कार्यक्रम आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि धनबाद कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह,

कार्यकारी अध्यक्ष राशिद रजा अंसारी, धनबाद प्रखंड कांग्रेस के प्रवेक्षक कालीचरण यादव मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मण तिवारी ने किया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष सिंह ने कहा कि भाजपा व आर एस एस शुरू से संविधान विरोधी रही है। जिलाध्यक्ष श्री सिंह ने कहा ३० नवंबर १९४९ को आर एस एस को सप्ताहिक आर्गनाइजेशन ने संविधान को अभारतीय बताया था। मनुस्मृति को आदर्श प्राचीन कानून के रूप में प्रचारित किया था। १२ दिसंबर १९ ४९ को महिलाओ के समान अधिकारो का विरोध करते हुए बाबासाहेब अंबेडकर जी का पुतला जलाया था। जिलाध्यक्ष श्री सिंह ने कहा भाजपा शुरुआत से बाबू का विरोधी रही है। आज गांधी के विरासत पर हमला कर रही है। संघ परिवार नाथूराम गोडसे का महीमा मंडन कर गांधी के विरासत को कमजोर कर रही है। आरक्षण नीतियों को कमजोर किया गया। दलित पिछड़ा वर्ग और जन जातीय समूह निशाना बनी। दलित विरोध प्रदर्शन पर पुलिस दमन, जिसमे मौत और कानूनी परीणाम सामने आए हैं। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति आयोग को कमजोर किया गया है। २०२१ से जनगणना रोकी गई है। कार्यक्रम में सर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह, राशिद रजा अंसारी, रामगोपाल भुवानिया, कालीचरण यादव, कयूम खान, लक्ष्मण तिवारी, अक्ष्यवर प्रसाद, रवि चौबे, अख्तर खान गुड्डू, जीतेश सिंह, दिपक सिंह, राम विलास राम, जितेंद्र शर्मा, बिट्टू सिंह, प्रीतम रवानी, निवारण महतो, शाहरुख खान, आशीश सिन्हा, नवीन पासवान दयानंद पासवान, बब्लू उरांव, शहबाज अनवर, अजय साव, शंकर बिसकरमा, मनबोध सिंह, सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

बीसीसीएल में 5 लोगों को मिली नौकरी

धनबाद (कासं) : केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी के हाथों से आज बीसीसीएल में अनुकंपा के आधार पर नियोजन पाने वाले पांच लाभार्थियों को नियोजन पत्र सौंपा गया। बीसीसीएल द्वारा जनवरी २०२५ माह में १०० नियोजन दिये जाने हैं, इस क्रम में आज पाँच पात्र लाभार्थियों को मंत्री के हाथों नियोजन देकर इसकी शुरुआत हूई। मौके पर कोयला मंत्रालय के सचिव विक्रम देवदत्त, अतिरिक्त सचिव विश्मिता तेज, कोल इंडिया के चैयरमैन पी एम प्रसाद भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर बीसीसीएल के सीएमडी समीरन दत्ता ने बताया कि कंपनी ने इस वर्ष अब तक ४४२ लाभार्थियों को नियोजन दिया गया है। उल्लेखनीय है कि कंपनी ने नियोजन के मामलों में तेजी लाते हुए एक साथ शिविर लगाकर बड़ी संख्या में नियोजन देने की शुरुआत की गयी है। कंपनी द्वारा अक्तूबर माह में अनुकंपा नियोजन शिविर १.० लगाकर ५० पात्र लाभार्थियों को नियोजन दिया गया। इसी प्रकार दिसंबर माह में नियोजन शिविर २.० में ११७ लाभार्थियों को नियोजन पत्र सौंपे गये। वर्ष २०२५ के प्रथम माह में ही १०० लोगों को नियोजन दिया जा रहा है। इसमें पांच लोगों को गुरुवार को कोयला मंत्री के हाथों नियोजन पत्र सौंपे गये हैं। बाकी के ९५ लाभार्थियों को आगामी सप्ताह में नियोज पत्र वितरित किये जाएंगे।

इसके अलावा बीसीसीएल ने हाल ही में एससी/एसटी और ओबीसी के लिए विशेष भर्ती अभियान के माध्यम से ७७ जूनियर ओवरमैन के पदों पर भी भर्ती की है। साथ ही चिकित्सकों और नर्सों के पदों को भी भरा गया है। वर्ष २०२४२५ के अंत तक बीसीसीएल द्वारा ६०० से अधिक लोगों को नियोजन दे दिया जएगा। कार्यक्रम में बीसीसीएल के निदेशक (कार्मिक) मुरलीकृष्ण रमैया, निदेशक तकनीकी (संचालन) संजय कुमार सिंह एवं निदेशक तकनीकी (परि. एवं योजना) शंकर नागाचारी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर कोयला मंत्री ने सीसीएल, सीएमपीडीआईएल, बीसीसीएल और ईसीएल के उच्च अधिकारियों के साथ समीक्ष बैठक भी की। कोयला मंत्री के हाथों नियोजन पाने वालों में अनामिका कुमारी पूर्वी झरिया क्षेत्र, ज्योति कुमारी कतरास क्षेत्र, नीरज कुमार सिंह कतरास क्षेत्र, प्रदीप कुमार महतो पुटकी बलिहारी क्षेत्र और अखिलेश कुमार साव लोदना क्षेत्र है।

सड़क दुर्घटना के पीड़ितों को एक लाख से ज्यादा का इलाज कैशलेस होगा

नई दिल्ली (ईएमएस) : सड़क हादसे के पीड़ितों को मोदी सरकार बड़ी राहत देने की तैयारी में जुट गई है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का कहना है कि सड़क दुर्घटना के पीड़ितों के इलाज के लिए कैशलेस योजना मोदी सरकार लाने वाली है। इसके तहत एक लाख रुपये से ज्यादा का इलाज मिलेगा। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने बताया है कि मार्च तक एक संशोधित योजना लाने की तैयारी है। गडकरी ने बताया कि यह योजना किसी भी श्रेणी की सड़क पर मोटर वाहनों के कारण होने वाली सभी सड़क दुर्घटनाओं पर लागू होगी। उन्होंने कहा, पीड़ित दुर्घटना की तारीख से अधिकतम सात दिन की अवधि के लिए प्रति व्यक्ति अधिकतम १.५ लाख रुपये तक 'कैशलेस' उपचार के हकदार हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने १४ मार्च, २०२४ को सड़क दुर्घटना पीड़ितों को 'कैशलेस' उपचार प्रदान करने के लिए एक पायलट कार्यक्रम शुरू किया था। चंडीगढ़ में शुरू पायलट कार्यक्रम का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों को समय पर चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के लिए परिवेश तैयार करना था। पायलट परियोजना को बाद में छह राज्यों तक बढ़ाया गया। मोदी सरकार ने अगस्त २०२४ में जानकारी दी थी कि योजना के तहत आने वाले पीड़ितों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्रीजन आरोग्य योजना (एबी पीएमजेएवॉय) के तहत सूचीबद्ध अस्पतालों में दुर्घटना की तिथि से करीब ७ दिनों की अवधि के लिए ट्रॉमा और पॉलीट्रॉमा देखभाल से संबंधित अधिकतम १.५ लाख रुपये तक के स्वास्थ्य लाभ पैकेज दिए जाते हैं।

करियर के लिए बेहतर ऑप्शन हो सकता है फार्मेसी

बारहवीं साइंस स्ट्रीम के विद्यार्थी, जो अपना करियर मेडिकल फील्ड में बनाना चाहते हैं, उनके लिए फार्मेसी एक बेहतर ऑप्शन हो सकता है।

भारत को विश्व में जेनरिक ड्रग्स का सबसे बड़ा निर्माता माना जाता है। इस वजह से यहां फार्मा सेक्टर में युवा ग्रेजुएट्स के लिए बेहतर जॉब के अवसर हैं। अगर आप 12वीं में साइंस के स्टूडेंट हैं, तो फार्मा सेक्टर में करियर बनाने पर विचार कर सकते हैं। फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री के विस्तार के चलते प्रशिक्षित फार्मेसिस्ट की मांग बढ़ती जा रही है।

कौन होते हैं फार्मेसिस्ट

फार्मेसिस्ट स्पेशलाइज्ड हैल्थ प्रोफेशनल्स होते हैं, जो विभिन्न दवाइयों के विकास और निर्माण पर काम करते हैं। इसके अलावा फार्मेसिस्ट तरह-तरह की दवाइयों के गुणों, उपयोग व प्रभाव, शुद्धता तथा तीव्रता का अध्ययन करते हैं।

कौन कर सकता है बीफार्मा

अगर 12वीं में आपके विषय फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी या मैथ्स हैं, तो आप फार्मेसी में बैचलर डिग्री के लिए पात्र हैं। आप चाहें, तो दो साल का डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं। बेहतर करियर संभावनाओं के लिए आप बीफार्मा के बाद एमफार्मा भी कर सकते हैं।

कोई नया कोर्स

फार्मेसी में 6 साल का फार्म डी (इंटीग्रेटेड डॉक्टोरेट इन फार्मेसी) कोर्स शुरू किया गया है। यह कोर्स उनके लिए है, जो अपना करियर फार्मेसी की रिसर्च के क्षेत्र में बनाना चाहते हैं।

जॉब की संभावनाएं

फार्मेसी ग्रेजुएट्स को हॉस्पिटल्स या रिटेल चेन्स में फार्मेसिस्ट के तौर पर रोजगार मिल जाता है। जो युवा फार्मेसी में डिप्लोमा करते हैं, वे मेडिकल स्टोर्स या हॉस्पिटल में रिटेल केमिस्ट या सेल्स रिप्रेजेंटेटिव के तौर पर काम कर सकते हैं। दवाई उद्योग में फार्मेसिस्ट नए आइडियाज और प्रोडक्ट डेवलपमेंट के लिए भी काम कर सकते हैं। अकादमिक रुचि वाले विद्यार्थी रिसर्च या ट्रेनिंग की फील्ड में भी जा सकते हैं। वे सरकारी विभागों, नेशनल ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल डेवलपमेंट काउंसिल में भी काम कर सकते हैं। फूड एंड बेवरेज इंडस्ट्री में भी फार्मेसी ग्रेजुएट्स के लिए अवसर मौजूद हैं।

कौन-सी स्किल चाहिए

अगर आपमें एनालिटिकल स्किल्स, जिम्मेदारी का भाव, लंबे समय तक एकाग्रता बनाए रखने की क्षमता, डाटा हैंडलिंग जैसी स्किल्स हैं, तो यह करियर आपको सफलता दिला सकता है।

जानें डिग्री से ज्यादा स्किल क्यों है जरूरी और एम्प्लॉयर कैसे बदल रहे भर्ती रुझान!

परंपरागत रूप से उच्च गुणवत्ता वाली नौकरी के लिए डिग्री प्राप्त करना आवश्यक और पर्याप्त होता है। यह एक उम्मीदवार के पास होने वाली आवश्यक योग्यताओं में से एक है। हालांकि रोजगार में उभरते हुए हालिया रुझान स्पष्ट रूप से औपचारिक शिक्षा के बजाय आपकी स्किल और उससे संबंधित सर्टिफिकेट को प्राथमिकता देते हैं। नियोक्ता आपके अनुभव और आपकी स्किल्स को प्राथमिकता देते हैं जो नौकरी के क्षेत्र से सीधे संबंधित हैं।

जॉब्स को देखते हुए आज के समय में यह एक बड़ा सवाल है कि मौजूदा चलन के साथ क्या कौशल वास्तव में आज के नौकरी बाजार के लिए डिग्री से ज्यादा महत्वपूर्ण है? नए रोजगार प्रतिमान की ओर बढ़ते हुए नौकरी चाहने वालों और नियोक्ताओं, दोनों के लिए इस बदलाव को समझना महत्वपूर्ण है।

भर्ती के बदलते परिदृश्य

तकनीकी प्रगति और डिजिटल अर्थव्यवस्था ने पारंपरिक उद्योगों को महत्वपूर्ण रूप से बदल दिया है, जिससे उन कौशल और योग्यताओं में बदलाव आया है जिन पर नियोक्ता ध्यान केंद्रित करते हैं। जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी, डेटा विज्ञान और ड्ड/द्व डिजाइन के क्षेत्र बढ़ रहे हैं, वैसे-वैसे नियोक्ता अब व्यावहारिक विशेषज्ञता को औपचारिक डिग्रियों पर प्राथमिकता देने लगे हैं। उदाहरण के लिए जटिल डेटा सिस्टम को नेविगेट करने या उपयोगकर्ता के अनुकूल इंटरफेस बनाने वाले पेशेवरों की मांग बढ़ी है, जो अक्सर पारंपरिक शैक्षिक योग्यता की महत्ता को पीछे छोड़ देती है।

एक सर्वेक्षण के अनुसार, 92प्रतिशत भर्ती प्रबंधक तकनीकी भूमिकाओं के लिए उम्मीदवारों का मूल्यांकन करते समय कौशल को डिग्रियों पर प्राथमिकता देते हैं। यह प्रवृत्ति अन्य क्षेत्रों में भी देखी जा रही है। विश्व आर्थिक फोरम की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि 2022 तक 54प्रतिशत कर्मचारियों को महत्वपूर्ण पुनः कौशल की आवश्यकता होगी, जो कि अनुकूलनशीलता और कौशल अधिग्रहण के महत्व को रेखांकित करता है।

जैसे-जैसे उद्योग विकसित हो रहे हैं, नियोक्ता यह पहचान रहे हैं कि प्रासंगिक अनुभव और विशिष्ट कौशल अक्सर डिग्री की तुलना में बेहतर कार्य प्रदर्शन की ओर ले जा सकते हैं। यह परिवर्तन न केवल उन लोगों के लिए अवसरों का लोकतंत्रीकरण करता है, जिनके पास औपचारिक शिक्षा नहीं है, बल्कि यह जीवनभर सीखने को भी प्रोत्साहित करता है, एक ऐसे कार्यबल को तैयार करता है जो निरंतर बदलती नौकरी की आवश्यकताओं को पूरा कर सके।

जानें स्किल क्यों हो रही ज्यादा जरूरी

विशिष्ट कौशलों जैसे कोडिंग, डिजिटल मार्केटिंग और प्रोजेक्ट प्रबंधन की बढ़ती मांग कामकाजी बाजार के विकास को दर्शाती है, विशेष रूप से आईटी और रचनात्मक उद्योगों में। ये क्षेत्र अक्सर व्यावहारिक ज्ञान को अकादमिक सिद्धांत पर प्राथमिकता देते हैं, क्योंकि इन्हें वास्तविक चुनौतियों का सामना करने के लिए हाथोंहाथ विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है।

इंटर्नशिप, बूटकैम्प और सर्टिफिकेशन कौशल की खाई को पाटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये व्यक्तियों को वास्तविक अनुभव और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करते हैं, जो अक्सर पारंपरिक अकादमिक शिक्षा से अधिक प्रासंगिक होता है। विशेष रूप से बूटकैम्प संक्षिप्त समय में उद्योग-विशिष्ट कौशल से लैस करने के लिए गहन और केंद्रित शिक्षा प्रदान करते हैं।

उच्च शिक्षा की भूमिका

तेजी से बदलते जॉब मार्केट के मद्देनजर विश्वविद्यालय और कॉलेज छात्रों को सफलता के लिए आवश्यक कौशल से लैस करने में अपनी भूमिका को तेजी से पहचान रहे हैं। कई संस्थान अपने पाठ्यक्रम में कौशल आधारित शिक्षा को शामिल करके, व्यावहारिक पाठ्यक्रम, इंटर्नशिप और प्रमाणन कार्यक्रम पेश करके अनुकूलन कर रहे हैं जो उद्योग की मांगों के अनुरूप हैं।

उदाहरण के लिए कुछ विश्वविद्यालयों ने ऐसे अभिनव कार्यक्रम शुरू किए हैं जो पारंपरिक शैक्षणिक शिक्षा को व्यावहारिक अनुभव के साथ मिलाते हैं, जैसे कि सहकारी प्लेसमेंट और प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण पहल। इसके अतिरिक्त कंपनियों के साथ साझेदारी ने विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल के विकास को बढ़ावा दिया है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि स्नातक न केवल जानकार हों बल्कि नौकरी के लिए भी तैयार हों। इन परिवर्तनों को अपनाकर उच्च शिक्षा संस्थान अकादमिक सिद्धांत और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच की खाई को पाट रहे हैं, जिससे छात्रों को प्रतिस्पर्धी कार्यबल में कामयाब होने के लिए तैयार किया जा रहा है।

वास्तविक दुनिया के उदाहरण

Google, Tesla और IBM जैसी कई प्रमुख कंपनियों ने अपना ध्यान कौशल आधारित भर्ती की ओर स्थानांतरित कर दिया है, जिसमें औपचारिक डिग्री की तुलना में व्यावहारिक अनुभव और दक्षताओं को प्राथमिकता दी गई है। उदाहरण के लिए Google ने एक ऐसा हायरिंग मॉडल लागू किया है जो कौशल आकलन और प्रोजेक्ट आधारित मूल्यांकन पर जोर देता है, जिससे उन्हें शैक्षिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना शीर्ष प्रतिभा की पहचान करने में मदद मिलती है। अद्दह्यद्दु भी व्यावहारिक कौशल और प्रासंगिक अनुभव के आधार पर उम्मीदवारों की तलाश करता है, अक्सर पारंपरिक योग्यताओं की तुलना में व्यावहारिक ज्ञान को महत्व देता है।

स्टीव जॉब्स और बिल गेट्स जैसे प्रमुख उद्यमी बिना औपचारिक डिग्री के सफलता का उदाहरण हैं। जॉब्स ने कॉलेज छोड़ दिया और श्वश्चद्य के साथ प्रौद्योगिकी में क्रांति ला दी, जबकि गेट्स ने हार्वर्ड छोड़कर माइक्रोसाफ्ट की सह-स्थापना की और दुनिया के सबसे धनी व्यक्तियों में से एक बन गए। उनकी उपलब्धियां कौशल, रचनात्मकता और दृढ़ संकल्प द्वारा संचालित सफलता की क्षमता को उजागर करती हैं, जो आज के नौकरी बाजार में करियर उन्नति के लिए वैकल्पिक मार्गों की बढ़ती स्वीकृति को पुष्ट करती हैं। यह बदलाव नई पीढ़ी को पारंपरिक शैक्षिक मार्गों की तुलना में कौशल अधिग्रहण को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है।

केवल कौशल आधारित दृष्टिकोण की चुनौतियां

जबकि कौशल आधारित दृष्टिकोण कई लाभ प्रदान करता है, यह कुछ चुनौतियां भी प्रस्तुत करता है, जैसे कि औपचारिक प्रमाण पत्र के बिना कौशल स्तरों को सत्यापित करना कठिन होता है। कुछ पेशों, जैसे चिकित्सा, लेखांकन और वित्त, कानून और इंजीनियरिंग में डिग्रियां महत्वपूर्ण होती हैं, क्योंकि इन क्षेत्रों में कठोर प्रशिक्षण और नैतिक मानकों की आवश्यकता होती है।

इसके अतिरिक्त नर्म कौशल, जैसे कि आलोचनात्मक सोच, टीमवर्क, और नेतृत्व किसी भी क्षेत्र में सफलता के लिए आवश्यक हैं, ये उच्च शिक्षा संस्थान इन क्षमताओं को सहकारी परियोजनाओं और विविध शिक्षण वातावरण के माध्यम से विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए कौशल अधिग्रहण और औपचारिक शिक्षा को मिलाकर एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है ताकि व्यापक करियर विकास सुनिश्चित हो सके।

हैल्थ केयर से जुड़ा प्रोफेशन है नर्सिंग असिस्टेंट

वर्तमान में मेडिकल का कोई भी क्षेत्र हो, हर जगह नर्सिंग असिस्टेंट की जरूरत है। सरकारी हो या निजी हॉस्पिटल या फिर नर्सिंग होम, नर्सिंग सहायकों के जरिये ही मरीज की केयर की जाती है। वॉर्ड से लेकर ऑपरेशन थिएटर और आईसीयू तक इनकी महत्वपूर्ण भूमिका को देखा जा सकता है। आम लोगों में स्वास्थ्य और फिटनेस को लेकर दिनो-दिन सजगता बढ़ रही है, इसलिए देश में होम नर्सिंग, ट्रॉमा नर्सिंग, ट्रैवल नर्सिंग जैसी नई फील्ड्स का ट्रैंड भी बढ़ रहा है। मेडिकल टूरिज्म भी एक बड़ा हेल्थकेयर सेक्टर बनकर उभर रहा है। हेल्थकेयर सेक्टर में आई तेजी की वजह से नर्सिंग असिस्टेंट की मांग सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ प्राइवेट मल्टी और सुपर स्पेशिएलिटी हॉस्पिटल्स में भी काफी बढ़ी है। नर्सिंग पेशा सदियों से अलग-अलग स्वरूपों में समाज का अभिन्न हिस्सा रहा है। मगर इसे असल पहचान और गौरव 'द लेडी विद द लैंप'' उपनाम से मशहूर फ्लोरेंस नाइटिंगेल ने दिलाया। जनरल ड्यूटी असिस्टेंट यानी नर्सिंग असिस्टेंट भी एक ऐसा ही प्रोफेशन है, जो मरीजों के स्वास्थ्य की देखरेख से जुड़ा है।

आत्मीयता के साथ सेवा

नर्सिंग असिस्टेंट हैल्थ केयर से जुड़ा प्रोफेशन है। ये अस्पतालों में खासकर स्वास्थ्य सेवाओं की देखरेख, रोगियों और उनके परिवार के लिए उचित वातावरण बनाए रखने, डॉक्टर के साथ सहायक के रूप में कई जिम्मेदारियां निभाते हैं। इस फील्ड से जुड़े प्रोफेशनल्स हर मरीज की उसी तरह सेवा करते हैं, जैसे मां अपने बच्चों की करती है, भले ही वह किसी भी जाति, उम्र या मजहब का क्यों न हो। इनके पेशे का उद्देश्य भी यही होता है कि लोगों के पास जितना भी जीवन है, उसे वे भरपूर जिएं। अस्पतालों, नर्सिंग होम्स और हैल्थ सेंटर्स पर नर्सिंग असिस्टेंट्स की बड़ी भूमिका होती है।

बढ़ रहा स्कोप

आम लोगों में स्वास्थ्य और फिटनेस को लेकर दिनो-दिन सजगता बढ़ रही है, इसलिए देश में होम नर्सिंग, ट्रॉमा नर्सिंग, ट्रैवल नर्सिंग जैसी नई फील्ड्स का ट्रैंड भी बढ़ रहा है। मेडिकल टूरिज्म भी एक बड़ा हैल्थकेयर सेक्टर बनकर उभर रहा है। बड़ी तादाद में विदेशी नागरिक मेडिकल सेवाओं के लिए भारत का रुख कर रहे हैं। एसोचैम की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल के आखिर तक भारतीय मेडिकल टूरिज्म मार्केट 18 अरब डॉलर तक पहुंच जाने की उम्मीद है।

कोर्स और क्वॉलिफिकेशन

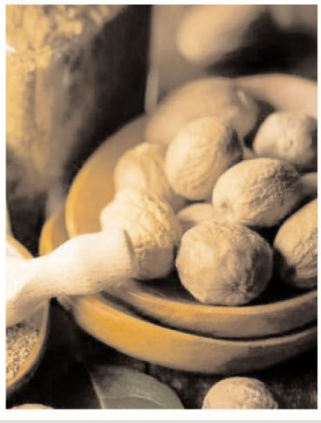

नर्सिंग असिस्टेंट बनने के लिए कई संस्थान सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स संचालित कर रहे हैं। ऐसे पाठ्यक्रमों के लिए न्यूनतम योग्यता 10वीं है। युवाओं को कोर्स के रूप में नर्सिंग की प्रक्रियाओं के अंतर्गत बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की देखरेख के तौर-तरीके, स्टोर कीपिंग, जैव चिकित्सा और कार्डियक केयर जैसे विभिन्न विषयों की जानकारी दी जाती है। इसके अलावा ऑपरेशन थिएटर व आईसीयू में काम करने की ट्रेनिंग भी दी जाती है। कम्युनिटी हैल्थ, पेडिएट्रिक, साइकिएट्रिक, गाइनेकोलॉजी नर्सिंग में काम का प्रशिक्षण भी दिया जाता है।

पर्सनल स्किल

चूंकि यह मानव सेवा से जुड़ा पेशा है, इसलिए युवाओं में कुछ बेसिक स्किल्स का होना बहुत जरूरी है, जैसेः रोगी की देखभाल करने के व्यवहारिक ज्ञान के साथ-साथ सेवा का जज्बा भी जरूरी है। वे स्वभाव से शांत, विनम्र हों और उनके भीतर मरीजों में आत्मविश्वास जगाने की क्षमता हो। इसके अलावा, कम्युनिकेशन स्किल भी इस पेशे के लिए जरूरी है क्योंकि इन्हें हर समय मरीजों और उनके परिजनों से संवाद बनाए रखना होता है।

जॉब के अवसर - आज महिला-पुरुष दोनों वर्ग के युवाओं के लिए नर्सिंग असिस्टेंट के तौर पर ढेरों मौके हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, सन 2022 तक इस फील्ड की ग्रोथ रेट 21 प्रतिशत तक रहने का अनुमान है। इसकी एक बड़ी वजह अपने स्वास्थ्य के प्रति लोगों की बढ़ती जागरूकता और देश में तेजी से बढ़ रही उम्रदराज लोगों की आबादी है, जिन्हें अधिक से अधिक रिहैबिलिटेशन और लॉन्ग-टर्म केयर की जरूरत पड़ेगी। आज भी हॉस्पिटल या नर्सिंग होम में वॉर्ड बॉय या वॉर्ड सहायक के तौर पर अपनी सेवा दे रहे नर्सिंग असिस्टेंट्स की काफी अहमियत है। यहां इनकी जिम्मेदारियां नर्स जैसी ही होती हैं। ये सर्जरी, मैटरनिटी, इंटेंसिव केयर, पेडिएट्रिक्स, रिहैबिलिटेशन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में डॉक्टर्स और नर्स के सहायक के तौर पर काम करते हैं। प्रशिक्षित नर्सिंग सहायकों की जरूरत आज देश ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी खूब है। पश्चिम एशिया के देशों, कनाडा, ब्रिटेन, अमेरिका, यूरोप आदि में इनकी हमेशा मांग रही है। देश में दिनो-दिन खुल रहे हॉस्पिटल, नर्सिंग होम और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में इनके लिए जॉब्स की कमी नहीं है। इसके अलावा, ऐसे पेशेवरों के लिए क्लिनिक्स, पब्लिक हैल्थ नर्सिंग, अनाथालय, वृद्धाश्रम, ऑक्युपेशनल हैल्थ नर्सिंग, मिलिट्री नर्सिंग, इंडस्ट्रियल हाउसेज, कारखानों, रेलवे, सरकारी स्वास्थ्य विभाग आदि में भी अवसर हैं।

सैलरी पैकेज

शुरूआती दिनों में जनरल ड्यूटी असिस्टेंट यानी नर्सिंग असिस्टेंट को 10 से 15 हजार रुपए मासिक वेतन की नौकरी आसानी से मिल जाती है। इस फील्ड में अनुभव काफी मायने रखता है। कुछ वर्षों के अनुभव के बाद ऐसे लोगों को 20 से 35 हजार रुपए प्रति माह तक सैलरी मिलने लगती है।

प्रमुख संस्थान

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
भारती विद्यापीठ कॉलेज ऑफ नर्सिंग, पुणे
श्री शंकराचार्य कॉलेज ऑफ नर्सिंग, छत्तीसगढ़
दिल्ली पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
केएमसीएच कॉलेज ऑफ नर्सिंग, कोयंबटूर

बच्चों के लिए फायदेमंद है जायफल

छोटे बच्चों के लिए सर्दियां काटना आसान नहीं होता है. उनका खास ध्यान रखना जरुरी होता है. ज्यादा ठंड में बच्चे के शरीर में गर्मी लाने के लिए जायफल बहुत काम आता है.

सर्दी का मौसम शुरू हो चुका है और ठंड बढ़ती जा रही है. बड़े लोग तो इस ठंड को फिर भी बर्दाश्त कर लेंगे लेकिन छोटे बच्चों के लिए ये बहुत ज्यादा है. ऐसे में उनका खास ध्यान रखना जरूरी होता है. मगर बच्चों को एक बार ठंड पकड़ ले तो उन्हें ठीक करना मुश्किल सा हो जाता है. ऐसे में पहले ही छोटे बच्चों को गर्म कपड़ों से कवर करके रखना चाहिए साथ ही कुछ घरेलू नुस्खों को भी अपनाना चाहिए ताकि वो सर्दी से बचे रहे हैं और इसे एंजॉय भी कर पाएं. बच्चों के लिए जायफल बहुत फायदेमंद है. इसमें कई पोषक तत्व होते हैं जो उन्हें ठंड से बचाने में मदद करते हैं. आइए हम आपको बताते हैं कि बच्चों के लिए सर्दियों में कैसे जायफल का इस्तेमाल किया जाए. जायफल में कई पोषक तत्व होते हैं. ये पोटेशियम, प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, आयरन, जिंक, कॉपर,विटामिन सी और फोलेट जैसे कई पोषक तत्वों से युक्त होता है. इसमें मौजूद ये न्यूट्रिएंट्स बच्चों को सर्दियों में बचाने के बहुत काम आते हैं.

ऐसे करें बच्चे के लिए इस्तेमाल जायफल का इस्तेमाल सब्जी से लेकर मीठा बनाने तक में किया जा सकता है. इसकी खास बात ये है कि इसकी तासीर गर्म होती है इसी वजह से ये सर्दी बचाने में मददगार है. सर्दी के दिनों में बच्चों को ठंड से राहत दिलाने के लिए जायफल बहुत फायदेमंद है. इसके लिए आप जायफल को दूध के साथ पत्थर पर घिसकर बच्चे के शरीर पर लगाते हैं तो इससे बहुत राहत मिलती है.

शरीर के इस अंग पर लगाएं - बच्चे को सर्दी से बचाने के लिए जायफल का इस्तेमाल करना बहुत आसान है. इसके लिए पहले जायफल को घिस लें उसके बाद बच्चे के हाथ-पैर के नाखूनों और तलवों पर इसे लगाएं. इससे बच्चे के शरीर को गर्माहट मिलती है. इसके अलावा दूध में जायफल को घिसकर आधा छोटा चम्मच बच्चे को पिलाएं. इससे सर्दी में बहुत फायदा मिलेगा. सर्दियों में बड़े भी जायफल का सेवन कर सकते हैं. आप इसे चाय में मिला दीजिए नहीं तो चुटकीभर जायफल दूध में मिलाकर गर्म-गर्म इसे पी लें. इससे आपके शरीर को गर्माहट मिलेगी.

पाचन के लिए लाभदायक - जायफल में बहुत सारे तेल होते हैं जो आपके पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में मदद करते हैं. इसके साथ ही जायफल का सेवन करने से गैस और अपच की समस्या को कम करने में मदद मिलती है. अगर आप उल्टी, दस्त, और पेट दर्द से परेशान हैं तो इन समस्याओं को भी जायफल की मदद से दूर किया जा सकता है.

नए सफर की शुरुआत कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो (ससे): बोकारो स्टील प्लांट से जनवरी' २०२५ में सेवानिवृत होने वाले कुल ९० कार्मिकों को सेवानिवृति से जुड़ी औपचारिकताओं तथा सेवानिवृति के उपरान्त जीवन में आने वाले संभावित परिवर्तनों के समुचित प्रबंन्धन की जानकारी देने के उद्देश्य से दिनाँक ०९ जनवरी को मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में मानव संसाधन के अंतिम निपटारा प्रकोष्ठ के द्वारा एक नए सफ़र की शुरुआत कार्यक्रम का आयोजन किया गया.कार्यक्रम के आरम्भ में वरीय प्रबंधक

(मानव संसाधन - अंतिम निपटारा प्रकोष्ठ) श्रीमती कल्पना ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया तथा नए मेडिक्लेम योजना की जानकारी के साथ कार्यक्रम के प्रयोजन से सभी को अवगत कराया. डॉ जया लक्ष्मी, मेडिकल ऑफिसर (चिकित्सा

एवं स्वास्थ्य सेवाएं) और योग विशेषज्ञ श्री कृष्ण बंधु मिश्रा ने इस्पात कर्मियों को योग के माध्यम से स्वास्थ्य प्रबंधन के बारे में बताया.

उप महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) श्री अनुपम शी ने उपस्थित समूह को वित्तीय प्रबंधन के विषय में विस्तृत जानकारी दी. एच डी एफ सी लाइफ के प्रबंधक श्री राजेश कुमार ने एन पी एस के बारे में विस्तृत रूप से बताया. नगर प्रशासन विभाग से श्री जितेंद्र कुमार, सहायक महाप्रबंधक ने आवास प्रतिधारण नीति के बारे में विस्तृत जानकारी दी.

पंजाब नेशनल बैंक के श्री अविनाश कुमार एवं मुख्य प्रबंधक श्री संजय कुमार के टीम के सदस्यों ने कार्यक्रम में उपस्थित सुधिजनो को सीनियर सिटीजन के लिए धन निवेश पर सुझाव तथा बैंकिंग सुविधाओं के बारे में जानकारी दी. सुश्री फ़िज़ा परवीन, ओ.सी.टी. (मानव संसाधन-अंतिम निपटारा प्रकोष्ठ) ने अंतिम निपटारा गतिविधियों के बारे में बताया. कार्यक्रम का समापन वरीय प्रबंधक (मानव संसाधन-अंतिम निपटारा प्रकोष्ठ) श्रीमती कल्पना के धन्यवाद ज्ञापन से किया गया.

गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारी बैठक

कोडरमा (ससे): कोडरमा २६ जनवरी २०२५ गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारी को लेकर समाहरणालय सभागार में उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में वरीय पदाधिकारियों एवं सभी संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की गयी। उपायुक्त ने २६ जनवरी २०२५ गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर की जाने वाली तैयारियों की जानकारी संबंधित पदाधिकारियों से लिये और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। बैठक के दौरान उपायुक्त ने कहा कि सार्वजनिक समारोह बागीटॉड स्टेडियम में ०९.०५ बजे पूर्वाहन को आयोजित किया जायेगा।

कोडरमा जिले में स्थित सभी महापुरुषों की प्रतिमा का विशेष रूप से साफ-सफाई करवाना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही मुख्य समारोह स्थल तक जाने वाले सभी मार्गों एवं पूरे शहर की साफ-सफाई भी सुनिश्चित कराएंगे। मुख्य समारोह स्थल बागीटांड स्टेडियम का समतलीकरण व साफ-सफाई करने का निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक व्यवस्था सुव्यवस्थित रखें। गणतंत्र दिवस के पूर्व संध्या मे सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन करने हेतु निर्णय लिया गया।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर झांकी निकालने हेतु संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया। साथ ही विभिन्न क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वाले को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा, इस हेतु सभी कार्यालय प्रदान को अपने अपने कार्यालय से सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।

बैठक में मुख्य रूप से वन प्रमंडल पदाधिकारी सौमित्र शुक्ला, उप विकास आयुक्त ऋतुराज अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह, अपर समाहर्ता पूनम कुजुर, सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी अविनाश पुर्णेदु, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी कनक कुमारी तिर्की, जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रिंस गोडविन कुजूर, जिला शिक्षा पदाधिकारी अविनाश राम व अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे।

गरीबों के बीच मुखिया ने बांटे कंबल

डुमरी (ससे): बेहरा सूईयाडीह पंचायत के विशुनपुर व चालमो में गुरूवार को दर्जनों गरीब असहाय बुजुर्गों के बीच मुखिया सुबोध यादव ने कंबल का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ठंड में गरीबों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था।कंबल मिलने से उन गरीब महिला पुरूषों को कुछ राहत मिलेगी। कहा कि वे हमेशा ही पंचायत के लोगों के सुख दुःख में साथ रहते हैं।लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर रहते हैं।कंबल से लाभान्वित होने वालों में लटल मंडल,बुधन रविदास,लक्ष्मण यादव,उगनी देवी,राधा देवी,इतवारी दास,धनेश्वरी देवी,मोहन देवी,कुन्ती देवी,गिरजा देवी,जोधी यादव,बुंदिया देवी,रेशमी देवी, अनीता देवी,अर्जुन मिस्री,दुलाकी देवी,रूदनी देवी, बिन्दला देवी,मीना देवी,शांति देवी,ललीता देवी आदि है।

सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

बोकारो (ससे): बोकारो इस्पात संयंत्र के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के कॉन्फ्रेंस हॉल-४ में दो दिवसीय सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया. यह कार्यक्रम ०९-१० जनवरी २०२५ तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें संयंत्र के विभिन्न विभागों के १८ अधिशासी प्रतिभागी के रूप में शामिल हो रहे हैं. इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में च/ी -ड्य-एक्ड के द्वारा बी एस एल के प्रशिक्षित अधिकारी संकाय के रूप में अपनी भूमिका निभा रहे हैं.

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) श्री एस. सरतपे तथा विशिष्ट अतिथि महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) श्रीमती डी.आर. टोप्पो उपस्थित थीं. ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के श्री एस.के.डी. भौमिक, कनिय प्रबंधक ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम की रुपरेखा प्रस्तुत की.

मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) श्री एस. सरतपे ने कार्यक्रम की औपचारिक उद्घाटन करते हुए प्रतिभागियों को सुरक्षा शपथ दिलाई और संयंत्र में सुरक्षा के महत्व को रेखांकित किया. उन्होंने प्रतिभागियों से कहा कि वे इस प्रशिक्षण में अर्जित ज्ञान को अपने सहकर्मियों के साथ साझा करें और इसे अपने कार्यस्थल पर लागू करें. महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) श्रीमती डी.आर. टोप्पो ने अपने संबोधन में प्रतिभागियों को संयंत्र में सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने और सयंत्र में सुरक्षा को निरंतर सशक्त बनाने का आह्वान किया.

कार्यक्रम में ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के वरीय ऑपरेटिव श्री राकेश कुमार, श्री कौशलेन्द्र प्रताप सिंह, और इंस्ट्रक्टर श्री अर्जुन प्रसाद बाउरी का सराहनीय योगदान रहा. यह कार्यक्रम बोकारो स्टील प्लांट में सुरक्षा संस्कृति को सुदृढ़ करने और सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है.

जनवरी में 2 मुठभेड़ में 3 अपराधी ढेर

पटना (एजेंसी): बिहार में कानून व्यवस्था को लेकर विपक्ष सरकार पर हमलावर रही है, लेकिन हाल के दिनों में पुलिस की कार्यशैली पर गौर करें तो पुलिस अपराधियों के खिलाफ सख्त कदम उठा रही है. पुलिस गोली चलाने से भी पीछे नहीं हट रही है. पिछले एक सप्ताह में बिहार पुलिस ने दो मुठभेड़ में तीन अपराधियों को ढेर कर दिया है. हालांकि, इनमें एक दारोगा को भी गोली लगी है. बिहार के पटना जिले के फुलवारी शरीफ इलाके में पुलिस और अपराधियों के बीच छह जनवरी की रात हुई मुठभेड़ में दो अपराधियों को मार गिराया. जबकि, एक सब इंस्पेक्टर गोली लगने से घायल हो गए थे. पुलिस ने घटनास्थल से दो पिस्तौल भी बरामद की थी. दरअसल, लूटपाट के उद्देश्य से आठ-दस की संख्या में अपराधी फुलवारी शरीफ के हिंदुनी गांव में इकट्ठा हुए थे और इसकी सूचना मिलने के बाद पुलिस पहुंच गई थी.

इससे पहले इसी महीने शुक्रवार की रात पूर्णिया पुलिस और विशेष कार्य बल ने मिलकर इनामी अपराधी सुशील मोची को मुठभेड़ में मार गिराया था. पूर्णिया के बायसी थाना क्षेत्र के ताराबाड़ी में हुई इस मुठभेड़ में मारे गए सुशील मोची पर कई आपराधिक मुकदमे दर्ज थे. बिहार और पश्चिम बंगाल में उसका आतंक था. सुशील मोची जेल से बाहर आया था और बड़ी घटना को अंजाम देने की तैयारी में था.

प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

डुमरी (ससे): कृषि,पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के सहकारिता प्रभाग द्वारा गुरूवार को जामतारा पंचायत सचिवालय सभागार में एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। सहकार संवाद के तहत आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर में डुमरी,बगोदर, पीरटांड़ एवं सरिया प्रखंड के विभिन्न पैक्सों के अध्यक्ष और प्रबंधक उपस्थित थे। इस दौरान शिविर में आये पैक्स प्रबंधकों व अध्यक्षों को पैक्स संचालन के तरीकों,पैक्स से अधिक से अधिक किसानों को जोड़ने व उन्हें लाभान्वित करने और पैक्स के रोकड़ बही के संधारण आदि की विस्तार से जानकारी दी गयी।साथ ही उन्हें अधिक से अधिक पैक्स सदस्य बनाने, महिलाओं को भी सदस्य के रूप में जोड़ने का निर्देश दिया गया।

शिविर को संबोधित करते हुए बीसीओ प्रभाष गुप्ता ने कहा कि पैक्स अध्यक्ष ज्यादा से ज्यादा सदस्यों को समिति में जोड़कर सहकारिता विभाग को आगे ले जायें और सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करते हुये लाभान्वित करें। मौके पर धनंजय सिंह पैक्स अध्यक्ष फलजीत महतो,हीरामनी महतो, राखी देवी, मोहन महतो, नुनुचंद महतो, राजकिशोर सिंह,बसंत महतो, संतोष महत, ईश्वर विश्वकर्मा आदि उपस्थित थे।

लोगों को दी गई सड़क सुरक्षा की जानकारी

बोकारो (ससे): राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह अंतर्गत जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता रथ (एलइडी वान) के माध्यम से आमलोगों को जागरूक किया जा रहा है। इसके तहत चास नगर निगम, सेक्टर ४, बोकारो मॉल, सेक्टर ९, बेरमो, जैनामोड़, नयामोड़ और बोकारो स्टील सिटी के अंतर्गत अन्य स्थानों पर जाकर लोगों को जागरूक किया गया तथा सभी लोगों को सड़क सुरक्षा से संबंधित वीडियो प्रदर्शित कर लोगों को जानकारी दी गई।

जिला परिवहन पदाधिकारी श्रीमती वंदना सेजवलकर ने जानकारी दी कि जागरूकता रथ के माध्यम से आमजनों को सड़क सुरक्षा से संबंधित जागरूक किया जा रहा है। इसके माध्यम से जिले के प्रमुख चौक चौराहा सहित अन्य जगहों पर जाकर यातायात नियमों के पालन हेतु हेलमेट और सीट बेल्ट के फायदे से संबंधित वीडियो क्लिप लोगों को दिखाया जा रहा है तथा लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए अन्य कई तरह के कार्यक्रम भी किया जा रहा है। उन्होंने आगे जानकारी दी कि यातायात नियमों के अनुसार दो पहिया वाहन चलाने वाले चालकों को हेलमेट एवं चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट का प्रयोग करना अनिवार्य है। साथ ही वाहन चालक अपने और अपने परिवार के लिए सड़क सुरक्षा नियमों का अनुपालन जरूर करे।

उपायुक्त ने की संचालित योजनाओं की समीक्षा

कोडरमा (ससे): कोडरमा समाहरणालय सभागार में उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में नगर परिषद् झुमरी तिलैया, नगर पंचायत कोडरमा/डोमचांच में संचालित योजनाओं की समीक्षा किया गया। उपायुक्त ने नगर परिषद् झुमरी तिलैया, नगर पंचायत कोडरमा/डोमचांच के प्रशासकों को निर्देशित करते हुए कहा कि शहरी क्षेत्रों के चौक-चौराहों को सौंदर्यीकरण करना सुनिश्चित करेंगे। शहर की साफ-सफाई बेहतरीन तरीके से करेंगे। शहरी क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़

करने के लिए आवश्यक कार्य करेंगे। सार्वजनिक शौचालय के लिए स्थल चिन्हित करने का निर्देश दिया। फूटपाथ में दुकान लगाने वालों को वेंडिंग जोन में व्यवस्थित करने के लिए निर्देश दिये गये।

पार्क एवं तालाबों की साफ-सफाई एवं जीर्णोद्धार करने का निर्देश दिया। सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध जागरूकता एवं अभियान चलायें। शहरी क्षेत्रों के शहीद स्मारक का सौंदर्यीकरण करने का निर्देश दिया गया। सोलर लाइट लगाने के लिए स्थल चिन्हित करने का निर्देश दिया गया। मौके पर अंकित गुप्ता प्रशासक नगर परिषद् झुमरी तिलैया, शंभु प्रसाद कुशवाहा प्रशासक नगर पंचायत कोडरमा/डोमचांच व अन्य मौजूद रहे।

विधायक को किया गया सम्मानित

डुमरी (ससे):प्रखंड शिक्षक समन्वय समिति डुमरी की ओर से गुरूवार को बीआरसी सभागार में सम्मान सह अभिनंदन समारोह आयोजित कर डुमरी विधायक जयराम कुमार महतो का सम्मान सह अभिनंदन किया गया।उपस्थित शिक्षकों ने विधायक को बुके देकर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।इस दौरान सभी शिक्षकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं से विधायक को अवगत कराया।

मौके पर बीईईओ जयकुमार तिवारी प्रखंड शिक्षक समन्वय समिति अध्यक्ष कमल किशोर महतो सचिव गणेश मंडल उपाध्यक्ष डीलचंद महतो, रजनीकांत, बैजनाथ महतो, विनोद महतो लेखपाल रमेश कुमार बीपीओ राजेन्द्र मंडल घनश्याम महतो त्रिलोकी महतो राजू कुमार उमेश कुमार सहदेव प्रसाद यादव गुलाब मंडल बुधन महतो दिनेश मंडल सहित जेएलकेएम नेता मोती महतो,रामेश्वर महतो जेएलकेएम प्रखंड अध्यक्ष अमित महतो आदि दर्जनों शिक्षक व सहायक अध्यापक शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

चयनित एनसीसी कैडेट हुए सम्मानित

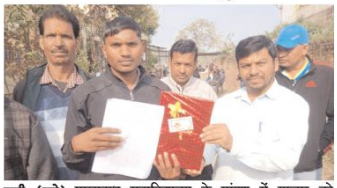

डुमरी (ससे): पारसनाथ महाविद्यालय के प्रांगण में गुरुवार को सम्मान समारोह आयोजित कर कॉलेज के एनसीसी कैडेट रवि कुमार जिसका चयन सीआरपीएफ में हुआ है। उसे ज्ञानवर्धक पुस्तक देकर सम्मानित किया गया। रवि कॉलेज के सेमेस्टर ४ के छात्र हैं जिसे प्रशिक्षण के लिए २१-०१-२५ को अंदर रांची जाना है।एनसीसी के लेफ्टिनेंट पिन्टू कुमार पांडेय कॉलेज के उप प्राचार्य प्रो यशवंत सिन्हा अंग्रेजी विभाग के प्रो योगेश प्रसाद महतो इतिहास विभाग के कुबेर प्रसाद मानवशास्त्र विभाग के डॉ शशि भूषण,भूगोल विभाग के अकेला जी गृहविज्ञान के मधु जयसवाल ने बच्चों को संबोधित करते हुआ कहा कि जो बच्चे पूरी मेहनत व लगन से पढ़ाई करते हैं एक दिन उन्हें सफलता अवश्य हासिल होती हैं। वहीं एनसीसी पदाधिकारी लेफ्टिनेंट पिन्टू कुमार पाण्डेय लेफ्टिनेट दिव्या रानी लवली ने कहा कि एनसीसी के जरिए आज बच्चे सुरक्षा के क्षेत्र में जाकर अपने करियर एवं क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे हैं। मौके पर प्रो.राजकुमार मेहता, प्रो प्रियंका कुमारी, प्रो संगीता कुमारी, संतोष पाठक रीतलाल वर्मा,अजीत पांडेय आदि सहित एनसीसी के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

सीओ ने परीक्षा संचालन का लिया जायजा

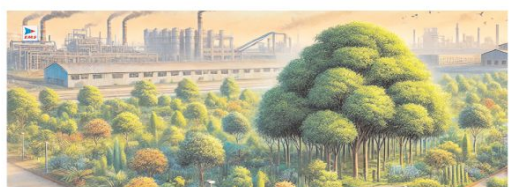

बोकारो (ससे): उपायुक्त विजया जाधव के पहल पर गुरूवार को जिले के विभिन्न विद्यालयों में मैट्रिक के छात्र - छात्राओं का प्रि-बोर्ड टेस्ट का आयोजन किया गया। आज कदाचारमुक्त वातावरण में दूसरे दिन की परीक्षा संपन्न हुई। सभी प्रखंडों में संचालित परीक्षा का संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी/अंचलाधिकारी ने जायजा* लिया। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि गणित, हिंदी, अंग्रेजी, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान विषय की समेकित विषयों की परीक्षा ली गई है। आज कुल ११,१०६ छात्र - छात्राओं ने परीक्षा दी है। जिसका मूल्यांकन अंतर प्रखंड शिक्षकों द्वारा किया जाएगा। जानकारी हो कि, उपायुक्त जिले के मैट्रिक - इंटर परीक्षा में प्रदर्शन को लेकर काफी गंभीर है। प्रदर्शन को बेहतर करने एवं जिले की रैंकिंग में सुधार को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर कार्य किया जा रहा है।

महाकुंभ में मियावाकी तकनीक से उगाए गए घने जंगल

हप्रयागराज(ईएमएस): महाकुंभ २०२५ की तैयारी के लिए प्रयागराज में विभिन्न स्थानों पर घने जंगल विकसित किए गए हैं। प्रयागराज नगर निगम ने इस कड़ी में पिछले दो वर्षों में कई ऑक्सीजन बैंक स्थापित करने के लिए जापानी मियावाकी तकनीक का उपयोग किया है। इन प्रयासों से प्रयागराज में न केवल हरियाली बढ़ी है, बल्कि वायु गुणवत्ता में सुधार भी हुआ है। प्रयागराज नगर निगम आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग ने बताया है कि मियावाकी तकनीक का उपयोग करके शहर के कई हिस्सों में घने जंगल बनाए गए हैं। इस मुहिम में निगम ने पिछले दो वर्षों में शहर में १० से अधिक स्थानों पर ५५,८०० वर्ग मीटर क्षेत्र में पेड़ लगाए हैं।उन्होंने बताया कि नैनी औद्योगिक क्षेत्र में ६३ प्रजातियों के लगभग १.२ लाख पेड़ों के साथ सबसे बड़ा पौधारोपण किया गया है, जबकि शहर के सबसे बड़े कूड़ा डंपिंग यार्ड की सफाई के बाद बसवार में २७ प्रजातियों के करीब २७,००० पेड़ लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि यह परियोजना न केवल औद्योगिक कचरे से छुटकारा पाने में मदद कर रही है, बल्कि धूल, गंदगी और दुर्गंध

को भी कम कर रही है। इसके अलावा, यह शहर की वायु गुणवत्ता में सुधार कर रही है।

मियावाकी तकनीक, पौधा रोपण की एक खास विधि है, जिसमें कम दूरी पर छोटे-छोटे इलाकों में कई तरह के देशी पौधे लगाए जाते हैं। बड़े-बड़े पौधों के बीच में छोटे पौधे लगाए जाते हैं, जो बाद में बड़ा होकर सघन जंगल में विकसित हो जाते हैं। इस तकनीक के तहत नर्सरी में बीज को बोया जाता है और जब बीज अंकुरित हो जाता है और उससे दो पत्ते निकल आते हैं, तब उसे दूसरी जगह लगा दिया जाता है। हालांकि, उन पौधों को तब ढक दिया जाता है, ताकि उसे ६० फीसदी सूर्य की रोशनी से दो महीने तक बचाया जा सके।

इस तकनीक की खोज १९७० के दशक में जापान के वनस्पतिशास्त्री अकीरा मियावाकी ने की थी। उन्हीं के नाम पर इसे मियावाकी तकनीक कहा जाता है। इस तकनीक से लगाए गए पौधे म पौधों की तुलना में १० गुना तेजी से बढ़ते हैं। इन पेड़ों को आत्मनिर्भर बनाया जाता है, ताकि उन्हें खाद और पानी की नियमित खुराक न देनी पड़े। इस तकनीक का इस्तेमाल करके, घरों के आस-पास खाली जगहों को छोटे बागान या जंगलों में बदला जा सकता है। इस तकनीक से लगाए गए पौधे तीन साल में अपनी पूरी लंबाई तक बढ़ जाते हैं। इसे अक्सर पॉट प्लांटेशन विधि के रूप में जाना जाता है, इसमें पेड़ों और झाड़ियों को एक-दूसरे के करीब लगाया जाता है ताकि उनकी वृद्धि में तेजी आए।

मियावाकी तकनीक से उगाए गए घने जंगल के कई लाभ हैं। वायु और जल प्रदूषण को कम करने के अलावा मिट्टी के कटाव को रोकने और जैव विविधता को बढ़ाने में भी यह तकनीक सहायक है। इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व वनस्पति विज्ञान के प्रोफेसर डॉ एनबी सिंह के अनुसार, इस पद्धति का उपयोग करके शहरी इलाकों में घने जंगलों का विकास किया जा सकता है जो गर्मियों के दौरान दिन और रात के तापमान के अंतर को कम करने में मदद कर सकता है। सिंह के अनुसार ऐसे जंगल जैव विविधता को भी बढ़ावा देते हैं,

महाकुंभ से बढ़ेगा 2 लाख करोड़ का रेवेन्यू

अयोध्या,(ईएमएस): यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महाकुंभ में इस साल ४० करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है, ऐसे में महाकुंभ से दो लाख करोड़ रुपए तक रेवेन्यू बढ़ने का अनुमान है। एक सम्मेलन में बोलते हुए सीएम योगी ने पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की तारीफ की। योगी ने कहा कि २०१९ के आयोजन ने राज्य की अर्थव्यवस्था में १.२ लाख करोड़ रुपए का योगदान दिया था। उन्होंने कहा कि साल २०२४ में जनवरी से सितंबर तक वाराणसी में काशी विश्वनाथ के दर्शन के लिए १६ करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु और अयोध्या में १३.५५ करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु आ चुके हैं। योगी ने कहा कि १३ जनवरी से २६ फरवरी तक चलने वाला महाकुंभ मेला भारत की प्राचीन सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं को वैश्विक स्तर पर प्रमुखता प्रदान करेगा।

महाकुंभ के आध्यात्मिक और सामाजिक महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल धार्मिक समागम नहीं है, बल्कि सामाजिक और आध्यात्मिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने महाकुंभ को दुनिया का सबसे बड़ा अस्थायी शहर बताया, जिसमें ५० लाख से एक करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। सीएम योगी ने महाकुंभ को एक बड़ा आध्यात्मिक आयोजन बताया और कहा कि यह एक भव्य, दिव्य और डिजिटल रूप से उन्नत समागम है, जहां आस्था और आधुनिकता का संगम होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों ने संतों के सहयोग से महाकुंभ को सफल बनाने के लिए कोशिश की है। रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि महाकुंभ की तैयारियां जोरों पर हैं। संगम के १२ किलोमीटर इलाके में स्नान घाट बनाए जा रहे हैं। सफाई, निर्माण और सुरक्षा बढ़ाने की कोशिशें तेज कर दी गई हैं।

कार्यालय, जिला शिक्षा अधीक्षक -सह-अनुमण्डल शिक्षा पदाधिकारी, बोकारो

सूचना

कार्यालय में उपलब्ध आँकड़ों के आधार पर तत्काल ग्रेड–3 ग्रेड–4 एव ग्रेड–7 में प्रोन्नति हेतु औपबंधिक मास्टर वरीयता सूची तथा उसके आधार पर औपबंधिक वरीयता सूची न0–1(ग्रेड–3 में प्रोन्नति के लिए) औपबंधिक वरीयता सूची–2 (ग्रेड–4 में प्रोन्नति के लिए) एवं वरीयता सूची–4 (ग्रेड–7 में प्रोन्नति के लिए) प्राप्त आपत्ति के आधार पर संशोधन के पश्चात सूची तैयार की गई है जिसे बोकारो के NIC के Website www.bokaro.nic.in पर प्रकाशित किया गया है। वरीयता सूची को जिला के Website पर अवलोकन किया जा सकता है।

जिला शिक्षा अधीक्षक–सह–
अनुमण्डल शिक्षा पदाधिकारी, बोकारो

PR 343930 (Health Med Edu and Family Welfare)24-25*D

जिला परिवहन पदाधिकारी का कार्यालय, बोकारो।

प्रेस विज्ञप्ति

परिवहन विभाग,झारखण्ड रांची एवं उपायुक्त, बोकारो के निदेश के आलोक में Tax defaulter वाहन स्वामियों को सूचित किया जाता है कि अपने–अपने वाहन का बकाया पथ–कर यथाशीघ्र भुगतान कर दें, अन्यथा मोटरयान अधिनियम 1988 की सुसंगत धाराओं के तहत् वाहन जप्त करते हुए कानूनी कार्रवाई की जायेगी। बकाया वाहन स्वामियों की विवरणी निम्नवत् है:–

1	BRV1225	26-Apr-1968	Goods Carrier	M/S B.S.B.K.LTD.
2	BR14G2793	08-Jun-1995	Goods Carrier	M/S BKB TRANS LTD
3	JH09J4293	23-Jun-2008	Goods Carrier	M/S BKB TRANSPORT P LTD
4	JH09J4294	23-Jun-2008	Goods Carrier	M/S BKB TRANSPORT P LTD
5	OR14R4010	25-Jun-2008	Goods Carrier	M/S BKB TRANSPORT P LTD
6	JH09H3686	27-Sep-2007	Goods Carrier	M/S BKB TRANSPORT PVT LTD
7	BR20G6193	27-Mar-1996	Goods Carrier	M/S BKB.TRANS.<P>LTD
8	BR20G6493	27-Mar-1996	Goods Carrier	M/S BKB.TRANS.<P>LTD
9	BR20G9493	20-Mar-1996	Goods Carrier	M/S BKB.TRANS.<P>LTD
10	BR20G9043	02-Jul-1996	Goods Carrier	M/S BKB.TRANS.P.LTD.
11	HR377442	15-Mar-1999	Goods Carrier	M/S BOKARO CIOKE P.LTD
12	HR377424	31-Mar-1989	Goods Carrier	M/S BOKARO COKE P LTD
13	HR377441	01-Jan-1989	Goods Carrier	M/S BOKARO COKE P LTD
14	HR377444	15-Mar-1993	Goods Carrier	M/S BOKARO COKE P.LTD
15	HR377560	07-Apr-1989	Goods Carrier	M/S BOKARO COKE P.LTD
16	CG09B0347	03-May-2008	Goods Carrier	M/S CORONATION IND LTD
17	CG09B0344	03-May-2008	Goods Carrier	M/S CORONATION INF.LTD
18	CG09B0346	03-May-2008	Goods Carrier	M/S CORONATION INF.LTD
19	CG09B0348	03-May-2008	Goods Carrier	M/S CORONATION INFRA LTD
20	CG09B0349	03-May-2008	Goods Carrier	M/S CORONATION INFRA LTD
21	JH09Q3719	25-May-2011	Goods Carrier	M/S CORONATION INFRASTRUCTURE LTD
22	JH09V0750	30-Oct-2013	Goods Carrier	M/S CORONATION INFRASTRUCTURE LTD
23	BPO6600	16-Jul-1985	Goods Carrier	M/S E N C LTD
24	JH09J1260	21-Apr-2008	Goods Carrier	M/S ELECTRO STEEL CASTINGS LTD
25	JH09J1262	21-Apr-2008	Goods Carrier	M/S ELECTRO STEEL CASTINGS LTD
26	JH09J1265	21-Apr-2008	Goods Carrier	M/S ELECTRO STEEL CASTINGS LTD
27	JH09J1267	21-Apr-2008	Goods Carrier	M/S ELECTRO STEEL CASTINGS LTD
28	JH09J1280	21-Apr-2008	Goods Carrier	M/S ELECTRO STEEL CASTINGS LTD
29	JH09J1290	21-Apr-2008	Goods Carrier	M/S ELECTRO STEEL CASTINGS LTD
30	JH09J1294	21-Apr-2008	Goods Carrier	M/S ELECTRO STEEL CASTINGS LTD
31	JH09J1261	21-Apr-2008	Goods Carrier	M/S ELECTROSTEEL CASTINGS LTD
32	JH09J1263	21-Apr-2008	Goods Carrier	M/S ELECTROSTEEL CASTINGS LTD
33	JH09J1264	21-Apr-2008	Goods Carrier	M/S ELECTROSTEEL CASTINGS LTD
34	JH09J1268	21-Apr-2008	Goods Carrier	M/S ELECTROSTEEL CASTINGS LTD
35	JH09J1269	21-Apr-2008	Goods Carrier	M/S ELECTROSTEEL CASTINGS LTD
36	JH09J1270	21-Apr-2008	Goods Carrier	M/S ELECTROSTEEL CASTINGS LTD
37	JH09J1272	21-Apr-2008	Goods Carrier	M/S ELECTROSTEEL CASTINGS LTD
38	JH09J1273	21-Apr-2008	Goods Carrier	M/S ELECTROSTEEL CASTINGS LTD
39	JH09J1274	21-Apr-2008	Goods Carrier	M/S ELECTROSTEEL CASTINGS LTD
40	JH09J1275	21-Apr-2008	Goods Carrier	M/S ELECTROSTEEL CASTINGS LTD
41	JH09J1278	21-Apr-2008	Goods Carrier	M/S ELECTROSTEEL CASTINGS LTD
42	JH09J1281	21-Apr-2008	Goods Carrier	M/S ELECTROSTEEL CASTINGS LTD
43	JH09J1282	21-Apr-2008	Goods Carrier	M/S ELECTROSTEEL CASTINGS LTD
44	JH09J1284	21-Apr-2008	Goods Carrier	M/S ELECTROSTEEL CASTINGS LTD
45	JH09J1285	21-Apr-2008	Goods Carrier	M/S ELECTROSTEEL CASTINGS LTD
46	JH09J1286	21-Apr-2008	Goods Carrier	M/S ELECTROSTEEL CASTINGS LTD
47	JH09J1287	21-Apr-2008	Goods Carrier	M/S ELECTROSTEEL CASTINGS LTD
48	JH09J1288	21-Apr-2008	Goods Carrier	M/S ELECTROSTEEL CASTINGS LTD
49	JH09J1289	21-Apr-2008	Goods Carrier	M/S ELECTROSTEEL CASTINGS LTD
50	JH09AV1679	08-Sep-2005	Goods Carrier	M/S FERRO SCRAP NIG.LTD
51	RJ20GA0346	06-Aug-1998	Goods Carrier	M/S GEMAN INDIA LTD
52	BPM6278	01-Mar-1989	Goods Carrier	M/S I E L LTD.
53	JH09D0998	14-Jun-2004	Goods Carrier	M/S INDIAN EXPLOSIVES LTD
54	HP260628	31-Mar-1999	Goods Carrier	M/S JAI PRAKASH ASSOCIATE LTD
55	JK02V8410	21-Jun-2001	Goods Carrier	M/S JAIPRAKASH ASSOCATE LTD
56	HP061837	31-Jan-1997	Goods Carrier	M/S JAY PRAKASH ASSOCIATE LTD
57	HP061856	21-Nov-1997	Goods Carrier	M/S JAY PRAKASH ASSOCIATE LTD
58	HP250418	06-Aug-1992	Goods Carrier	M/S JAY PRAKASH ASSOCIATE LTD
59	HP260624	15-Jul-1998	Goods Carrier	M/S JAY PRAKASH ASSOCIATE LTD
60	UA07C9089	03-Mar-2001	Goods Carrier	M/S JAY PRAKASH ASSOCIATE LTD
61	UA07C9092	03-Mar-2001	Goods Carrier	M/S JAY PRAKASH ASSOCIATE LTD
62	UA07C9106	03-Mar-2001	Goods Carrier	M/S JAY PRAKASH ASSOCIATE LTD
63	BR20G2127	11-Nov-1992	Goods Carrier	M/S KLMPSS LTD.
64	JH09A6531	04-Feb-2002	Goods Carrier	M/S KRISHNA COKE P LTD
65	JH09B2863	09-Mar-1995	Goods Carrier	M/S MANSA DEVI CONS P.LTD
66	WMY2301	23-Jul-1985	Goods Carrier	M/S MOTOR & GENERAL FINANCE LTD
67	JH09B4549	25-Oct-2002	Goods Carrier	M/S N.TRAN.P.LTD
68	WB552782	07-Mar-2002	Goods Carrier	M/S NAWEEN TRANS CO LTD
69	AS01AC4661	14-Jun-2007	Goods Carrier	M/S NURSING VANIYA PVT LTD
70	JH09J7581	17-Sep-2008	Goods Carrier	M/S O N G C LTD
71	AP2U0781	28-Oct-1999	Goods Carrier	M/S P.C.LTD
72	WB737243	13-Mar-2000	Goods Carrier	M/S P.CONS.P.LTD
73	JH09B3799	24-Sep-2002	Goods Carrier	M/S P.TRANS PVT LTD
74	AP02U1473	31-May-2000	Goods Carrier	M/S P[ROG.CONS.LTD
75	JH09B4550	24-Oct-2002	Goods Carrier	M/S PARADISE TRANSPORT P LTD
76	JH09B4551	24-Oct-2002	Goods Carrier	M/S PARADISE TRANSPORT P LTD
77	JH09B4552	24-Oct-2002	Goods Carrier	M/S PARADISE TRANSPORT P LTD
78	AP02U0783	28-Oct-1999	Goods Carrier	M/S PRO CONS LTD
79	WB737211	10-Mar-2000	Goods Carrier	M/S PRO.CONS./LTD
80	JH09B2602	14-Aug-2002	Goods Carrier	M/S PRO.CONS.LTD
81	JH09B2603	14-Aug-2002	Goods Carrier	M/S PRO.CONS.LTD
82	JH09B2604	14-Aug-2002	Goods Carrier	M/S PRO.CONS.LTD
83	JH09B2605	14-Aug-2002	Goods Carrier	M/S PRO.CONS.LTD
84	WB737223	10-Mar-2000	Goods Carrier	M/S PRO.CONS.LTD
85	JH09B3075	02-Sep-2002	Goods Carrier	M/S PRO.CONS.P.LTD
86	AP02U0780	28-Oct-1999	Goods Carrier	M/S PROG . CONS. LTD
87	AP02U1560	01-Jan-2000	Goods Carrier	M/S PROG . CONS.LTD
88	AP02U1471	31-May-2000	Goods Carrier	M/S PROG .CONS.LTD
89	JH09B2598	14-Aug-2002	Goods Carrier	M/S PROG .CONS.P.LTD
90	AP02U1470	31-Jan-2000	Goods Carrier	M/S PROG CONS LTD
91	AP02U1474	31-May-2000	Goods Carrier	M/S PROG CONS LTD
92	AP02U1476	21-Jan-2000	Goods Carrier	M/S PROG CONS LTD
93	AP02U1478	31-May-2000	Goods Carrier	M/S PROG CONS LTD
94	AP09W4821	19-Feb-2001	Goods Carrier	M/S PROG CONS LTD
95	AP09W4829	19-Feb-2001	Goods Carrier	M/S PROG CONS LTD
96	AP09W8740	12-Nov-1991	Goods Carrier	M/S PROG CONS LTD
97	WB711805	01-Jan-1992	Goods Carrier	M/S PROG CONS LTD
98	WB711807	01-Jan-1992	Goods Carrier	M/S PROG CONS LTD
99	WB737209	10-Mar-2000	Goods Carrier	M/S PROG CONS LTD
100	WB737210	10-Mar-2000	Goods Carrier	M/S PROG CONS LTD
101	WB737289	16-Mar-2000	Goods Carrier	M/S PROG CONS LTD
102	HR38D3191	03-Aug-1996	Goods Carrier	M/S PROG CONS P LTD
103	JH09B2593	14-Aug-2002	Goods Carrier	M/S PROG CONS P LTD
104	JH09B3069	02-Sep-2002	Goods Carrier	M/S PROG CONS P.LTD
105	JH09B3063	02-Sep-2002	Goods Carrier	M/S PROG CONS P.LTD.
106	AP02U0784	28-Oct-1999	Goods Carrier	M/S PROG CONS.LTD
107	JH09B3074	02-Sep-2002	Goods Carrier	M/S PROG CONS.P.LTD
108	JH09B3078	02-Sep-2002	Goods Carrier	M/S PROG CONS.P.LTD
109	JH09B2599	14-Aug-2002	Goods Carrier	M/S PROG. CONS.P.LTD
110	AP02U0833	23-Nov-1999	Goods Carrier	M/S PROG.CONS .P.LTD
111	AP02U1472	31-May-2000	Goods Carrier	M/S PROG.CONS.LTD
112	AP02U1510	01-Jan-2000	Goods Carrier	M/S PROG.CONS.LTD
113	AP09W0883	01-Jan-2000	Goods Carrier	M/S PROG.CONS.LTD
114	GJ6T7192	26-Dec-1983	Goods Carrier	M/S PROG.CONS.LTD
115	WB711809	01-Jan-1992	Goods Carrier	M/S PROG.CONS.LTD
116	JH09B3071	02-Sep-2002	Goods Carrier	M/S PROG.CONS.P LTD
117	JH09B2592	14-Aug-2002	Goods Carrier	M/S PROG.CONS.P.LTD
118	JH09B2595	14-Aug-2002	Goods Carrier	M/S PROG.CONS.P.LTD
119	JH09B2596	14-Aug-2002	Goods Carrier	M/S PROG.CONS.P.LTD
120	JH09B3064	02-Sep-2002	Goods Carrier	M/S PROG.CONS.P.LTD
121	JH09B3065	02-Sep-2002	Goods Carrier	M/S PROG.CONS.P.LTD
122	JH09B3079	02-Sep-2002	Goods Carrier	M/S PROG.CONS.P.LTD
123	BR9C1198	04-Nov-2003	Goods Carrier	M/S R.K.SINGH CONS PVT.LTD
124	BPR4458	30-May-1985	Goods Carrier	M/S RAJ REF.P.LTD
125	BR9A6296	23-Aug-2000	Goods Carrier	M/S RAM KRIPAL SINGH CONST PVT LTD
126	BR9B6296	23-Aug-2000	Goods Carrier	M/S RAM KRIPAL SINGH CONST PVT LTD
127	MH31CB3306	30-Apr-2000	Goods Carrier	M/S RAMESWARA TRANSPORTNG LTD
128	RJ30GA0304	31-Mar-2006	Goods Carrier	M/S S N THAKKAR CONST P LTD
129	RJ30GA0300	31-Mar-2006	Goods Carrier	M/S S N THAKKAR CONST PVT LTD
130	RJ30GA0298	31-Mar-2006	Goods Carrier	M/S S N THAKKAR COSNT PVT LTD
131	JH09K4478	07-Dec-2005	Goods Carrier	M/S SAFAR TANSPORT CO LTD
132	JH09K4471	01-Dec-2005	Goods Carrier	M/S SAFAR TRANSPORT CO LTD
133	JH09K4472	01-May-2006	Goods Carrier	M/S SAFAR TRANSPORT CO LTD
134	JH09K4477	12-Dec-2004	Goods Carrier	M/S SAFAR TRANSPORT CO LTD
135	MP18H4294	01-Jan-1988	Goods Carrier	M/S SHIV VANI OIL GAS EXPL LTD
136	HR38A7821	01-Jan-1996	Goods Carrier	M/S SHIV VANI UNIVERSAL LTD
137	HR38C0870	01-Jan-1996	Goods Carrier	M/S SHIV VANI UNIVERSAL LTD
138	JH09N4960	20-Aug-2010	Goods Carrier	M/S SOUTH WEST DRILL & INFRA P LTD
139	JH09N4965	20-Aug-2010	Goods Carrier	M/S SOUTH WEST DRILL & INFRA P LTD
140	AS01M4626	08-Apr-2002	Goods Carrier	M/S SUMYA MININGH PVT LTD
141	CG04ZC6707	08-Mar-2001	Goods Carrier	M/S SUMYA MININGH PVT LTD
142	ML102521	14-Jul-2001	Goods Carrier	M/S SUMYA MININGH PVT LTD
143	WB11A3355	26-Jul-1995	Goods Carrier	M/S SUMYA MININGH PVT LTD
144	WB377425	13-Jul-1995	Goods Carrier	M/S SUMYA MININGH PVT LTD
145	OR09J8906	29-Jan-2008	Goods Carrier	M/S SUNDARAM STEEL P LTD
146	OR09J8907	29-Jan-2008	Goods Carrier	M/S SUNDARAM STEEL P LTD
147	AS133628	05-Jun-1997	Goods Carrier	M/S SUUL PROJ.LTD
148	AS133629	05-Jun-1997	Goods Carrier	M/S SVUL PROJ LTD
149	MH34A4115	26-Feb-1997	Goods Carrier	M/S V.G.C.(P)LTD.
150	HR473280	12-Feb-1996	Goods Carrier	M/S V.G.C.P.LTD
151	MH34A4091	20-Feb-1997	Goods Carrier	M/S V.G.C.P.LTD
152	HR473264	02-Aug-1996	Goods Carrier	M/S VAN GUARD(P)LTD.
153	HR473266	05-Feb-1996	Goods Carrier	M/S VAN GUARD<P>LTD.
154	JH09B2861	01-Jan-1996	Goods Carrier	MANSA DEVI COAL TRAN P.LTD
155	JH09B2862	09-Mar-1992	Goods Carrier	MANSA DEVI COAL TRAN.P.LTD
156	JH09B2859	11-Aug-1993	Goods Carrier	MANSA DEVI COAL TRANS P LTD
157	BHR6510	22-Mar-1979	Goods Carrier	MOTI MAINRAL LTD
158	WB39B1623	06-Nov-2015	Goods Carrier	MS INTERNATIONAL COMM LTD
159	JH09AV2293	03-Feb-2007	Goods Carrier	MS ASHOKA BUILDCON LTD
160	JH09AV1817	03-Feb-2007	Goods Carrier	MS ASHOKA BUILDCON LTD
161	JH09X3713	11-Aug-2014	Goods Carrier	MS BHANDARI CARGO LOGISTICS P LTD
162	JH09X5972	11-Aug-2014	Goods Carrier	MS BHANDARI CARGO LOGISTICS P LTD
163	WB24K0440	21-Sep-2007	Goods Carrier	MS G A AND CO LTD UNIT MICCO
164	RJ06EA1253	13-Aug-2008	Goods Carrier	MS INDIAN OIL CORPORATION LTD.
165	WB39B1624	06-Nov-2015	Goods Carrier	MS INTERNATIONAL COLL LTD
166	WB39B1625	06-Nov-2015	Goods Carrier	MS INTERNATIONAL COMM LTD
167	JH09U3816	08-May-2013	Goods Carrier	MS INTERNATIONAL COMMERCE LTD
168	JH09AD8597	14-Nov-2010	Goods Carrier	MS MANPREET ENG P LTD
169	JH09AE2516	26-Dec-2016	Goods Carrier	MS UBER MINING PVT LTD
170	JH09BA7482	22-Jan-2019	Goods Carrier	N G PROJECTS LTD
171	JH09BC3954	27-Jun-2023	Goods Carrier	N G PROJECTS LTD
172	JH09BC8967	23-Apr-2018	Goods Carrier	N G PROJECTS LTD
173	CG12C0926	08-Sep-2004	Goods Carrier	NURSING VANIJYA PVT LTD
174	MP20G3507	03-Jun-1996	Goods Carrier	O CARRIER WAYS P LTD
175	JH09J7524	15-Sep-2008	Goods Carrier	O N G C LTD
176	JH09E8926	06-Dec-2005	Goods Carrier	O N G C LTD
177	JH09E8927	06-Dec-2005	Goods Carrier	O N G C LTD
178	JH09C5543	24-Nov-2003	Goods Carrier	O.N.G.C LTD
179	JH09C5542	24-Nov-2003	Goods Carrier	O.N.G.C.LTD
180	JH09C5544	24-Nov-2003	Goods Carrier	O.N.G.C.LTD
181	JH09C5546	24-Nov-2003	Goods Carrier	O.N.G.C.LTD
182	JH09C5547	24-Nov-2003	Goods Carrier	O.N.G.C.LTD
183	JH09R0253	10-Oct-2011	Goods Carrier	OK MOVERS AND MINERALS PVT LTD
184	JH09R0256	10-Oct-2011	Goods Carrier	OK MOVERS AND MINERALS PVT LTD
185	JH09R0261	10-Oct-2011	Goods Carrier	OK MOVERS AND MINERALS PVT LTD
186	Registration No	Registration Date	Vehicle Class	Owner Name
187	JH09Q5835	04-Jul-2011	Goods Carrier	PADMAJA TRADELINK PVT LTD
188	JH09Q5836	04-Jul-2011	Goods Carrier	PADMAJA TRADELINK PVT LTD
189	JH09BE0828	02-Dec-2023	Goods Carrier	PEEPAL MINING AND LOGISTICS PVT LTD
190	JH09BE1427	03-Jan-2024	Goods Carrier	PEEPAL MINING AND LOGISTICS PVT LTD
191	JH09BE2323	02-Dec-2023	Goods Carrier	PEEPAL MINING AND LOGISTICS PVT LTD
192	JH09BE2546	02-Dec-2023	Goods Carrier	PEEPAL MINING AND LOGISTICS PVT LTD
193	JH09BE4016	03-Jan-2024	Goods Carrier	PEEPAL MINING AND LOGISTICS PVT LTD
194	JH09BE4426	03-Jan-2024	Goods Carrier	PEEPAL MINING AND LOGISTICS PVT LTD
195	JH09BE4794	02-Dec-2023	Goods Carrier	PEEPAL MINING AND LOGISTICS PVT LTD
196	JH09BE6261	02-Dec-2023	Goods Carrier	PEEPAL MINING AND LOGISTICS PVT LTD
197	JH09BE6325	03-Jan-2024	Goods Carrier	PEEPAL MINING AND LOGISTICS PVT LTD
198	JH09BE6344	03-Jan-2024	Goods Carrier	PEEPAL MINING AND LOGISTICS PVT LTD
199	JH09BE7568	02-Dec-2023	Goods Carrier	PEEPAL MINING AND LOGISTICS PVT LTD
200	JH09BE7855	03-Jan-2024	Goods Carrier	PEEPAL MINING AND LOGISTICS PVT LTD

PR 343879 (Road) 24-25 (D)

जिला परिवहन पदाधिकारी, बोकारो।

नीतीश सरकार में बीजेपी के 4 नए चेहरे होंगे शामिल

पटना (एजेंसी): बिहार विधानसभा चुनाव के पहले नीतीश कैबिनेट का विस्तार होना संभावित माना जा रहा है. ऐसे में अब इस बात की चर्चा तेज है कि खरमास के बाद कैबिनेट का विस्तार किया जा सकता है. फिलहाल नीतीश कैबिनेट में ३० मंत्री है, जिसमें भाजपा के १५ मंत्री शामिल हैं. नीतीश कुमार की कैबिनेट में अब भी ६ मंत्रियों के पद खाली है. ऐसे में यह चर्चा तेज है कि १५ जनवरी के बाद इसका विस्तार हो सकता है.

वहीं इस विस्तार में भाजपा के चार नए चेहरे शामिल होंगे. इसके साथ ही वर्तमान में भाजपा के जिन मंत्रियों के पास कई विभाग हैं, उनके विभागों का पुनर्वितरण किया जाएगा. ये विभाग कैबिनेट में शामिल होने वाले नए मंत्रियों के बीच बांटे जाएंगे. मंत्रिमंडल विस्तार में पटना, तिरहुत और सारण प्रमंडल के विधायकों को प्राथमिकता दी जाएगी.

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और बिहार सरकार के मंत्री दिलीप जायसवाल ने बिहार में १५ जनवरी के बाद संभावित मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर कहा कि मंत्रिमंडल का विस्तार होना तय है. खरमास के बाद इस पर चर्चा होगी.

चर्चा होने के बाद तब यह तय होगा कि कब मंत्रिमंडल का विस्तार होगा. इसलिए मंत्रिमंडल का विस्तार के बारे में जो चर्चा हो रही है. जैसे वार्ता होगी उसके बाद हम लोग बता पाएंगे. मंत्रिमंडल विस्तार में जातिगत आधार देखा जाएगा. सभी सामाजिक वर्ग को सभी लोगों को मंत्रिमंडल में ज्यादा से ज्यादा जगह मिले. इसकी चिंता प्रत्येक राजनीतिक दल करते हैं.

वहीं मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर गठ्अन खुल कर नहीं बोल रही है. बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि यह मुख्यमंत्री को मालूम होगा. एनडीए के जो बड़े नेता है, उनको यह मालूम होगा. यह मुख्यमंत्री के परिधि का मामला है. वहीं जेडयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने कहा कि विशेषाधिकार मुख्यमंत्री का है और मुख्यमंत्री इस पर निर्णय लेंगे.

आरजेडी के प्रवक्ता शक्ति यादव ने कहा कि बिहार में मंत्रिमंडल का विस्तार हो रहा है तो मुख्यमंत्री के विशेषाधिकार मंत्रिमंडल वापस जाएंगे कि वापस आएंगे. यह मंत्रिमंडल विस्तार के बाद पता चलेगा क्योंकि नीतीश कुमार को कई मंत्री के क्रियाकलाप रास नहीं आ रहे है, बदलना होगा वह खुद जानते हैं. पूर्ण रूप में विस्तार होगा या अर्थ रूप में विस्तार होगा. यह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बताएं.

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रेमचंद्र मिश्रा ने कहा कि मंत्रिमंडल का विस्तार मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार है. जब चाहे करते रहे. मंत्री परिषद में ५-६ पदों की वैकेंसी है जो साल भर से खाली है तो चुनाव से पहले यह झुनझुना क्यों थमा रहे है. बिहार सरकार विभिन्न मुद्दों पर बिल्कुल फेल हो चुके हैं. जनता पूछना चाहती है कि पलायन क्यों नहीं खत्म हुआ.

बिहार में कुछ भी परिवर्तन नहीं हुआ है. बिहार में बहुत कुछ होने वाला है. बिहार के नौ प्रमंडलों में से पटना, तिरहुत और सारण प्रमंडलों को विस्तार में विशेष महत्व दिया जाएगा. इसका कारण इन क्षेत्रों में भाजपा की विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत है.

ई0 प्रोक्यूरमेंट सेल, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, गिरिडीह

ई–प्रोक्योरमेन्ट नोटिस

अल्पकालिन निविदा (द्वितीय आमंत्रण)

ई–टेन्डर रेफरेन्स नं0– 34/2024-25/EE/BCD/GIRIDIH   दिनांक– 09.01.2025

1.कार्य का विस्तृत विवरणी

कम	कार्य का नाम	परिमाण पत्र की राशि	कार्य पूर्ण की अवधि
1	Construction of 30 Bedded hostel in Jamia Imam ibje baaz sitla Gandey, Madani chowk sitla, Gandey, Giridih in Giridih district	रू0 2,25,08,600/–	09 माह।

2. वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि :– 15.01.2025 11:00 बजे
3. बिड प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय :– 22.01.2025 11:00 बजे
4. निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, गिरिडीह।
5. निविदा खोलने की तिथि/समय एवं स्थान :– 24.01.2025 11:30 बजे नोडल पदाधिकारी, ई0 प्रोक्यूरमेंट सेल, मुख्य अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, झारखण्ड, रॉची।
6. प्रोक्योरमेन्ट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या :– 8789037009
7. ई–प्रोक्योरमेन्ट सेल का हेल्पलाईन संख्या :– 7562841745
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेस विभाग, झारखण्ड, सरकार के आदेश ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के द्वारा निर्गत SOP (मानक संचालन प्रकिया) एवं भवन निर्माण विभाग, झारखण्ड, सरकार के पत्रांक 2229 दिनांक 06.10.2023 के आलोक में निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, SOP के तहत अग्रधन की राशि उसी खाते में वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी संपूर्ण जवाबदेही निविदादाता की होगी।

- अन्य किसी भी प्रकार के बदलाव की सूचना http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

Note:- UCAN Registration is mandatory for the Bidders.

कार्यपालक अभियंता
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, गिरिडीह

PR 343905 Building(24-25)#D

कार्यालय चास नगर निगम, चास (बोकारो)
पुरुलिया रोड,आई0टी0आई0मोड़,चास,बोकारो पिन–827013

E-mail:- chasmunicipalcouncil@gmail.com

–:: आम सूचना ::–

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि चास नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत विभिन्न वार्डों मे अवस्थित आवासीय भवन/अपाटमेंट/संस्थागत/व्यवसायिक/औद्योगिक उपभोक्ता ओकोअमृत योजना के तहत चास शहरी जलापूर्ति योजना फेज–01 एवं फेज–02 के अंतर्गत कार्यरत एजेंसीजुस्को,जमशेदपुर के माध्यम से निःशुल्क मीटर सहित जल संयोजन का कार्य किया जा रहा है। नये उपभोक्ताओ को जल संयोजन हेतु वांछित दस्तावेज में आवेदन के साथ आधार कार्ड, होल्डिंग टैक्स की प्रति एवं फॉर्म अनिवार्य है।

अतः आम नागरिकों से अनुरोध है कि कार्यरत एजेंसीके द्वारा किये जा रहे निःशुल्क मीटर सहित जल संयोजन का कार्य पूर्ण करने में सहयोग करें,अन्यथा इस लाभ सेवंचित रह जायेंगे।

ह0/–
प्रशासक–सह–अपर नगर आयुक्त
चास नगर निगम

PR 343881 (Urban Development)24-25*D

Office of the District Education Officer, Dhanbad

Notice Inviting Tender

RFP FOR

Selection of Agency for Rate Contract to Develop Government Upper Secondary School into E- Smart Model Government Upper Secondary School across Dhanbad district Under District Mineral Fund, Office of the District Education Officer, Dhanbad, Govt. of Jharkhand

RFP No: SSA-06 **Opening date: 09.01.2025**
Issue Date: 09.01.2025 **Closing date: 30.1.2025**

District Education Officer, Dhanbad, Govt. of Jharkhand intends for Rate Contract of Develop Government Upper Secondary School into E-Smart Model Government Upper Secondary School across Dhanbad. The Office of the District Education officer intends to select reputed agencies to participate in the biding process. The main purpose of procurement of these items is to develop government upper secondary school into E-Smart Model Government upper secondary school and the use of which would enhance the interest as well as comfort level of the students.

The items supplied should be non-toxic, lead and arsenic free, chemical free and safe for the students for use.

The Bid document can be downloaded from the website (https://dhanbad.nic.in) and the responses for this Request for Proposal (RFP) shall be deemed to have done after careful study and examination of this document and full understanding of its modalities, process of execution and items to be delivered. The bids are to be submitted uploaded hard copy by hand or by post (Registered / Speed) or by courier on or before the closing date in the address mentioned in the document. Technical bids submitted by the bidder will be opened in the presence of the Tender committee member. Detailed information regarding important dates, address for submission of bid, Material Supply List (MSL), Total Bill of Material (BOM), Quantity, Delivery Location and other requisite is available in the information Factsheet of this Bid Document.

District Education Officer,
Dhanbad

PR 343912 (School Education and Literacy) 24-25 (D)

Office of the District Education Officer, Dhanbad

Notice Inviting Tender

RFP FOR

RFP for Selection of Agency for Rate Contract of "Supply, Installation, And Maintenance Of Virtual Reality (VR) Labs In Schools, Including Hardware, E-Content, Operating Software, And System Maintenance For 3 Years Across Dhanbad district" Under District Mineral Fund, Office of the District Education Officer, Dhanbad, Govt. of Jharkhand

RFP No-SSA-07 **Opening date: 09.01.2025**
Issue Date: 09.01.2025 **Closing date: 30.01.2025**

District Education Officer, Dhanbad, Government of Jharkhand, intends to establish a rate contract for the Supply, Installation, and Maintenance of Virtual Reality (VR) Labs in schools across Dhanbad. The office seeks to select reputed agencies to participate in the bidding process. The primary objective is to enhance the learning experience and engagement of students by setting up Virtual Reality (VR) labs in multiple schools.

The selected bidder will be responsible for delivering and setting up the Virtual Reality (VR) labs, including 40 devices per school, to the designated locations. The devices and associated equipment must be of high quality, with safety certifications to ensure they are free from any harmful materials, and must be installed securely and operationally ready for student use.

The bid document can be downloaded from the official website (https://dhanbad.nic.in). Responses to this Request for Proposal (RFP) should be made after careful study and examination of the document, with a full understanding of its modalities, execution process, and the items to be delivered. Bids can be submitted as hard copies, either by hand, registered post, speed post, or courier, on or before the closing date at the address mentioned in the document.

Technical bids submitted by the bidders will be opened in the presence of the tender committee members. Detailed information regarding important dates, the address for submission of bids, Material Supply List (MSL), Total Bill of Material (BOM), quantity, delivery location, and other requisites are available in the Information Factsheet of this bid document.

District Education Officer,
Dhanbad

PR 343913 School Education and Literacy(24-25)D

छात्रों पर लाठी चलाना उचित नहीं : चिराग

पटना (एजेंसी): बिहार में आगामी चुनाव एनडीए के सभी घटक दल एक साथ मिलकर मजबूती से लड़ेंगे और २२५ सीटें जीतकर सरकार भी बनाएंगे. जो लोग भी यह प्रयास कर रहे हैं और जो लोग यह मुंगेरी लाल के सपने देख रहे हैं कि एनडीए में किसी प्रकार की टूट हो या एनडीए का कोई घटक टूटकर विपक्षी दलों के गठबंधन की तरफ जाए, तो साफ है कि यह नहीं होने वाला है. लोजपा रामविलास के प्रमुख और मोदी सरकार में मंत्री चिराग पासवान ने पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में ये बात कही. उन्होंने जोर देकर कहा, एक बात तय है कि आगामी बिहार विधानसभा का चुनाव एनडीए के सभी पांचों घटक दल एक साथ पूरी मजबूती के साथ न सिर्फ लड़ेंगे, बल्कि, एनडीए की मजबूत सरकार विधानसभा चुनाव के बाद बनेगी. चिराग पासवान ने कहा, हम २२५ से ज्यादा सीटें जीतकर बिहार में सरकार बनाने जा रहे हैं. उन्होंने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा, मैं छात्रों पर लाठीचार्ज का कतई पक्षधर नहीं हूं.

छात्रों की बातों को गंभीरता से सुना जाना चाहिए. उनकी हर उचित मांग को पूरा किया जाना चाहिए. उन पर लाठी चलाना कहीं से उचित नहीं है. छात्रों से बातचीत का दरवाजा हमेशा खुला रहना चाहिए, इसका मैं पक्षधर हूं. हाल ही में बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की ७०वीं प्रारंभिक परीक्षा (पीटी) को रद्द कराने की मांग को लेकर अभ्यर्थी सड़कों पर उतरे थे, जिस पर पुलिस ने पहले पानी की बौछार की थी और उसके बाद लाठीचार्ज किया गया था. इसमें कई अभ्यर्थी घायल हुए थे. इस घटना के बाद विपक्षी दल लगातार सरकार पर निशाना साध रहे हैं.

महाकुंभ में कल्पवास में रहेंगी अमीर महिला लॉरेन पॉवल

प्रयागराज,(ईएमएस): दुनिया की सबसे अमीर महिलाओं में से एक, लॉरेन पॉवल जॉब्स महाकुंभ मेले में भाग लेंगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक लॉरेन १३ जनवरी से २९ जनवरी तक प्रयागराज में रहेंगी और कल्पवास में रहते हुए साधुओं के साथ सादगीपूर्ण जीवन बिताएंगी। उन्होंने निरंजनी अखाड़े में रहने का फैसला लिया है, जहां वे गंगा स्नान और आध्यात्मिक गतिविधियों में शामिल होंगी।

लॉरेन को हिंदू और बौद्ध धर्म से विशेष लगाव है, जो उनके दिवंगत पति स्टीव जॉब्स के जीवन का हिस्सा रहा है। स्टीव जॉब्स बाबा नीब करौली और परमहंस योगानंद की शिक्षाओं से प्रभावित थे और हमेशा योगी की आत्मकथा नामक पुस्तक अपने साथ रखते थे। लॉरेन भी इन्हीं परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए महाकुंभ में भाग लेंगी। उनकी शादी भी बौद्ध तरीके से संपन्न हुई थी।

लॉरेन पॉवल जिनकी उम्र ६१ साल है, महाकुंभ के दौरान साधु-संतों के बीच रहकर आध्यात्मिक अनुभव का आनंद लेंगी। लॉरेन अपने सादगीपूर्ण जीवन के लिए मशहूर हैं। कल्पवास का अर्थ गहन आध्यात्मिक अनुशासन है, जो प्राचीन हिंदू परंपराओं से प्रेरित है। यह एक महीने की अवधि में होता है, जिसमें भक्त गंगा में स्नान, संतों के प्रवचन और भजन-कीर्तन करते हैं। कल्पवास का उद्देश्य सांसारिक जीवन से ऊपर उठकर आत्मचिंतन और ईश्वर से जुड़ने की प्रक्रिया है। लॉरेन इस परंपरा का पालन करते हुए साधुओं के शिविर में ठहरेंगी। लॉरेन जैसी हस्ती के महाकुंभ में आने से आयोजन को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिल रही है। यूपी सरकार और महाकुंभ प्रशासन लॉरेन की सुरक्षा और सुविधाओं के लिए विशेष इंतजाम कर रहे हैं। उनके आगमन से महाकुंभ में आध्यात्मिकता और वैश्विक संस्कृति का अद्भुत समागम देखने को मिलेगा।

स्वार्थ के लिए हुआ था इंडी गठबंधन : श्रवण कुमार

पटना (एजेंसी): बिहार सरकार में मंत्री श्रवण कुमार ने पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव पर गुरुवार को जोरदार निशाना साधा है. मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि इन लोगों का गठबंधन देश की तरक्की के लिए नहीं था, यह लोग तो स्वार्थ की पूर्ति के लिए साथ आए थे. इंडी गठबंधन निजी स्वार्थ की सिद्धि के लिए था. सिद्धि हो गई, बात खत्म हो गई. इन्हें देश की तरक्की से क्या लेना-देना है.

बिहार सरकार में मंत्री तेजस्वी यादव के उस बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे. जिसमें तेजस्वी ने दावा किया है कि इंडी अलायंस का गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनावों के लिए हुआ था. तेजस्वी का यह बयान उस वक्त आया है जब इसी साल बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं. तेजस्वी यादव बुधवार को कार्यकर्ता दर्शन और संवाद कार्यक्रम के क्रम में बक्सर पहुंचे थे. इस दौरान पत्रकारों ने जब उनसे दिल्ली में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के अलग-अलग चुनाव लड़ने को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए बना था. बिहार में गठबंधन के सवाल पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस के साथ उनका पुराना गठबंधन है. बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं. ऐसे में तेजस्वी यादव के इस बयान को लेकर विरोधी कई तरह के सवाल उठाने लगे हैं. भाजपा नेताओं का कहना है कि आरजेडी शुरू से ही कांग्रेस को हाशिए पर रखती आई है. इस साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और आरजेडी ने कांग्रेस को हाशिए पर रखने की तैयारी शुरू कर दी है. बता दें कि हाल ही में तेजस्वी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा था.

महाकुंभ में 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद : योगी

लखनऊ (ईएमएस): उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ २०२५ को प्रदेश और देश की अर्थव्यवस्था के लिए ऐतिहासिक अवसर बताया है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत का प्रतीक है, बल्कि आर्थिक और सामाजिक विकास का भी महत्वपूर्ण माध्यम है।

सीएम योगी ने बुधवार को एक सम्मेलन में बताया कि इस साल महाकुंभ में ४० करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि २०१९ के कुंभ मेले से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में १.२ लाख करोड़ रुपये का योगदान हुआ था। इस बार २ लाख करोड़ रुपये तक रेवेन्यू जेनरेशन का अनुमान है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि २०२४ में जनवरी से सितंबर तक ही काशी विश्वनाथ मंदिर में १६ करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु और अयोध्या में १३.५५ करोड़ श्रद्धालु आ चुके हैं। इससे पता चलता है कि महाकुंभ के प्रति लोगों में कितना उत्साह है।

मुख्यमंत्री ने महाकुंभ को भव्य, दिव्य और डिजिटल आयोजन बताया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह भारत की प्राचीन सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं को वैश्विक स्तर पर पेश करने का अवसर है। उन्होंने महाकुंभ को दुनिया का सबसे बड़ा अस्थायी शहर बताया, जहां हर दिन ५० लाख से १ करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है।

महाकुंभ २०२५ को लेकर प्रयागराज में तैयारियां जोरों पर हैं। संगम के १२ किलोमीटर इलाके में स्नान घाट बनाए जा रहे हैं। विशेष सफाई अभियान, निर्माण कार्य, और सुरक्षा व्यवस्था तेज कर दी गई हैं। अधिकारियों ने बताया कि सभी घाटों पर प्रकाश व्यवस्था की जा रही है, और महिलाओं के लिए अलग से चेंजिंग रूम बनाए गए हैं। घाटों की पहचान के लिए प्रतीक चिह्न, जैसे डमरू और त्रिशूल लगाए जा रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए वॉच टावर और पानी में बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महाकुंभ भारत की सामाजिक और आध्यात्मिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि केंद्र और राज्य सरकारें संतों और अन्य धार्मिक संस्थाओं के सहयोग से इस आयोजन को सफल बनाने में जुटी हुई हैं। महाकुंभ में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। संगम इलाके में वॉच टावर लगाए जा रहे हैं, और सभी घाटों पर २४७ निगरानी की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष योजना बनाई गई है।

महाकुंभ २०२५ केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह उत्तर प्रदेश और भारत की अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण साबित होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में किए जा रहे व्यापक इंतजामों से यह आयोजन न केवल आस्था का पर्व होगा, बल्कि राज्य के विकास का भी नया अध्याय लिखेगा।

4 विश्वविद्यालयों में होगी कुलपति की नियुक्ति

पटना (एजेंसी): बिहार के नवनियुक्त राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से मिलने के लिए गुरुवार सुबह सुबह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राजभवन गए थे. राज्यपाल और मुख्यमंत्री की मुलाकात को लेकर तरह तरह के कयास लगाए जाने लगे. कोई इसे कैबिनेट विस्तार से जोड़ रहा था तो कोई किसी वजह से लेकिन अब इस बात का खुलासा हो गया है कि राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच मुलाकात की क्या वजह रही. दरअसल, राज्यपाल और मुख्यमंत्री की मुलाकात राज्य के ४ विश्वविद्यालयों में कुलपति की नियुक्ति के सिलसिले में हुई थी. ये ४ विश्वविद्यालय हैं पूर्णिया, मुंगेर, नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय. राज्यपाल ने इन विश्वविद्यालयों में कुलपति की नियुक्ति में मुख्यमंत्री से परामर्श लिया है.

राज्यपाल की ओर से की गई नियुक्ति के अनुसार, संजय कुमार को मुंगेर यूनिवर्सिटी, इंद्रजीत सिंह को बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, रविंद्र कुमार को नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी और विवेकानंद सिंह को पूर्णिया यूनिवर्सिटी का वीसी यानी कुलपति नियुक्त किया गया है.

राजभवन के प्रधान सचिव रॉबर्ट एल. चोंगथू ने इस नियुक्ति को लेकर अधिसूचना जारी कर दी है. इन कुलपतियों का कार्यकाल ३ साल का होगा. इन कुलपतियों में से प्रो. संजय कुमार नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी में उपकुलपति थे तो प्रो. विवेकानंद सिंह एनआईटी में उपकुलपति थे. प्रोफेसर रविंद्र कुमार बिहार यूनिवर्सिटी, मुजफ्फरपुर में उपकुलपति रह चुके हैं और अभी वे पटना यूनिवर्सिटी के दर्शनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष के रूप में काम कर रहे थे.

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान २ जनवरी को ४२वें गवर्नर बने हैं. शपथ ग्रहण के बाद गुरुवार, ९ जनवरी को मुख्यमंत्री सुबह सुबह राजभवन गए थे. शुरुआत में मुलाकात की वजह सामने नहीं आई थी. शाम होते होते यह स्पष्ट हो गया कि राज्यपाल और मुख्यमंत्री की मुलाकात की क्या वजह थी.

लखीमपुर में गैंगस्टर की पुलिस कस्टडी में मौत,बवाल

लखीमपुर खीरी,(ईएमएस): उप्र के लखीमपुर खीरी में एक युवक की पुलिस कस्टडी में मौत हो गई। पीड़ित परिजनों का आरोप है कि पुलिस की पिटाई से युवक की तबीयत बिगड़ी, समय पर इलाज भी नहीं मिलने से दम तोड़ दिया। मौत के बाद जबरन पीएम करवा दिया गया। परिजन प्रदर्शन करने जा रहे थे तो लाठीचार्ज किया। शव का अंतिम संस्कार करने से मना करने पर पुलिस के अधिकारियों ने घर पहुंचकर हड़काया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं, लखीमपुर खीरी पुलिस ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि मृतक रामचंद्र मौर्य गैंगस्टर एक्ट के तहत आरोपी था और अवैध शराब बनाने के काम में संलिप्त था। छापेमारी के दौरान वह बचकर भाग रहा था, तभी बेहोश होकर गिर पड़ा। उसे अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इस बारे में रामचंद्र के परिजनों को पता लगा तो अस्पताल के बाहर भीड़ लग गई।

पीएम के बाद जब शव गांव आया तो जाम करने की कोशिश की और प्रदर्शन शुरू कर दिया। अंतिम संस्कार से साफ मना कर दिया. इस बीच पुलिस से उनकी झड़प हो गई. पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर भीड़ को तितर-बितर कर दिया. इसी बीच मौके पर मौजूद मझगई चौकी इंचार्ज दयाशंकर द्विवेदी ने ट्रैक्टर-ट्रॉली रोकने के लिए सरकारी गाड़ी उसके आगे खड़ी कर दी. आक्रोशित ग्रामीण और चौकी इंचार्ज के बीच जमकर बहस हुई। इन सबके बीच डीएसपी पीपी सिंह का मृतक रामचंद्र के शोकाकुल परिवार के सदस्यों से बात करने का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह परिवार वालों को हड़काते दिख रहे हैं।

इंडिया ब्लॉक का नेतृत्व करने में राहुल गांधी फेल : तृणमूल

पटना (एजेंसी): तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा था कि इंडिया ब्लॉक का नेतृत्व करने में राहुल गांधी फेल हो चुके हैं और भाजपा के खिलाफ असफल साबित हुए हैं. इसलिए इंडिया ब्लॉक का नेतृत्व तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को दिया जाना चाहिए. वे सक्षम हैं और भाजपा को पश्चिम बंगाल में पटखनी दे चुकी हैं. फारुख अब्दुल्ला, अरविंद केजरीवाल, अखिलेश यादव और शरद पवार के साथ ही लालू प्रसाद यादव ने कल्याण बनर्जी की मांग से सहमति जताई थी. तब लालू प्रसाद यादव ने कहा था, ममता बनर्जी को इंडिया ब्लॉक का नेतृत्व देने में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए. कांग्रेस को भी यह बात बुरी नहीं लगनी चाहिए. एक सवाल के जवाब में लालू प्रसाद यादव ने यह भी कहा दिया था कि कांग्रेस को बुरा लगे तो लगे. और अब तेजस्वी यादव ने कह दिया है कि इंडिया ब्लॉक का गठन लोकसभा चुनाव के लिए ही हुआ था.

तेजस्वी यादव ने अपने इस बयान के साथ ही आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के दिल्ली में अलग अलग चुनाव लड़ने को उचित ठहराया और कहा कि यह सभी को पता है कि इंडिया ब्लॉक का गठन लोकसभा चुनाव के लिए ही हुआ था. हालांकि तेजस्वी यादव ने यह भी कहा, बिहार में राजद और कांग्रेस के बीच वर्षों से गठबंधन चल रहा है. बता दें कि बिहार में इसी साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और हो सकता है कि लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव कांग्रेस के साथ प्रेशर पॉलिटिक्स कर रहे हों.

हालांकि तेजस्वी यादव के बयान पर कांग्रेस विधानमंडल दल के नेता शकील अहमद खान ने कहा, इंडिया ब्लॉक अभी बना हुआ है और खत्म नहीं हुआ है. राज्यों में अलग अलग चुनाव लड़ने का मतलब यह नहीं है कि इंडिया ब्लॉक खत्म हो गया. जब यह गठबंधन बना था, तब भी केरल में कांग्रेस और वामदल अलग अलग चुनाव लड़े थे. इसके अलावा पंजाब में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी अलग अलग चुनाव लड़े थे. विधानसभा चुनाव को लेकर शकील अहमद खान का कहना था, पिछले विधानसभा चुनाव में हम ७० सीटों पर चुनाव मैदान में थे और १९ सीटें जीते थे. इस बार कांग्रेस की विश्वसनीयता बढ़ी है तो हमें ज्यादा सीटें चाहिए. इसके अलावा शकील अहमद ने २ डिप्टी सीएम की मांग करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का रिजल्ट देख लीजिए.

राजद की ओर से ऐसे बयान इसलिए भी दिए जा रहे हैं, क्योंकि पार्टी को दिल्ली में भी चुनाव लड़ना है और उसके लिए या तो आम आदमी पार्टी या फिर कांग्रेस का साथ चाहिए ही चाहिए. पिछले विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल ४ सीटों पर चुनावी मैदान में था. दिल्ली में बिहार और पूर्वांचल के वोटरों की संख्या को देखते हुए यह आंकड़ा अहम हो जाता है. इसलिए पार्टी ४ सीटों पर अपने प्रत्याशियों को उतारना चाहती है. पिछले विधानसभा चुनाव में दिल्ली की ७० सीटों में से कांग्रेस ६६ तो राजद ४ सीटों पर मैदान में थी. इस बार भी राष्ट्रीय जनता दल ४ कम से कम ४ सीटें चाहता है. इसलिए भी कांग्रेस पर दबाव बनाने के लिए राजद प्रमुख और तेजस्वी यादव ऐसी बयानबाजी कर रहे हैं.

मुलायम सिंह के छोटे भाई राजपाल का निधन

इटावा,(ईएमएस): समाजवादी पार्टी के संस्थापक और यूपी के पूर्व पीएम मुलायम सिंह यादव के छोटे भाई और अखिलेश यादव के चाचा राजपाल सिंह यादव का निधन हो गया है। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। गुरुवार सुबह ४ बजे उन्होंने आखिरी सांस ली। उनका अंतिम संस्कार सैफई में किया जाएगा।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव के चाचा राजपाल सिंह यादव के निधन की खबर मिलते ही सपा नेता और कार्यकर्ता सैफई के लिए रवाना हो गए। अखिलेश यादव ने भी अपने सभी कार्यक्रम रद्द कर सैफई पहुंच गए हैं। शिवपाल यादव पहले से ही सैफई में हैं। रामगोपाल ने सोशल मीडिया एक्स पर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने लिखा कि अत्यंत दुख के साथ ये सूचित कर रहा हूं कि मेरे अनुज राजपाल सिंह का गुरुवार सुबह असामयिक निधन हो गया है। उनका अंतिम संस्कार पैतृक गांव सैफई में किया जाएगा। प्रभु उनकी आत्मा को शांति दे और उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान दें। शांति! बता दें कि राजपाल यादव, मुलायम सिंह की तीसरे नंबर के छोटे भाई थे। राजपाल की पत्नी इटावा जिला पंचायत की अध्यक्ष रह चुकी हैं।

बिहार विधान परिषद सीट के लिए ललन प्रसाद ने भरा पर्चा

पटना (एजेंसी): बिहार विधान परिषद की खाली हुई एक सीट के लिए एनडीए समर्थित जनता दल यूनाइटेड के प्रत्याशी ललन प्रसाद ने गुरुवार को नामांकन का पर्चा दाखिल किया. इस दौरान बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा सहित मंत्रिमंडल के कई अन्य सदस्य और नेता मौजूद रहे. ललन प्रसाद को नीतीश कुमार का करीबी बताया जाता है.

शेखपुरा जिले के सुजावलपुर गांव के रहने वाले प्रसाद काफी दिनों से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ जुड़े हुए हैं. नामांकन का पर्चा दाखिल करने के बाद प्रसाद ने पार्टी के नेतृत्व को धन्यवाद दिया. उन्होंने कहा कि नेतृत्व ने उन्हें बड़ी जिम्मेदारी दी है. ललन प्रसाद समता पार्टी के समय से ही नीतीश कुमार के साथ काम कर रहे हैं. ५२ साल के ललन प्रसाद धानुक समाज से आते हैं. वर्ष २००१ से २००६ तक वह शेखपुरा के घाट कुसुंभा प्रखंड के प्रखंड जदयू अध्यक्ष थे. बिहार के नालंदा जिले के अस्थावां विधानसभा के प्रभारी भी रहे. वर्ष २००९ से २०१३ तक शेखपुरा जिला जदयू के उपाध्यक्ष रहे. शेखपुरा जिला परिषद के सदस्य व उपाध्यक्ष रहे. जदयू प्रदेश राजनीतिक सलाहकार समिति के सदस्य भी हैं. उल्लेखनीय है कि राजद नेता सुनील कुमार सिंह की विधान परिषद की सदस्यता रद्द होने के बाद यह सीट खाली हुई थी. उनका कार्यकाल २०२६ तक था. विधान परिषद आचार समिति ने सिंह की सदस्यता पिछले साल समाप्त कर दी थी. उसके बाद यह सीट खाली हो गई थी. इस सीट के लिए १६ जनवरी को नामांकन वापस लेने की तारीख रखी गई है. आवश्यकता पड़ी तो २३ जनवरी को विधानसभा में मतदान होगा.

गरीब युवाओं को किन्नर बना रही किन्नर गैंग

बांदा,(ईएमएस) : उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां किन्नर गैंग गरीब युवाओं को बहला-फुसला कर अपने जाल में फंसा रही है। यह गैंग युवाओं को कानपुर ले जाकर उनका जबरन ऑपरेशन करवाती है, जिसके बाद उन्हें किन्नर बनाया जाता है। अब तक गैंग ने बांदा जिले के करीब एक दर्जन युवाओं को अपना शिकार बनाया है। यह घटना अतर्रा थाना क्षेत्र की है, जहां कुछ पीड़ित युवकों ने पुलिस के पास पहुंचकर गैंग की काली करतूत का खुलासा कर दिया।

पीड़ितों में से एक खुशबू उर्फ शिवकांत और शिवम, जो किन्नर गैंग की चुंगल से भागे हुए थे, ने बताया कि उन्होंने किसी तरह इन किन्नरों के चंगुल से बचकर पुलिस के पास पहुंचे। इन युवाओं के अनुसार दो प्रमुख किन्नर गैंग हैं, जिनके नाम हैं कैटरीना और मधु। यह गैंग गरीब युवाओं को पैसे का लालच देकर अपने साथ ले जाती हैं और कानपुर में उनका ऑपरेशन करवा देती हैं, जिससे वे किन्नर बन जाते हैं। जब वे इसका विरोध करते हैं, तब गैंग के सदस्य उनके साथ मारपीट करते हैं। पीड़ितों का कहना है कि गैंग के सदस्य उन्हें धमकाते हैं और किसी तरह उनका ऑपरेशन करवाते हैं। इस दौरान युवाओं को दर्दनाक प्रक्रिया का विरोध करने की अनुमति नहीं दी जाती। एक और पीड़ित नौशाद अली उर्फ जाह्नवी ने बताया कि वह बिसंडा की रहने वाली हैं। संगीत का शौक रखने वाली जाह्नवी को किन्नर गैंग ने देखा और पैसे का लालच देकर फंसा लिया। उन्हें कानपुर ले जाकर हॉस्पिटल में ऑपरेशन कराया गया। जिसमें उनका लिंग परिवर्तन किया गया। यह घटना २०१५ की है, तब से वह गैंग के साथ ही हैं।

जांच के दौरान खुलासा हुआ कि किन्नर गैंग कैटरीना और मधु कानपुर के हॉस्पिटल में इन युवाओं का ऑपरेशन करवाती हैं। इन अस्पतालों में उनका एक एजेंट पीयूष द्विवेदी नामक व्यक्ति है, जो ऑपरेशन और हार्मोन चेंजिंग दवाइयों की सेटिंग करता है।

इंडी गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए था : तेजस्वी

पटना (एजेंसी): बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इंडी गठबंधन को लेकर एक बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा है कि इंडी गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव तक के लिए था. तेजस्वी यादव के इस बयान पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने तल्ख टिप्पणी की है. गिरिराज सिंह ने गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि यह वही बात है, जिसे हम लोग पहले से ही कह रहे थे.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डर से यह सभी राजनीतिक दल एक मंच पर इकट्ठा हुए हैं. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह गठबंधन किसी भी प्रकार से देश की जनता की सेवा नहीं कर सकता.

उन्होंने आगे कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व से डर के कारण ये सब एक साथ आए हैं. ये लोग कांग्रेस के साथ हैं और उन्हें अपने उद्देश्यों के लिए कांग्रेस की मदद की आवश्यकता है. हम पहले ही कह चुके थे कि यह गठबंधन केवल चुनावी स्वार्थ के लिए है. इसके अलावा, गिरिराज सिंह ने मौलाना शहाबुद्दीन द्वारा कुंभ मेले की जमीन को वक्फ की जमीन बताए जाने पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी.

गिरिराज सिंह ने कहा कि मौलाना शहाबुद्दीन को अपनी औकात का पता नहीं है. कुंभ मेला मोहम्मद साहब के आगमन से भी बहुत पहले लग रहा है. उनका बयान न केवल हास्यास्पद है, बल्कि हमारी धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों का अपमान भी है. गिरिराज सिंह ने आगे कहा कि भारत की संस्कृति और धर्म की रक्षा के लिए हम किसी भी प्रकार की टिप्पणी बर्दाश्त नहीं करेंगे. ये

झारखण्ड सरकार

कार्यालय जिला परिवहन पदाधिकारी, धनबाद।

Email: dto-dhanbad@jharkhandmail.gov.in

-: आवश्यक सूचना :-

धनबाद जिले के स्कूलों में परिचालित होने वाले स्कूली वाहनों से संबंधित शिकायत प्रकाश में आ रही है। इस संबंध में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिये गये निर्देशों का अनुपालन हेतु इस कार्यालय द्वारा पत्राचार किया गया था, कि स्कूलों में परिचालित होने वाले स्कूल के वाहन/स्कूल द्वारा भाड़े पर लिए गये वाहन के परिचालन में परिवहन के नियमों का पालन कठोर रूप से किया जाय, परन्तु स्कूलों द्वारा नियमों का संपूर्ण पालन नही किया जा रहा है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिये गये निर्देश का अनुपालन किया जाना अति-आवश्यक है, जो निम्न प्रकार है:-

(a) School buses should be painted yellow.
(b) School bus must be written on back and front of the bus. If it is hired bus, "ON SCHOOL DUTY" should be clearly indicate.
(c) Bus should have a First Aid Box.
(d) Bus should be fitted with speed governor of specified standard.
(e) The windows of Bus should be fitted with horizontal grills.
(f) There should be a fire extinguisher in the Bus.
(g) School Name and Telephone No. must be written on the Bus.
(h) The doors of the Bus should be fitted with reliable locks.
(i) To keep the school bags safely, there should be a space fitted under the seats.
(j) There must qualified attendant in the Bus to attend to children.
(k) Any Parents or Guardian sitting in the bus or a teachers may also travel to ensure these safety norms.
(l) The driver should have at least 10 years of experience of driving heavy vehicles.
(m) A driver who has been challaned (Fined) more than twice in a year for offences like red light jumping, violation of lane discipline of allowing unauthorized person to driver cannot be employed.
(n) A driver who has been challanced (fined) even once for the offence of over speeding, drunken driving and dangerous driving etc. cannot be employed.
(o) Bus must not carry students beyond its registerd capacity.
(p) Driver would be dressed in a distinctive uniform.

साथ ही वाहन के साथ Registration Book, Insurance, Pollution, Fitness certificate, Permit, SLD Certificate, Tax Token, Driving Licence के अनिवार्य रूप से रखना सुनिश्चित किया जाय। नियमित रूप से बस चालको का Police verification कराना अनिवार्य है। संबंधित थाना में बस चालकों कि विवरणी भी उपलब्ध कराए। स्कूल के विद्यार्थियों के परिचालन हेतु सभी वाहनों को उपरोक्त निर्देशों का अनुपालन करना अनिवार्य है। यह स्पष्ट रहें कि वाहनों का परिचालन स्कूल के द्वारा किया जाता हो अथवा निजी (अभिभावक द्वारा किराये से संचालित वाहन)। उक्त निर्देशों का अनुपालन कराने की सारी जवाबदेही स्कूल के प्राचार्य की होगी।

अतः उपरोक्त निर्देशों/मानकों के अनुपालन में किसी प्रकार की कमी या उल्लंघन पाया जाता है, तो स्कुल प्रचार्य को जिम्मेवार मानते हुए मोटर वाहन अधिनियम के सुसंगत धाराओं के तहत् सख्त कार्रवाई की जायेगी।

PR 343937 Transport(24-25)D — जिला परिवहन पदाधिकारी, धनबाद।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय एन0आर0ई0पी0, जामताड़ा कम्बाईन्ड बिल्डिंग, जामताड़ा

अति अल्पकालीन पुर्न निविदा आमंत्रण सूचना सं0-03/RE/NREP\ 2024-25

1. निविदा प्रकाशन की तिथि :- 10.01.2025
2. विज्ञापन दाता का नाम :- कार्यपालक अभियंता, एन0आर0ई0पी0, जामताड़ा।
3. परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि :- दि0-16.01.2025 को अप0 4:00 बजे तक
4. निविदा प्राप्ति की तिथि :- दि0-18.01.2025 को अप0 2:00 बजे तक
5 निविदा खोलने की तिथि एवं समय :- दि0-18.01.2025 को अप0 3:00 बजे
6 परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :- एन0आर0ई0पी0 कार्यालय, जामताड़ा।
7 निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान :- एन0आर0ई0पी0 कार्यालय, जामताड़ा।
8. कार्य का विवरण :-

पूर्व निविदा क्र0	कार्य का नाम	प्रखंड का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	अग्रधन की राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
39	कालीपहाड़ी मदरसा का चाहरदिवारी निर्माण।	नारायणपुर	719500	14500	1250	2 माह
43	उ0म0 विद्यालय भगवानपुर का चार दिवारी निर्माण।	नारायणपुर	1080600	22000	2500	2 माह
45	जेरूवा टांड़पर मदरसा में दो कमरा निर्माण	नारायणपुर	1450300	29500	2500	2 माह
59	शहरपुरा से हनुमान मंदिर तक 1200 फीट पी0सी0सी0 पथ का निर्माण।	जामताड़ा	1185000	24000	2500	1 माह
65	आमडीहा आदिवासी ग्राम में 1000 फीट पी0सी0सी0 पथ का निर्माण।	करमाटॉड़	1133300	23000	2500	1 माह
66	न्यू टाउन राजबांध के निकट पुनु के दुकान से लेकर समीर दत्ता के घर तक पीसीसी सड़क एवं नाली निर्माण।	जामताड़ा	1620000	32500	5000	1 माह
67	भैयाडीह से शमशान घाठ तक 1200 फीट पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	नारायणपुर	1022600	20500	2500	1 माह

9. निविदा की शर्त्ते www.jamtara.nic.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।
10 निविदाकारों को भवन निर्माण विभाग एवं ग्रामीण कार्य विभाग ,झारखण्ड के समुचित श्रेणी में पंजीकृत होना अनिवार्य है समुचित श्रेणी अथवा समुचित श्रेणी से एक श्रेणी उपर में निबंधित संवेदक ही निविदा में भाग ले सकते है ।

कार्यपालक अभियंता, एन0आर0ई0पी0, जामताड़ा

PR 343868 NREP(24-25)#D

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिये तकनीकी विशेषज्ञता, वित्तीय क्षमता एवं पर्याप्त अनुभव रखनेवाले ख्यातिलब्ध प्रतिष्ठानों/एजेंसियों/संवेदको, 'टू पैकेट बिड' ई-निविदायें आमंत्रित है।

(i) निविदा संख्या एवं दिनांक : GEM/2025/B/5771366, दिनांक: 06.01.2025. (ii) कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि : धनबाद मंडल में एसी कोचों में अलार्म सिस्टम के साथ स्वाचालित धुआं/आग का पता लगाने वाली प्रणाली और पावर/पैंट्री कार में स्वाचालित आग का पता लगाने और दमन प्रणाली का 3 साल के लिए वार्षिक संरक्षण अनुबंध। कार्य समापन अवधि - 03 वर्ष। (iii) कार्य की अनुमानित लागत : ₹2,58,86,525.64 (दो करोड़ अट्ठावन लाख छियासी हजार पाँच सौ पच्चीस रूपये एवं चौंसठ पैसे) मात्र। (iv) बयाना राशि : ₹2,79,400/- (दो लाख उनासी हजार चार सौ रूपये) मात्र। (v) ई-निविदा बंद होने की तारीख एवं समय : तारीख 27.01.2025 को 16:00 बजे। ई-निविदा खुलने की तारीख एवं समय:तारीख 27.01.2025 को 16:30 बजे। (vi) वेबसाईट विवरण : http://www.gem.gov.in ई-निविदा के तहद मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल रेल प्रबंधक / पूमरे/धनबाद

पीआर/01874/डीएचएन/यां/टी/24-25/36

महाकुंभ की सुरक्षा इंग्लैंड ब्रीड घोड़ों पर

प्रयागराज,(ईएमएस): महाकुंभ-२०२५ की सुरक्षा व्यवस्था में हॉर्स पावर यानी अश्व-शक्ति लगाई गई है। ये घोड़े कोई आम घोड़ा नहीं, बल्कि पूरी तरह वेल ट्रेंड है। इशारों पर कदमताल करते हुए रास्ता बनाते हैं। जमीन के साथ-साथ पानी में भी दौड़ सकते हैं। कुंभा मेला में क्राउड कंट्रोल के लिए यूपी की ट्रेंड माउंटेड पुलिस इन घोड़ों के साथ तैनात है। १३० घोड़ों के साथ जवान जब अलग-अलग ग्रुप में पेट्रोलिंग पर निकलते हैं, तब लोग इन्हें देखते रह जाते हैं। घुड़सवारों के दस्ते में भारतीय ब्रीड के अलावा अमेरिकन और इंग्लैंड ब्रीड के घोड़े भी शामिल हैं।

कोयला मंत्री ने रांची में सुरक्षा प्रशिक्षण केंद्र और 5जी टेस्ट लैब का किया उद्घाटन

रांची (एजेंसी): केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी ने गुरुवार को सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के सुरक्षा प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने सीसीएल के कार्यों की समीक्षा भी की।

उद्घाटन कार्यक्रम में सांसद महुआ मांझी, विधायक और सीसीएल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सुरक्षा प्रशिक्षण केंद्र का निर्माण सुरक्षा कर्मियों को ओरिएंटेशन और रिफ्रेशर प्रशिक्षण देने के लिए किया गया है, ताकि उनके पेशेवर कौशल को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। अत्याधुनिक इनडोर और आउटडोर प्रशिक्षण सुविधाओं की विशेषता वाला यह केंद्र कर्मचारियों को उनकी क्षमताओं को बढ़ाने, सुरक्षित और अधिक कुशल संचालन सुनिश्चित करने के लिए सशक्त बनायेगा।

इससे पहले, जी किशन रेड्डी ने सीएमपीडीआई (सेंट्रल कोल प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट) में ५जी यूज केस टेस्ट लैब और कचरे से बनाये गये शोपीस का उद्घाटन किया। उन्होंने सीएमपीडीआई के कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान सीएमपीडीआई के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक मनोज कुमार, निदेशक तकनीकी/सीआरडी शंकर नागाचारी, निदेशक तकनीकी/पीएनडी अजय कुमार और निदेशक तकनीकी आरडीएनटी अच्युत घटक समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी गुरुवार को दो दिवसीय झारखंड दौरे पर हैं। पहले दिन उन्होंने रांची में सीएमपीडीआई और सीसीएल के कार्यक्रम में शामिल हुए।

वहीं दौरे के दूसरे दिन १० जनवरी को वे कांके के सुकरहुट्टू स्थित रिनपास की जमीन पर २०० बेड के अस्पताल निर्माण कार्य का शिलान्यास करेंगे।

इसके अलावा, कोयला मंत्री मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ भी बैठक कर सकते हैं। इस दौरान वे मुख्यमंत्री से कोयला कर्मियों की समस्याओं, बकाया राशि समेत कई अन्य मुद्दों पर चर्चा कर सकते हैं।

सरकार विकास की रेस में आगे, अधिकारी और कर्मचारी भी रेस में हो जाएं शामिल:शिल्पी नेहा तिर्की

रांची (एजेंसी): कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने बेड़ो प्रखंड कार्यालय में सरकार की योजनाओं को लेकर मैराथन बैठक की।

इस मौके पर मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने अधिकारियों से कहा कि सरकार विकास योजनाओं को धरातल पर उतारने को लेकर रेस है। लेकिन जब तक अधिकारी और कर्मचारी रेस नहीं होंगे, तब तक सरकार की योजना लाभुकों के दहलीज नहीं पहुंच पाएगी।

आज के समय ये जरूरी है कि सरकार के द्वारा विभागों के माध्यम से चलाई जा रही योजना को समय पर लाभुक तक पहुंचाना। मंत्री ने कहा है कि इसको लेकर अधिकारी और कर्मचारियों को टास्क दिया गया है। खासकर वीएलडब्ल्यू कृषि विभाग की योजनाओं पर फोकस करेंगे।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने बेड़ों में बिजली विभाग के अधिकारियों को भी जर्जर तार बदलने के साथ निर्बाध विद्युत आपूर्ति का निर्देश दिया गया है। १६ जनवरी को ऊर्जा मित्रों का एक कार्यशाला आयोजित किया गया है। इसके साथ ही हाथी के प्रभाव वाले क्षेत्र को लेकर भी प्रखंड के अधिकारियों को कैंप लगाने का निर्देश दिया गया है। इस कैंप के माध्यम से ग्रामीणों के बीच पटाखा, टॉर्च का वितरण किया जाएगा।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि योजनाओं को जमीन पर उतारने की आवश्यकता है। आज भी सरकार की योजनाएं कागज तक ही सीमित है। कृषि विभाग में ७०० करोड़ राशि का पीएल अकाउंट में रहना इसका प्रमाण है। इस लिए जरूरी है कि योजना की राशि भी खर्च हो और लाभुक को इसका लाभ भी मिले।

विश्वविद्यालय जल्द भेजें 2025 का एकेडमिक और एग्जाम कैलेंडर:राज्यपाल

रांची (एजेंसी): राजभवन के निर्देश पर झारखंड के सभी विश्वविद्यालयों ने वर्ष २०२५ का यूनिफॉर्म अवकाश कैलेंडर जारी कर दिया है। हालांकि, अब तक एकेडमिक और परीक्षा कैलेंडर तैयार नहीं किया गया है। इस पर राज्यपाल और कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने सख्त रुख अपनाते हुए सभी विश्वविद्यालयों को जल्द से जल्द एकेडमिक और एग्जाम कैलेंडर तैयार कर राजभवन भेजने का आदेश दिया है।

राज्यपाल के प्रधान सचिव नितिन मदन कुलकर्णी ने राज्य की १२ विश्वविद्यालयों को पत्र भेजा है।

इनमें रांची विश्वविद्यालय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, झारखंड स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी, झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, बिरसा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, झारखंड रक्षा शक्ति यूनिवर्सिटी, कोल्हान यूनिवर्सिटी, विनोबा भावे यूनिवर्सिटी, नीलांबर-पीतांबर यूनिवर्सिटी, बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल यूनिवर्सिटी, सिद्धो-कान्हू विश्वविद्यालय और जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय शामिल हैं। राज्य के किसी भी सरकारी विश्वविद्यालय का शैक्षणिक सत्र नियमित नहीं है।

यूजी और पीजी स्तर पर आधा दर्जन प्रकार की परीक्षाएं होती हैं, लेकिन उनकी समय पर व्यवस्था नहीं हो पाती। शिक्षकों का मानना है कि अगर एकेडमिक और परीक्षा कैलेंडर सख्ती से लागू किया जाए, तो सेशन को नियमित करना आसान होगा।

शिक्षकों ने यह भी कहा कि सत्र नियमित नहीं होने के कारण कई छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने से वंचित रह जाते हैं। यह उनके करियर पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। राजभवन के इस कदम से उम्मीद की जा रही है कि राज्य के विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक माहौल सुधरेगा और सत्र नियमित होगा।

हेमंत सोरेन पर बाबूलाल मरांडी का आरोप, कहा किसान, विधवा और बुजुर्गों को झामुमो ने दिया धोखा

रांची (एजेंसी): झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड के हेमंत सरकार पर किसानों को ठगने और वृद्ध व विधवा विकलांग लोगों की अनदेखी करने का आरोप लगाया है. उन्होंने कहा कि चुनाव से पूर्व धान खरीद को लेकर किए गए वायदे ३२०० रुपये प्रति क्विंटल की दर से मुकर २४०० रुपये में खरीद रही है. वहीं, मईया सम्मान योजना का लाभ सभी महिलाओं को नहीं मिल रहा है. यहीं नहीं वृद्ध, विधवा और दिव्यांग के पांच माह से पेंशन बंद है.

उन्होंने दिल्ली चुनाव में बीजेपी की सरकार बनने का दावा किया है. दुमका परिसदन मे पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड के बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि आज भी गांव में बहुत सारी ऐसी महिलाएं हैं, जिन्हें मईया सम्मान के लिए योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है. साथ ही विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन और दिव्यांग आदि लोगों का पेंशन ५ से ६ महीने से नहीं मिल रहा है. मैंने, सरकार से बार-बार आग्रह किया है कि जिनके पति की मृत्यु हो गई है, उनके घर में छोटे-छोटे बच्चे हैं. कमाने वाला कोई नहीं है.

सरकार से इन्हें ढाई हजार रुपया मिलना ही चाहिए. सरकार को इकट्ठे निर्णय लेना चाहिए चाहे वह विधवा हों, वृद्ध हों या फिर दिव्यांग सभी को पेंशन मिले. उन लोगों को बिना भेदभाव के १००० नहीं बल्कि ढाई हजार रुपये मिलना चाहिए. समाज में सबसे जरूरतमंद लोग यही हैं. इसी तरह इस समय किसानों के धान की विक्री हो रही है. झामुमो के घोषणा पत्र में कहा गया था कि सरकार ३२०० प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी करेगी.

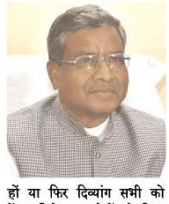

आज सरकार बनी तो वह २४०० रुपये में धान खरीद रही है. भारत सरकार २३०० रुपये में खरीद रही है. झारखंड के किसानों को १०० रुपये बोनस की राशि प्रदेश सरकार दे रही है. झारखंड की हेमंत सरकार ८०० रुपये किसानों का ठग रही है. उन्होंने कहा कि हमने जो वादा किया, उसे पूरा कर रहे हैं. बाबूलाल मरांडी यह बताएं कि यह कहां पूरा कर रही है.

800 से 1 हजार रुपये मिले बोनस

झारखंड में एक ही फसल खरीफ फसल होता है. रवि फसल होता नहीं है. एक ही फसल सिर्फ धान होता है और धान खरीद पर भी सरकार कंजूसी कर रही है तो ऐसे में किसान कैसे पैरों पर खड़े होंगे. ऐसे में झारखंड सरकार को एसपी से कम से कम ८०० से १००० रुपये बोनस देना चाहिए था. ताकि किसान अपने पैरों पर खड़ा हो सकें.

उन्होंने देश में फैल रहे नए वायरस फैलने को लेकर कहा कि इस पर सरकार को गंभीर होना चाहिए. अल्लाह की उन्होंने कहा कि आज अस्पतालों में सामान्य बीमारी के लिए उनके पास इलाज नहीं हो पा रहा है. आप लोग देख ही रहे होंगे कि आए दिन अस्पतालों की क्या हालत है? दिल्ली में होने वाले चुनाव को लेकर कहा कि चुनाव की घोषणा हो चुकी है. पार्टी मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी और दिल्ली में सरकार बनाएगी.

झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमिटी की बैठक, मेंबरशीप बढ़ाने पर हुई चर्चा

रांची (एजेंसी):झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमिटी के ने आज कांग्रेस भवन रांची में कमिटी की अध्यक्ष गुंजन सिंह की अध्यक्षता में नवनियुक्त कमिटी के सदस्यों के साथ बैठक की। बैठक में झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस प्रभारी प्रीति उपाध्याक्ष मुख्य रूप से शामिल हुई। बैठक के प्रारंभ में प्रभारी ने प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष गुंजन सिंह को पुनः जिम्मेवारी मिलने पर बधाई दी, साथ ही स्वागत की इसके उपरांत पूरे प्रदेश में नई कमिटी बनाने एवं कांग्रेस मेंबरशीप को आगे बढ़ाने पर विचार विमर्श किया गया।

बैठक में सीता राणा, अनिता देवी, नीतू देवी, सीमा परवीन, नीलम सहाय, रूबी खातून, सरिता देवी आदि शामिल थीं। इसके अलावा रांची जिला के खिजरी विधानसभा क्षेत्र नामकुम प्रखंड में रांची जिला ग्रामीण अध्यक्ष मेरी तिर्की व मीनू सिंह द्वारा नारी न्याय सदस्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें प्रभारी प्रीति उपाध्यक्ष, प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष गुंजन सिंह उपस्थित हुई। समारोह में महिलाओं के बीच नारी न्याय कीट वितरण किया गया, जिसमें पार्टी झंडा, पेन, संविधान बुकलेट, बैच आदि शामिल था।

चावल कारोबारी नरेंद्र सिंह की हत्या में शामिल आरोपी, सहित दो गिरफ्तार

रांची (एजेंसी): रांची पुलिस ने दो बड़े क्रिमिनल्स को दबोचा है। इनमें राजधानी रांची के जाने-माने चावल कारोबारी नरेंद्र सिंह को मौत के घाट उतारने वाला राशिद अंसारी और छोटू गद्दी के भाई की जान लेने का संदेही गुनहगार चिंकु देवा उर्फ समद मेराज शामिल है। दोनों को पुलिस लंबे अरसे से खोज रही थी। इस बात का खुलासा आज ऊखऋ सह रांची पुलिस कप्तान चंदन कुमार सिन्हा ने किया।

पुलिस कप्तान ने बताया कि मिली गुप्त सूचना के आधार पर दोनों को पकड़ा गया है। गिरफ्तार राशिद अंसारी को नरेंद्र सिंह की हत्या मामले में कोर्ट दोषी करार दे चुकी है।

वहीं, उसे उम्रकैद और १० हजार रुपये हर्जाना की सजा भी सुना चुकी है। चावल कारोबारी नरेंद्र सिंह का मर्डर पांच अक्टूबर २०१८ में लोअर बाजार थाना क्षेत्र के रोसपा टावर में कर दिया गया था। साथ ही तीन लाख रुपये की डकैती कर ली गयी थी। ११ अपराधियों ने मिलकर इस दुस्साहसिक वारदात को अंजाम दिया था। बाकी अपराधी जेल में हैं। राशिद अंसारी फरार था, जो अब पुलिस की गिरफ्त में आ चुका है। राशिद अंसारी अब अपनी बाकी की जिंदगी जेल में काटेगा।

भाजपा ने की सख्त कार्रवाई की मांग, कहा-श्रद्धालुओं की आस्था पर हुआ हमला

रांची (एजेंसी): भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने बाबा धाम, देवघर में हुए साइबर फ्रॉड की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक नौ हजार से अधिक श्रद्धालुओं से साढ़े चार करोड़ रुपये से ज्यादा की ठगी की जा चुकी है। यह मामूली घटना नहीं है। इतने बड़े स्तर पर ठगी एक दिन में या एक व्यक्ति द्वारा संभव नहीं है। निश्चित रूप से इस धोखाधड़ी में कई लोग शामिल होंगे। अजय साह ने आगे कहा कि बाबा धाम न केवल झारखंड, बल्कि पूरे भारत के लिए आस्था का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। ऐसे पवित्र स्थल पर साइबर ठगी होना प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने आश्चर्य जताया कि इतनी बड़ी घटना को रोकने में प्रशासन पूरी तरह असफल रहा। इस मामले का खुलासा भी पुलिस प्रशासन ने नहीं, बल्कि शिव भक्तों ने किया। साह ने कहा कि अपराधियों के मन से कानून का डर खत्म हो गया है। पहले ही झारखंड जामताड़ा मॉडल के कारण साइबर अपराध के लिए बदनाम था, और अब बाबा धाम जैसे अत्यंत पवित्र स्थल के नाम पर हो रही ठगी ने पूरे झारखंड के शिव भक्तों का सिर शर्म से झुका दिया है। उन्होंने कहा कि इस फ्रॉड के लिए कुछ नेताओं की बयानबाजी भी जिम्मेदार है।

होटल रूम में युवक ने किया सुसाइड

बाथरूम से बाहर आई दोस्त तो उड़े होश

रांची (एजेंसी): रांची के स्टेशन रोड स्थित एक होटल के कमरे से युवक का शव बरामद हुआ है. मृतक की पहचान दानिश इस्लाम के रूप में हुई है. वह सिमडेगा जिले के बानो का रहने वाला था और रांची की एक जींस फैक्ट्री में काम करता था. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू कर दी है.

मिली जानकारी के अनुसार, दानिश ६ जनवरी को एक युवती के साथ होटल के कमरे में ठहरा था. युवती ने पुलिस को बताया कि घटना के समय वह बाथरूम में थी. जब वह बाहर आई तो देखा कि दानिश ने आत्महत्या कर ली है. शोर मचाने पर होटल के कर्मचारी मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक दानिश की मौत हो चुकी थी.

पिता ने जताई साजिश की आशंका

मृतक के पिता सरवर ने चुटिया थाने में एफआईआर दर्ज करवाई है. उन्होंने आरोप लगाया कि होटल मालिक और कर्मचारियों ने दानिश को आत्महत्या के लिए उकसाया हो सकता है. आवेदन में उन्होंने पुलिस से मामले की गहराई से जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है.

पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच जारी है.

दानिश की मौत की खबर से घरवाले बेहद निराश हैं. परिजनों ने प्रशासन से गुहार लगाते हुए न्याय की मांग की है. मृतक दानिश के पिता ने पुलिस से मामले में कार्रवाई की मांग की है.

बेटे की मौत से घर में मातम का माहौल है. बेटे की मौत की खबर परिवारवालों को मंगलवार शाम को पता चली.

जब परिवार होटल पहुंचा तो कमरा नंबर ३०३ में बेटे की लाश देखकर सकते में पड़ गए. पुलिस मामले की कार्रवाई कर रही है. इसके साथ ही होटल के कर्मचारियों से भी पूछताछ की जा रही है. पुलिस प्रशासन ने मामले में न्याय का भरोसा जताया है.

हर साल बढ़ायेंगे मनरेगा मजदूरों का मानदेय, अफसर तैयार करें योजना का प्रारूप:दीपिका पांडेय

रांची (एजेंसी): मनरेगा के तहत वर्षवार मजदूरी दर में वृद्धि करने के लिए आवश्यक योजना का गठन किया जाएगा। इसको लेकर ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह की अध्यक्षता में एफएफपी भवन के प्रथम तल स्थित सभागार में सम्पन्न समीक्षात्मक बैठक की।

मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मनरेगा योजना के तहत विगत वित्तीय वर्ष २०२३-२४ में किए गए रोजगार सृजन एवं योजनाओं की पूर्णता के समरूप वर्तमान वित्तीय वर्ष में भी लक्ष्य प्राप्त करने का कार्य करें।

मनरेगा योजना से मिट्टी- मोरम पथ की स्वीकृति प्रदान किए जाने हेतु सुस्पष्ट दिशा-निर्देश विभाग स्तर से निर्गत किया जाए ताकि सभी गांवों,कस्बों और टोलों को आवागमन हेतु सुविधा प्रदान की जा सके। बिरसा हरित ग्राम योजना अन्तर्गत पौधों के चयन के संबंध में एक मार्गदर्शिका निर्गत हो। मनरेगा के तहत कार्यान्वित योजनाओं में नियमानुसार पेयजल की व्यवस्था और औषधि की व्यवस्था किया जाना है। एतद् संबंधी व्यवस्था सभी योजना स्थल पर हो, इसके लिए नियमित रूप से निगरानी एवं अनुश्रवण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। वर्तमान सरकार के द्वारा मनरेगा श्रमिकों के लिए न्युनतम मजदूरी दर ३५०.०० रूपये निर्धारित किया जाना है, जिसके लिए वर्षवार मजदूरी दर में वृद्धि करने हेतु आवश्यक योजना का गठन करने का निर्देश मंत्री ने दिया है।

कहा कि वीर शहीद पोटो हो खेल मैदान के तहत समतलीकरण कार्य मनरेगा योजना से सम्पादित किया गया है परन्तु इन सभी मैदानों में शौचालय एवं चेंजिंग रूम की व्यवस्था अब तक नहीं हो पाई है। अतएव, शौचालय एवं चेंजिंग रूम का निर्माण हेतु एक मैपिंग करा लिया जाए।

मनरेगा योजना में सामग्री मद की राशि संबंधित वेंडर्स के बैंक खातों में हस्तांतरित किया जा रहा है परन्तु, क्षेत्रीय स्तर पर वेंडर्स के विरूद्ध कई प्रकार की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। अतएव, सामग्री मद की राशि सीधे लाभुक के खातों में हस्तांतरित करने के लिए एक डजझ तैयार कराया जाए। मंत्री ने कहा दीदी बगिया की संख्या में वृद्धि की जाए एवं राज्य स्तर पर एक बड़ा नर्सरी की स्थापना हेतु योजना गठित की जाए।

मंत्री ने मनरेगा योजना में स्वीकृत पदों के विरुद्ध रिक्त पदों पर नियुक्ति की कार्रवाई शीघ्र पूर्ण कर जनवरी माह में नियुक्ति पत्र वितरित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में पोषण वाटिका की सुविधा उपलब्ध कराने का भी आदेश दिया है।

आवास निर्माण के लिए राशि विमुक्त करें

मंत्री ने अबुआ आवास योजना की समीक्षा के दौरान कहा कि अबुआ आवास योजना के लाभुकों को तृतीय किस्त की राशि विमुक्त करने में सात दिनों से अधिक विलम्ब करने वाले संबंधित पदाधिकारियों और कर्मियों से स्पष्टीकरण पूछा जाएगा। उन्होंने निर्माणाधीन आवासों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने का निर्देश दिया है। दीपिका पांडेय सिंह ने जनजातीय एवं अनुसूचित जाति से संबंधित क्षेत्रवार आंकड़ा तैयार कर उपलब्ध कराने, आवास योजनाओं के प्रभावी रूप से कार्यान्वयन हेतु निश्चित अंतराल में समीक्षा करने एवं वरीय पदाधिकारियों के द्वारा क्षेत्र स्तर पर निरीक्षण करने की बात कही।

स्किल डेवलेपमेंट सेंटर के गठन पर जोर

बैठक में मंत्री दीपिका पांडेय ने कहा राज्य में स्वयं सहायता समूहों की संख्या में वृद्धि की आवश्यकता है, जिसके लिए एक विशेष अभियान चलाकर सभी गांवों में योग्य महिलाओं का स्वयं सहायता समूह गठित करने की कार्यवाही इसी वित्तीय वर्ष में सुनिश्चित की जाए।

मंईयां योजना से अच्छादित लाभुकों की सूची प्राप्त कर तदनुरूप डक्रः के गठन को गति देने का आदेश मंत्री ने दिया है। विश्व बैंक सम्पोषित जोहार योजना के लिए ससमय प्रस्ताव समर्पित नहीं किये जाने कारण मंत्री द्वारा नाराजगी व्यक्त की गई एवं इस संदर्भ में अविलम्ब कार्यवाही करने आदेश उन्होंने दिया है।

स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हुई महिलाओं को नियुक्ति प्रक्रिया में विशेष प्रोत्साहन देने की बात उन्होंने कही है। उन्होंने नाबार्ड से दीदी बाड़ी का निर्माण हेतु प्रस्ताव तैयार करने एवं जे०एस०एल०पी०एस० के लिए स्वीकृत कार्यबल के विरूद्ध रिक्त पदों की समीक्षा करते हुए शीघ्र नियुक्ति के निमित एजेंसी के पैनलीकरण संबंधी कार्यवाही पूर्ण करने को कहा है। राज्य एवं जिला स्तर पर स्किल डेवलेपमेंट सेंटर का गठन करने को लेकर कार्य योजना तैयार करने की बात भी उन्होंने कही।

इन चीजों में छिपे हैं आंखों का चश्मा हटाने वाले गुण

अगर आप आंखों की रोशनी बढ़ाकर चश्मा हटाना चाहते हैं तो 6 पोषक तत्वों को लेना शुरू कर दें। आइए जानते हैं कि ये न्यूट्रिशन किन फूड्स में छिपे होते हैं।

पोषण की कमी से आंखों की रोशनी कमजोर हो जाती है और समय से पहले चश्मा चढ़ जाता है। आजकल ये समस्या इतनी आम हो गई है कि बच्चों की आंखों पर भी चश्मे का बोझ आ गया है। मगर क्या आप जानते हैं कि कुछ फूड्स खाने से इस चश्मे को उतारा जा सकता है।

आंखों का चश्मा कैसे हटाएं?

खाने की इन चीजों में आंखों के लिए फायदेमंद एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। कुछ विटामिन और मिनरल को एंटीऑक्सीडेंट कहा जाता है। ये सेल्स और टिश्यू को हेल्दी रखने में मदद करते हैं और आंखों की समस्या को खत्म या धीमा कर देते हैं।

ल्यूटिन और जेक्सैंथिन

ये तत्व आंखों को रोशनी से होने वाली डैमेज से बचाते हैं। इन्हें पाने के लिए अंडा, केल, पालक, शलजम के पत्ते, ब्रॉकली, कॉर्न, गार्डन पीस, ब्रूसेल स्प्राउट्स आदि का सेवन करें।

विटामिन सी फूड

विटामिन सी को एस्कोर्बिक एसिड भी कहा जाता है। यह पोषक तत्व ऑक्सीजन का इस्तेमाल और आंखों के अंदर इसके लेवल को बनाए रखने में मदद करता है। यह कीवी, लाल-हरी शिमला मिर्च, टमाटर, ब्रॉकली, पालक और अमरूद, चकोतरा और संतरे के जूस में मिलता है।

एसेंशिएल फैटी एसिड

फैटी एसिड दिमाग के साथ आंखों के लिए भी फायदेमंद होते हैं। अगर आप इन्हें पाना चाहते हैं, तो सैल्मन मछली, सार्डिन मछली, फ्लैक्स सीड्स, सोयाबीन और अखरोट का सेवन करें।

विटामिन ई फूड

यह विटामिन आंखों को फ्री-रेडिकल से बचाता है। इसे पाने के लिए वेजिटेबल ऑयल, नट्स, हरी पत्तेदार सब्जी, शकरकंद, एवोकाडो और साबुत अनाज का सेवन जरूर करें।

विटामिन ए और बीटा कैरोटीन

हमारा शरीर बीटा कैरोटीन को विटामिन ए के रूप में बदलता है। यह आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए काफी फायदेमंद है। गाजर, शकरकंद, टिंडा, अंडे और हरी पत्तेदार सब्जियों को नियमित खाने से यह मिलता है।

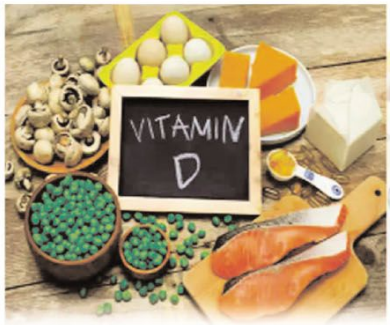

विटामिन बी12 और विटामिन डी की कमी को खत्म कर देंगे यह नैचुरल तरीके

अगर दवा-सप्लीमेंट खाने के बाद भी शरीर में विटामिन बी12 और विटामिन डी की कमी है तो योगा की मदद लें। यह नैचुरल तरीके से इन दोनों विटामिन की कमी खत्म कर देगा।

आजकल काफी लोगों में विटामिन बी12 और विटामिन डी की कमी देखी जा रही है। विटामिन बी12 की कमी होने पर सिरदर्द, नसों में दर्द, थकान, सांस फूलना, कमजोर याददाश्त आदि हो जाती है। वहीं, विटामिन डी की कमी के कारण बार-बार बीमार पड़ना, कमजोर हड्डियां, डिप्रेशन आदि हो सकता है। इन दोनों विटामिन की कमी का मुख्य कारण पोषण का अवशोषण ना होना है। इसके पीछे कई सारी वजहें हो सकती हैं, जैसे- खराब पाचन, शारीरिक गतिविधि की कमी, जंक फूड का सेवन आदि। योगा टीचर जूही कपूर ने विटामिन डी और विटामिन बी12 को बढ़ाने का नैचुरल तरीका बताया है।

विटामिन बी12 और विटामिन डी कैसे बढ़ाएं?

पृथ्वी मुद्रा से बढ़ेंगे दोनों विटामिन
योग टीचर के अनुसार, हर दिन सिर्फ 10 मिनट पृथ्वी मुद्रा करने पर पोषण का अवशोषण बढ़ जाता है। यह शरीर में पृथ्वी तत्व को बढ़ाने में मदद करती है, जिससे अंग, हड्डी और मसल्स की ताकत बढ़ती है। हालांकि, इसे करने से पहले या बाद में 1 घंटे तक खाना नहीं खाना चाहिए।

पृथ्वी मुद्रा करने की विधि

- सबसे पहले किसी शांत जगह सुखासन में बैठ जाएं।
- कमर, पीठ और गर्दन को एक सीध में रखें।
- अब दोनों हाथों की अनामिका उंगली (छोटी उंगली के बराबर वाली) और अंगूठे की टिप को आपस में मिलाएं।
- बाकी उंगलियों को सीधा और रिलैक्स रखें।
- अब हथेली आसमान की तरफ करके हाथों को घुटनों पर टिका लें।
- फिर 10 मिनट आंख बंद करके गहरी सांस लें और ध्यान लगाने की कोशिश करें।
- डाइट और लाइफस्टाइल का भी रखें ध्यान
- एक्सपर्ट के अनुसार, डाइट और लाइफस्टाइल को हेल्दी रखना महत्वपूर्ण है। क्योंकि इसके बिना विटामिन बी12 और विटामिन डी बढ़ाने का कोई भी तरीका कामयाब नहीं हो सकता है।

विटामिन बी12 के फूड्स

इसे बूस्ट करने के लिए दही, छाछ, डोसा, घर का बना अचार और सलाद खाएं। ऐसा करने से गट बैक्टीरिया बढ़ते हैं और शरीर अपने आप विटामिन बी12 का उत्पादन करने लगता है।

विटामिन डी बढ़ाने के टिप्स

हर दिन कम से कम 30 मिनट की धूप जरूर लें। आप सुबह 9 बजे से पहले और 4 बजे के बाद धूप ले सकते हैं। इस दौरान आपको सफेद रंग के कपड़े पहनने से बेस्ट रिजल्ट मिलता है।

पपीता खाने से हो सकती है लाइलाज बीमारी

पपीता खाने से कब्ज की समस्या दूर होती है। लेकिन इसका अत्यधिक सेवन करने पर कुछ दुष्प्रभाव का सामना करना पड़ सकता है। आइए इन साइड इफेक्ट्स के बारे में जानते हैं।

पपीता पेट के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। जिन लोगों को कब्ज रहती है, उन्हें इसका सेवन करने की सलाह दी जाती है। वैसे तो पपीता खाने से फायदे ही मिलते हैं। मगर कुछ लोगों को या गलत तरीके से खाने पर नुकसान भी झेलने पड़ सकते हैं। आइए जानते हैं कि कच्चा या अत्यधिक पपीता खाने के साइड इफेक्ट क्या हैं?

पपीते से हो सकती है लाइलाज बीमारी

प्रकाशित शोध के अनुसार पपीते के पौधे में एलर्जी करने वाले पराग होते हैं। कई बार ये पराग पपीते के साथ आ जाते हैं और अस्थमा जैसी लाइलाज बीमारी बना सकते हैं। ये खतरा एलर्जी से ग्रसित लोगों को होता है। इस बीमारी में सांस लेने के दौरान सीटी की आवाज आना, सांस फूलना, सीने में जकड़न आदि महसूस हो सकती है।

किडनी की पथरी की समस्या

पपीते के अंदर भारी मात्रा में विटामिन सी होता है। कई शोध बताते हैं कि इसका अत्यधिक सेवन करने पर उन लोगों के लिए परेशानी बढ़ सकती है, जिन्हें पहले से ही किडनी की पथरी है। ऐसे लोगों को पपीते का कम सेवन करना चाहिए।

पेट हो सकता है खराब

पपीता जितना पेट के लिए अच्छा है, उतना ही नुकसानदायक भी हो सकता है। क्योंकि इसमें प्रचुर फाइबर होता है और यह अत्यधिक होने पर पाचन को खराब कर सकता है। इसकी वजह से अपच, पेट फूलना, गैस जैसी दिक्कत हो सकती है।

गर्भवती महिलाओं के लिए खतरनाक

गर्भवती महिलाओं को कच्चा पपीता नहीं खाना चाहिए। उनके लिए यह खतरनाक होता है। इसमें पैपेन और लैटेक्स होते हैं, जो अनचाहे गर्भपात का कारण बन सकते हैं।

पुरुषों की सेहत के लिए बेस्ट माने जाते हैं ये फूड्स

पुरुषों को अपनी सेहत का खास ख्याल रखने के लिए विभिन्न प्रकार के फूड्स का सेवन करना चाहिए। सामान्य तौर पर देखा जाए तो पुरुषों के शरीर को विभिन्न प्रकार के पोषक तत्वों की आवश्यकता महिलाओं की अपेक्षा अधिक मात्रा में होती है। इसलिए डायट को विभिन्न प्रकार के फूड्स से मेंटेन करते हुए पुरुषों को इनका सेवन करना चाहिए। यहां पर आपको ऐसे ही फूड्स के बारे में जानकारी दी जा रही है। इनका नियमित रूप से सेवन करने के कारण आपके शरीर को कई प्रकार की बीमारियों का खतरा भी काफी हद तक कम हो जाता है।

एवोकाडो

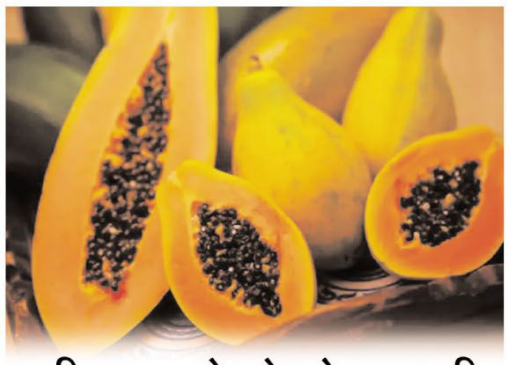

एवोकाडो एक ऐसा फल है जो बॉडीबिल्डिंग के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के पौष्टिक तत्वों की भी पूर्ति करता है। इसमें मौजूद प्रोटीन की मात्रा नई मांसपेशियों के निर्माण में भी काफी सहायता प्रदान करती है। वहीं, शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को संतुलित बनाए रखने के लिए भी एवोकाडो का सेवन फायदेमंद माना जाता है।

शहद

शहद एक ऐसा खाद्य पदार्थ है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के साथ-साथ त्वचा को निखारने के लिए भी काम आता है। एक सुपरफूड के रूप में इसका नियमित रूप से किया गया सेवन कई प्रकार की बीमारियों के जोखिम को कम कर देता है। इसलिए शहद का सेवन भी नियमित रूप से कर सकते हैं।

शिलाजीत

जिन पुरुषों की पौरुष शक्ति काफी कमजोर होती है, उन्हें ऐसे फूड का सेवन करना चाहिए जिसके कारण टेस्टोस्टेरोन हार्मोन को बढ़ाने में मदद मिले। शिलाजीत एक ऐसा ही खाद्य पदार्थ है जो पौरुष शक्ति को मजबूत करने और टेस्टोस्टेरोन हार्मोन को बढ़ाने के लिए प्रभावी रूप से कार्य करता है। इसलिए पुरुषों को शिलाजीत का सेवन करने के बारे में भी जरूर सोचना चाहिए।

सेब

इस फल का सेवन ना केवल पुरुषों को बल्कि बच्चों से लेकर महिलाओं को भी प्रतिदिन करना चाहिए। डॉक्टरों के द्वारा भी सेब का सेवन नियमित रूप से करने की सलाह दी जाती है। यह एक बेहतरीन फल के रूप में हमारे शरीर को लगभग सभी प्रकार के पौष्टिक तत्वों को प्रदान करने की क्षमता रखता है। इसलिए नाश्ते में सेब को भी अपनी डायट का हिस्सा बनाएं।

अंडा

पौष्टिक तत्वों से भरपूर होने के साथ-साथ सेहत के लिए विभिन्न प्रकार से फायदेमंद अंडे का सेवन करने की सलाह डॉक्टर के द्वारा भी दी जाती है। वहीं, जिन पुरुषों को बॉडीबिल्डिंग का शौक है, उनके लिए अंडा डायट का आवश्यक हिस्सा होता है। इसके अलावा इसमें मौजूद विटामिन-डी हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए काफी फायदेमंद हो सकती है।

शरीर को खोखला बना देती हैं ये आदतें

रोजाना की कुछ आदतें आपको बीमार बना सकती हैं, चिंता की बात यह है कि इन पर किसी का ध्यान नहीं जाता है, अगर आपको बीमार होने से बचना है, तो इन आदतों में सुधार कर लें।

बेहतर स्वास्थ्य के लिए स्वस्थ आदतों को अपनाना जरूरी है। साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखना और खाने-पीने से जुड़ी गंदी आदतें शरीर को बीमार कर सकती हैं। कई लोग खाने-पीने का खास ध्यान रखते हैं और स्वस्थ आदतों का पालन करते हैं, बावजूद इसके वो बीमार रहते हैं। आपनी कभी सोचा है इसकी पीछे क्या कारण हो सकता है?
दरअसल खाने-पीने और स्वच्छता से जुड़ी ऐसी कई आदतें हैं जिन पर बहुत से लोगों का ध्यान नहीं जाता। नतीजन आपको कई गंभीर रोगों का खतरा हो सकता है। उदाहरण के लिए खाने के तुरंत बाद ब्रश करना, अधपके चावल खाना, रखा-रखा पका हुआ आलू खाना और टाइट कपड़े पहनना। यह ऐसे काम हैं जिन पर अधिकतर लोगों का ध्यान नहीं जाता है और यही आदतें आगे चलकर आपके शरीर को अंदर से बीमार कर सकती हैं। जाने-अनजाने में आपकी कौन-कौन सी आदतें आपके शरीर में जहर घोल रही हैं।

अधपके चावल खाना

यह बात आपको चौंका सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, चावल में बी. सेरियस जैसे खतरनाक बैक्टीरिया हो सकते हैं, जो आमतौर पर मिट्टी में पाए जाते हैं। इन बैक्टीरिया को लेकर पके चावल के साथ कोई समस्या नहीं लेकिन अधपके या कच्चे चावल में यह बैक्टीरिया नहीं मरते हैं।

भोजन के बाद ब्रश करना

बेशक खाने के बाद ब्रश करना चाहिए लेकिन खट्टी चीजों को खाने के तुरंत बाद दांतों को ब्रश करने से उनका इनेमल डैमेज हो सकता है। कोलंबिया यूनिवर्सिटी की एक रिपोर्ट के अनुसार, खट्टी चीजें खाने के तुरंत बाद ब्रश करना हानिकारक है। आपको खाने के कम से कम 30 मिनट बाद ब्रश करना चाहिए या पानी पीना चाहिए।

मुंह धोने के लिए इस तरह के नल के पानी का इस्तेमाल

नल का पानी स्किन डैमेज कर सकता है। आपको अपने पानी के पीएच लेवल की जांच करनी चाहिए। यह 4.7 के आसपास होना चाहिए। अगर इसका पीएच लेवल 5 से ऊपर है, तो त्वचा को नुकसान होता है। दूसरा, नल के पानी में मौजूद सभी कठोर खनिज जैसे कैल्शियम, मैग्नीशियम और आयरन ब्रेकआउट और ड्राई स्किन का कारण बन सकते हैं।

बहुत दिनों से रखे पुराने आलू खाना

आलू पोटेशियम और अन्य आवश्यक पोषक तत्वों का एक बड़ा स्रोत है। लेकिन पुराने रखे आलू को लेकर बहुत सावधान रहने की जरूरत है। वेबएमडी के अनुसार, आलू में सोलनिन जैसे जहरीले तत्व होते हैं। इनके बढ़ने से ही आलू का अंदर का हिस्सा हरा होता है। इन्हें खाने आपके पेट में दर्द, उल्टी और बुखार जैसी समस्याएं और कुछ दुर्लभ मामलों में इससे लकवा भी हो सकता है।

टाइट फिटिंग कपड़े पहनना

टाइट कपड़े पहनने से आपको गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल डिसऑर्डर का खतरा हो सकता है। टाइट-फिटिंग कपड़े पेट और आंतों पर दबाव डालते हैं जिससे पाचन तंत्र धीमा हो सकता है। साथ ही यह यीस्ट इन्फेक्शन और नसों में दर्द का कारण बन सकता है।

माइक्रोवेव पॉपकॉर्न खाना

फिल्म देखते हुए पॉपकॉर्न खाना भला किसे पसंद नहीं है। आपको पता होना चाहिए कि माइक्रोवेव पॉपकॉर्न को स्वादिष्ट बनाने के लिए डायसेटाइल नामक एक रसायन का इस्तेमाल होता है, जो सीधे रूप से आपके फेफड़ों को नुकसान पहुंचा सकता है।

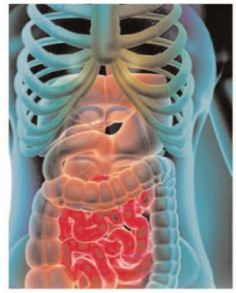

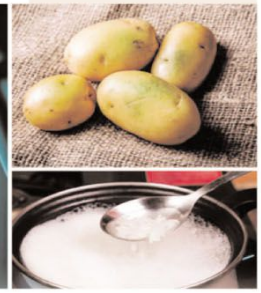

करियर के लिए बेहतर ऑप्शन हो सकता है फार्मेसी

बारहवीं साइंस स्ट्रीम के विद्यार्थी, जो अपना करियर मेडिकल फील्ड में बनाना चाहते हैं, उनके लिए फार्मेसी एक बेहतर ऑप्शन हो सकता है।

भारत को विश्व में जेनरिक ड्रग्स का सबसे बड़ा निर्माता माना जाता है। इस वजह से यहां फार्मा सेक्टर में युवा ग्रेजुएट्स के लिए बेहतर जॉब के अवसर हैं। अगर आप 12वीं में साइंस के स्टूडेंट हैं, तो फार्मा सेक्टर में करियर बनाने पर विचार कर सकते हैं। फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री के विस्तार के चलते प्रशिक्षित फार्मेसिस्ट की मांग बढ़ती जा रही है।

कौन होते हैं फार्मेसिस्ट

फार्मेसिस्ट स्पेशलाइज्ड हैल्थ प्रोफेशनल्स होते हैं, जो विभिन्न दवाइयों के विकास और निर्माण पर काम करते हैं। इसके अलावा फार्मेसिस्ट तरह-तरह की दवाइयों के गुणों, उपयोग व प्रभाव, शुद्धता तथा तीव्रता का अध्ययन करते हैं।

कौन कर सकता है बीफार्मा

अगर 12वीं में आपके विषय फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी या मैथ्स हैं, तो आप फार्मेसी में बैचलर डिग्री के लिए पात्र हैं। आप चाहें, तो दो साल का डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं। बेहतर करियर संभावनाओं के लिए आप बीफार्मा के बाद एमफार्मा भी कर सकते हैं।

कोई नया कोर्स

फार्मेसी में 6 साल का फार्म डी (इंटीग्रेटेड डॉक्टोरेट इन फार्मेसी) कोर्स शुरू किया गया है। यह कोर्स उनके लिए है, जो अपना करियर फार्मेसी की रिसर्च के क्षेत्र में बनाना चाहते हैं।

जॉब की संभावनाएं

फार्मेसी ग्रेजुएट्स को हॉस्पिटल्स या रिटेल चेन्स में फार्मेसिस्ट के तौर पर रोजगार मिल जाता है। जो युवा फार्मेसी में डिप्लोमा करते हैं, वे मेडिकल स्टोर्स या हॉस्पिटल में रिटेल केमिस्ट या सेल्स रिप्रेजेंटेटिव के तौर पर काम कर सकते हैं। दवाई उद्योग में फार्मेसिस्ट नए आइडियाज और प्रोडक्ट डेवलपमेंट के लिए भी काम कर सकते हैं। अकादमिक रुचि वाले विद्यार्थी रिसर्च या ट्रेनिंग की फील्ड में भी जा सकते हैं। वे सरकारी विभागों, नेशनल ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल डेवलपमेंट काउंसिल में भी काम कर सकते हैं। फूड एंड बेवरेज इंडस्ट्री में भी फार्मेसी ग्रेजुएट्स के लिए अवसर मौजूद हैं।

कौन-सी स्किल चाहिए

अगर आपमें एनालिटिकल स्किल्स, जिम्मेदारी का भाव, लंबे समय तक एकाग्रता बनाए रखने की क्षमता, डाटा हैंडलिंग जैसी स्किल्स हैं, तो यह करियर आपको सफलता दिला सकता है।

जानें डिग्री से ज्यादा स्किल क्यों है जरूरी और एम्प्लॉयर कैसे बदल रहे भर्ती रुझान!

परंपरागत रूप से उच्च गुणवत्ता वाली नौकरी के लिए डिग्री प्राप्त करना आवश्यक और पर्याप्त होता है। यह एक उम्मीदवार के पास होने वाली आवश्यक योग्यताओं में से एक है। हालांकि रोजगार में उभरते हुए हालिया रुझान स्पष्ट रूप से औपचारिक शिक्षा के बजाय आपकी स्किल और उससे संबंधित सर्टिफिकेट को प्राथमिकता देते हैं। नियोक्ता आपके अनुभव और आपकी स्किल्स को प्राथमिकता देते हैं जो नौकरी के क्षेत्र से सीधे संबंधित हैं।

जॉब्स को देखते हुए आज के समय में यह एक बड़ा सवाल है कि मौजूदा चलन के साथ क्या कौशल वास्तव में आज के नौकरी बाजार के लिए डिग्री से ज्यादा महत्वपूर्ण है? नए रोजगार प्रतिमान की ओर बढ़ते हुए नौकरी चाहने वालों और नियोक्ताओं, दोनों के लिए इस बदलाव को समझना महत्वपूर्ण है।

भर्ती के बदलते परिदृश्य

तकनीकी प्रगति और डिजिटल अर्थव्यवस्था ने पारंपरिक उद्योगों को महत्वपूर्ण रूप से बदल दिया है, जिससे उन कौशल और योग्यताओं में बदलाव आया है जिन पर नियोक्ता ध्यान केंद्रित करते हैं। जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी, डेटा विज्ञान और ज्ञ/द्ब डिजाइन के क्षेत्र बढ़ रहे हैं, वैसे-वैसे नियोक्ता अब व्यावहारिक विशेषज्ञता को औपचारिक डिग्रियों पर प्राथमिकता देने लगे हैं। उदाहरण के लिए जटिल डेटा सिस्टम को नेविगेट करने या उपयोगकर्ता के अनुकूल इंटरफेस बनाने वाले पेशेवरों की मांग बढ़ी है, जो अक्सर पारंपरिक शैक्षिक योग्यता की महत्ता को पीछे छोड़ देती है।

एक सर्वेक्षण के अनुसार, 92प्रतिशत भर्ती प्रबंधक तकनीकी भूमिकाओं के लिए उम्मीदवारों का मूल्यांकन करते समय कौशल को डिग्रियों पर प्राथमिकता देते हैं। यह प्रवृत्ति अन्य क्षेत्रों में भी देखी जा रही है। विश्व आर्थिक फोरम की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि 2022 तक 54प्रतिशत कर्मचारियों को महत्वपूर्ण पुनः कौशल की आवश्यकता होगी, जो कि अनुकूलनशीलता और कौशल अधिग्रहण के महत्व को रेखांकित करता है।

जैसे-जैसे उद्योग विकसित हो रहे हैं, नियोक्ता यह पहचान रहे हैं कि प्रासंगिक अनुभव और विशिष्ट कौशल अक्सर डिग्री की तुलना में बेहतर कार्य प्रदर्शन की ओर ले जा सकते हैं। यह परिवर्तन न केवल उन लोगों के लिए अवसरों का लोकतंत्रीकरण करता है, जिनके पास औपचारिक शिक्षा नहीं है, बल्कि यह जीवनभर सीखने को भी प्रोत्साहित करता है, एक ऐसे कार्यबल को तैयार करता है जो निरंतर बदलती नौकरी की आवश्यकताओं को पूरा कर सके।

जानें स्किल क्यों हो रही ज्यादा जरूरी

विशिष्ट कौशलों जैसे कोडिंग, डिजिटल मार्केटिंग और प्रोजेक्ट प्रबंधन की बढ़ती मांग कामकाजी बाजार के विकास को दर्शाती है, विशेष रूप से आईटी और रचनात्मक उद्योगों में। ये क्षेत्र अक्सर व्यावहारिक ज्ञान को अकादमिक सिद्धांत पर प्राथमिकता देते हैं, क्योंकि इन्हें वास्तविक चुनौतियों का सामना करने के लिए हाथोंहाथ विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है।

इंटर्नशिप, बूटकैम्प और सर्टिफिकेशन कौशल की खाई को पाटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये व्यक्तियों को वास्तविक अनुभव और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करते हैं, जो अक्सर पारंपरिक अकादमिक शिक्षा से अधिक प्रासंगिक होता है। विशेष रूप से बूटकैम्प संक्षिप्त समय में उद्योग-विशिष्ट कौशल से लैस करने के लिए गहन और केंद्रित शिक्षा प्रदान करते हैं।

उच्च शिक्षा की भूमिका

तेजी से बदलते जॉब मार्केट के मद्देनजर विश्वविद्यालय और कॉलेज छात्रों को सफलता के लिए आवश्यक कौशल से लैस करने में अपनी भूमिका को तेजी से पहचान रहे हैं। कई संस्थान अपने पाठ्यक्रम में कौशल आधारित शिक्षा को शामिल करके, व्यावहारिक पाठ्यक्रम, इंटर्नशिप और प्रमाणन कार्यक्रम पेश करके अनुकूलन कर रहे हैं जो उद्योग की मांगों के अनुरूप हैं।

उदाहरण के लिए कुछ विश्वविद्यालयों ने ऐसे अभिनव कार्यक्रम शुरू किए हैं जो पारंपरिक शैक्षणिक शिक्षा को व्यावहारिक अनुभव के साथ मिलाते हैं, जैसे कि सहकारी प्लेसमेंट और प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण पहल। इसके अतिरिक्त कंपनियों के साथ साझेदारी ने विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल के विकास को बढ़ावा दिया है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि स्नातक न केवल जानकार हों बल्कि नौकरी के लिए भी तैयार हों। इन परिवर्तनों को अपनाकर उच्च शिक्षा संस्थान अकादमिक सिद्धांत और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच की खाई को पाट रहे हैं, जिससे छात्रों को प्रतिस्पर्धी कार्यबल में कामयाब होने के लिए तैयार किया जा रहा है।

वास्तविक दुनिया के उदाहरण

Google, Tesla और IBM जैसी कई प्रमुख कंपनियों ने अपना ध्यान कौशल आधारित भर्ती की ओर स्थानांतरित कर दिया है, जिसमें औपचारिक डिग्री की तुलना में व्यावहारिक अनुभव और दक्षताओं को प्राथमिकता दी गई है। उदाहरण के लिए Google ने एक ऐसा हायरिंग मॉडल लागू किया है जो कौशल आकलन और प्रोजेक्ट आधारित मूल्यांकन पर जोर देता है, जिससे उन्हें शैक्षिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना शीर्ष प्रतिभा की पहचान करने में मदद मिलती है। अद्बह्यद्ग भी व्यावहारिक कौशल और प्रासंगिक अनुभव के आधार पर उम्मीदवारों की तलाश करता है, अक्सर पारंपरिक योग्यताओं की तुलना में व्यावहारिक ज्ञान को महत्व देता है।

स्टीव जॉब्स और बिल गेट्स जैसे प्रमुख उद्यमी बिना औपचारिक डिग्री के सफलता का उदाहरण हैं। जॉब्स ने कॉलेज छोड़ दिया और श्चश्चद्यद्ग के साथ प्रौद्योगिकी में क्रांति ला दी, जबकि गेट्स ने हार्वर्ड छोड़कर माइक्रोसाफट की सह-स्थापना की और दुनिया के सबसे धनी व्यक्तियों में से एक बन गए। उनकी उपलब्धियां कौशल, रचनात्मकता और दृढ़ संकल्प द्वारा संचालित सफलता की क्षमता को उजागर करती हैं, जो आज के नौकरी बाजार में करियर उन्नति के लिए वैकल्पिक मार्गों की बढ़ती स्वीकृति को पुष्ट करती हैं। यह बदलाव नई पीढ़ी को पारंपरिक शैक्षिक मार्गों की तुलना में कौशल अधिग्रहण को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है।

केवल कौशल आधारित दृष्टिकोण की चुनौतियां

जबकि कौशल आधारित दृष्टिकोण कई लाभ प्रदान करता है, यह कुछ चुनौतियां भी प्रस्तुत करता है, जैसे कि औपचारिक प्रमाण पत्र के बिना कौशल स्तरों को सत्यापित करना कठिन होता है। कुछ पेशों, जैसे चिकित्सा, लेखांकन और वित्त, कानून और इंजीनियरिंग में डिग्रियां महत्वपूर्ण होती हैं, क्योंकि इन क्षेत्रों में कठोर प्रशिक्षण और नैतिक मानकों की आवश्यकता होती है।

इसके अतिरिक्त नर्म कौशल, जैसे कि आलोचनात्मक सोच, टीमवर्क, और नेतृत्व किसी भी क्षेत्र में सफलता के लिए आवश्यक हैं, ये उच्च शिक्षा संस्थान इन क्षमताओं को सहकारी परियोजनाओं और विविध शिक्षण वातावरण के माध्यम से विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए कौशल अधिग्रहण और औपचारिक शिक्षा को मिलाकर एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है ताकि व्यापक करियर विकास सुनिश्चित हो सके।

हैल्थ केयर से जुड़ा प्रोफेशन है नर्सिंग असिस्टेंट

वर्तमान में मेडिकल का कोई भी क्षेत्र हो, हर जगह नर्सिंग असिस्टेंट की जरूरत है। सरकारी हो या निजी हॉस्पिटल या फिर नर्सिंग होम, नर्सिंग सहायकों के जरिये ही मरीज की केयर की जाती है। वॉर्ड से लेकर ऑपरेशन थिएटर और आईसीयू तक इनकी महत्वपूर्ण भूमिका को देखा जा सकता है। आम लोगों में स्वास्थ्य और फिटनेस को लेकर दिनो-दिन सजगता बढ़ रही है, इसलिए देश में होम नर्सिंग, ट्रॉमा नर्सिंग, ट्रैवल नर्सिंग जैसी नई फील्ड्स का ट्रेंड भी बढ़ रहा है। मेडिकल टूरिज्म भी एक बड़ा हेल्थकेयर सेक्टर बनकर उभर रहा है। हेल्थकेयर सेक्टर में आई तेजी की वजह से नर्सिंग असिस्टेंट की मांग सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ प्राइवेट मल्टी और सुपर स्पेशिएलिटी हॉस्पिटल्स में भी काफी बढ़ी है। नर्सिंग पेशा सदियों से अलग-अलग स्वरूपों में समाज का अभिन्न हिस्सा रहा है। मगर इसे असल पहचान और गौरव 'द लेडी विद द लैंप'' उपनाम से मशहूर फ्लोरेंस नाइटिंगेल ने दिलाया। जनरल ड्यूटी असिस्टेंट यानी नर्सिंग असिस्टेंट भी एक ऐसा ही प्रोफेशन है, जो मरीजों के स्वास्थ्य की देखरेख से जुड़ा है।

आत्मीयता के साथ सेवा

नर्सिंग असिस्टेंट हैल्थ केयर से जुड़ा प्रोफेशन है। ये अस्पतालों में खासकर स्वास्थ्य सेवाओं की देखरेख, रोगियों और उनके परिवार के लिए उचित वातावरण बनाए रखने, डॉक्टर के साथ सहायक के रूप में कई जिम्मेदारियां निभाते हैं। इस फील्ड से जुड़े प्रोफेशनल्स हर मरीज की उसी तरह सेवा करते हैं, जैसे मां अपने बच्चों की करती है, भले ही वह किसी भी जाति, उम्र या मजहब का क्यों न हो। इनके पेशे का उद्देश्य भी यही होता है कि लोगों के पास जितना भी जीवन है, उसे वे भरपूर जिएं। अस्पतालों, नर्सिंग होम्स और हैल्थ सेंटर्स पर नर्सिंग असिस्टेंट्स की बड़ी भूमिका होती है।

बढ़ रहा स्कोप

आम लोगों में स्वास्थ्य और फिटनेस को लेकर दिनो-दिन सजगता बढ़ रही है, इसलिए देश में होम नर्सिंग, ट्रॉमा नर्सिंग, ट्रैवल नर्सिंग जैसी नई फील्ड्स का ट्रेंड भी बढ़ रहा है। मेडिकल टूरिज्म भी एक बड़ा हैल्थकेयर सेक्टर बनकर उभर रहा है। बड़ी तादाद में विदेशी नागरिक मेडिकल सेवाओं के लिए भारत का रुख कर रहे हैं। एसोचैम की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल के आखिर तक भारतीय मेडिकल टूरिज्म मार्केट 18 अरब डॉलर तक पहुंच जाने की उम्मीद है।

कोर्स और क्वॉलिफिकेशन

नर्सिंग असिस्टेंट बनने के लिए कई संस्थान सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स संचालित कर रहे हैं। ऐसे पाठ्यक्रमों के लिए न्यूनतम योग्यता 10वीं है। युवाओं को कोर्स के रूप में नर्सिंग की प्रक्रियाओं के अंतर्गत बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की देखरेख के तौर-तरीके, स्टोर कीपिंग, जैव चिकित्सा और कार्डियक केयर जैसे विभिन्न विषयों की जानकारी दी जाती है। इसके अलावा ऑपरेशन थिएटर व आईसीयू में काम करने की ट्रेनिंग भी दी जाती है। कम्युनिटी हैल्थ, पेडिएट्रिक, साइकिएट्रिक, गाइनेकोलॉजी नर्सिंग में काम का प्रशिक्षण भी दिया जाता है।

पर्सनल स्किल

चूंकि यह मानव सेवा से जुड़ा पेशा है, इसलिए युवाओं में कुछ बेसिक स्किल्स का होना बहुत जरूरी है, जैसे: रोगी की देखभाल करने के व्यवहारिक ज्ञान के साथ-साथ सेवा का जज्बा भी जरूरी है। वे स्वभाव से शांत, विनम्र हों और उनके भीतर मरीजों में आत्मविश्वास जगाने की क्षमता हो। इसके अलावा, कम्युनिकेशन स्किल भी इस पेशे के लिए जरूरी है क्योंकि इन्हें हर समय मरीजों और उनके परिजनों से संवाद बनाए रखना होता है।

जॉब के अवसर - आज महिला-पुरुष दोनों वर्ग के युवाओं के लिए नर्सिंग असिस्टेंट के तौर पर ढेरों मौके हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, सन 2022 तक इस फील्ड की ग्रोथ रेट 21 प्रतिशत तक रहने का अनुमान है। इसकी एक बड़ी वजह अपने स्वास्थ्य के प्रति लोगों की बढ़ती जागरूकता और देश में तेजी से बढ़ रही उम्रदराज लोगों की आबादी है, जिन्हें अधिक से अधिक रिहैबिलिटेशन और लॉन्ग-टर्म केयर की जरूरत पड़ेगी। आज भी हॉस्पिटल या नर्सिंग होम में वॉर्ड बॉय या वॉर्ड सहायक के तौर पर अपनी सेवा दे रहे नर्सिंग असिस्टेंट्स की काफी अहमियत है। यहां इनकी जिम्मेदारियां नर्स जैसी ही होती हैं। ये सर्जरी, मैटरनिटी, इंटेंसिव केयर, पेडिएट्रिक्स, रिहैबिलिटेशन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में डॉक्टर्स और नर्स के सहायक के तौर पर काम करते हैं। प्रशिक्षित नर्सिंग सहायकों की जरूरत आज देश ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी खूब है। पश्चिम एशिया के देशों, कनाडा, ब्रिटेन, अमेरिका, यूरोप आदि में इनकी हमेशा मांग रही है। देश में दिनो-दिन खुल रहे हॉस्पिटल, नर्सिंग होम और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में इनके लिए जॉब्स की कमी नहीं है। इसके अलावा, ऐसे पेशेवरों के लिए क्लिनिक्स, पब्लिक हैल्थ नर्सिंग, अनाथालय, वृद्धाश्रम, ऑक्युपेशनल हैल्थ नर्सिंग, मिलिट्री नर्सिंग, इंडस्ट्रियल हाउसेज, कारखानों, रेलवे, सरकारी स्वास्थ्य विभाग आदि में भी अवसर हैं।

सैलरी पैकेज

शुरुआती दिनों में जनरल ड्यूटी असिस्टेंट यानी नर्सिंग असिस्टेंट को 10 से 15 हजार रुपए मासिक वेतन की नौकरी आसानी से मिल जाती है। इस फील्ड में अनुभव काफी मायने रखता है। कुछ वर्षों के अनुभव के बाद ऐसे लोगों को 20 से 35 हजार रुपए प्रति माह तक सैलरी मिलने लगती है।

प्रमुख संस्थान

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
भारती विद्यापीठ कॉलेज ऑफ नर्सिंग, पुणे
श्री शंकराचार्य कॉलेज ऑफ नर्सिंग, छत्तीसगढ़
दिल्ली पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
केएमसीएच कॉलेज ऑफ नर्सिंग, कोयंबटूर

बच्चों के लिए फायदेमंद है जायफल

छोटे बच्चों के लिए सर्दियां काटना आसान नहीं होता है. उनका खास ध्यान रखना जरुरी होता है. ज्यादा ठंड में बच्चे के शरीर में गर्मी लाने के लिए जायफल बहुत काम आता है.

सर्दी का मौसम शुरू हो चुका है और ठंड बढ़ती जा रही है. बड़े लोग तो इस ठंड को फिर भी बर्दाश्त कर लेंगे लेकिन छोटे बच्चों के लिए ये बहुत ज्यादा है. ऐसे में उनका खास ध्यान रखना जरूरी होता है. मगर बच्चों को एक बार ठंड पकड़ ले तो उन्हें ठीक करना मुश्किल सा हो जाता है. ऐसे में पहले ही छोटे बच्चों को गर्म कपड़ों से कवर करके रखना चाहिए साथ ही कुछ घरेलू नुस्खों को भी अपनाना चाहिए ताकि वो सर्दी से बचे रहे हैं और इसे एंजॉय भी कर पाएं. बच्चों के लिए जायफल बहुत फायदेमंद है. इसमें कई पोषक तत्त्व होते हैं जो उन्हें ठंड से बचाने में मदद करते हैं. आइए हम आपको बताते हैं कि बच्चों के लिए सर्दियों में कैसे जायफल का इस्तेमाल किया जाए. जायफल में कई पोषक तत्व होते हैं. ये पोटेशियम, प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, आयरन, जिंक, कॉपर,विटामिन सी और फोलेट जैसे कई पोषक तत्वों से युक्त होता है. इसमें मौजूद ये न्यूट्रिएंट्स बच्चों को सर्दियों में बचाने के बहुत काम आते हैं.

ऐसे करें बच्चे के लिए इस्तेमाल जायफल का इस्तेमाल सब्जी से लेकर मीठा बनाने तक में किया जा सकता है. इसकी खास बात ये है कि इसकी तासीर गर्म होती है इसी वजह से ये सर्दी बचाने में मददगार है. सर्दी के दिनों में बच्चों को ठंड से राहत दिलाने के लिए जायफल बहुत फायदेमंद है. इसके लिए आप जायफल को दूध के साथ पत्थर पर घिसकर बच्चे के शरीर पर लगाते हैं तो इससे बहुत राहत मिलती है.

शरीर के इस अंग पर लगाएं - बच्चे को सर्दी से बचाने के लिए जायफल का इस्तेमाल करना बहुत आसान है. इसके लिए पहले जायफल को घिस लें उसके बाद बच्चे के हाथ-पैर के नाखूनों और तलवों पर इसे लगाएं. इससे बच्चे के शरीर को गर्माहट मिलती है. इसके अलावा दूध में जायफल को घिसकर आधा छोटा चम्मच बच्चे को पिलाएं. इससे सर्दी में बहुत फायदा मिलेगा. सर्दियों में बड़े भी जायफल का सेवन कर सकते हैं. आप इसे चाय में मिला दीजिए नहीं तो चुटकीभर जायफल दूध में मिलाकर गर्म-गर्म इसे पी लें. इससे आपके शरीर को गर्माहट मिलेगी.

पाचन के लिए लाभदायक - जायफल में बहुत सारे तेल होते हैं जो आपके पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में मदद करते हैं. इसके साथ ही जायफल का सेवन करने से गैस और अपच की समस्या को कम करने में मदद मिलती है. अगर आप उल्टी, दस्त, और पेट दर्द से परेशान हैं तो इन समस्याओं को भी जायफल की मदद से दूर किया जा सकता है.

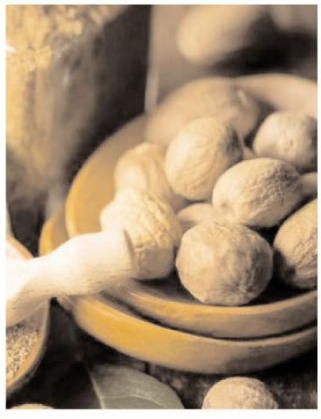

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तानी सैना अधिकारी ने भगत सिंह को बताया अपराधी

इस्लामाबाद एजेंसी। पाकिस्तान में लाहौर की एक गैर-लाभकारी संस्था के अध्यक्ष ने बुधवार को एक सेवानिवृत्त पाकिस्तानी सैन्य अधिकारी को महान स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह को अपराधी करार देने के लिए बिना शर्त माफी मांगने को कहा है। साथ ही उन्होंने अधिकारी को कानूनी नोटिस भेजकर 50 करोड़ रुपये का हर्जाना मांगा है। यह कानूनी नोटिस लाहौर मेट्रोपोलिटन कॉरपोरेशन के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी एवं पाकिस्तान सशस्त्र बलों से सेवानिवृत्त अधिकारी तारिक मजीद को अधिवक्ता खालिद जमा खान के माध्यम से भेजा गया है। मजीद ने भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन पाकिस्तान के अध्यक्ष इम्तियाज रशीद कुरैशी पर विदेशी अनुदान लेने का आरोप लगाया है तथा महान स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह को अपराधी कहा है। नोटिस में कहा गया है, ''मेरे मुवक्किल (भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन पाकिस्तान के अध्यक्ष इम्तियाज रशीद कुरैशी) एक देशभक्त हैं और देश व इस्लाम के प्रति ईमानदार हैं... और अपनी क्षमता के अनुसार जीवन व्यतीत कर रहे हैं तथा उन्होंने पाकिस्तान या विदेश में किसी भी व्यक्ति या समूह से एक भी पैसा नहीं लिया है। नोटिस में कहा गया है कि उनके मुवक्किल (कुरैशी) का उद्देश्य आम आदमी की बेहतरी के लिए लड़ना और पाकिस्तान और भारत को करीब लाना है ताकि आम लोगों को फायदा हो सके। नोटिस में भगत सिंह के बारे में कहा गया है- ''राष्ट्रपिता कायदे-आज़म मोहम्मद अली जिन्ना ने 12.09.1929 को सेंट्रल असेंबली दिल्ली में भगत सिंह की सराहना की थी...। कुरैशी ने कहा कि मजीद ने नवंबर में लाहौर उच्च न्यायालय को सौंपी अपनी रिपोर्ट में ''अत्यंत भद्दी और अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया था। नवंबर में जिला प्रशासन ने लाहौर उच्च न्यायालय को बताया कि कमोडोर (सेवानिवृत्त) मजीद द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के आलोक में उसने लाहौर के शादमान चौक का नाम भगत सिंह के नाम पर रखने की योजना को रद्द कर दिया है, जहां उन्हें लगभग 94 साल पहले फांसी दी गई थी। अपनी रिपोर्ट में मजीद ने दावा किया कि सिंह '' क्रांतिकारी नहीं बल्कि एक अपराधी थे। आज की भाषा में वह एक आतंकवादी थे जिन्होंने एक ब्रिटिश पुलिस अधिकारी की हत्या की और इस अपराध के लिए उन्हें दो साथियों के साथ फांसी पर लटका दिया गया। मजीद ने कुरैशी पर विदेशी धन लेने का भी आरोप लगाया था और उनकी आस्था पर भी सवाल उठाए थे।

पाकिस्तान की 'प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी' मान्यता पर संकट, यू.एस. हाउस में नया विधेयक पेश

न्यूयार्क एजेंसी। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में एक बार फिर पाकिस्तान को प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी के रूप में मान्यता समाप्त करने का विधेयक पेश किया गया है। रिपब्लिकन कांग्रेसी एंडी बिग्स द्वारा लाए गए इस विधेयक में पाकिस्तान से आतंकवाद के खिलाफ ठोस कार्रवाई की मांग की गई है। इसमें विशेष रूप से हक्कानी नेटवर्क का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि पाकिस्तान को यह सुनिश्चित करना होगा कि उसकी जमीन आतंकवादी संगठनों के लिए सुरक्षित पनाहगाह न बने। विधेयक में यह शर्त जोड़ी गई है कि अमेरिकी राष्ट्रपति तब तक पाकिस्तान को 'प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी' का प्रमाण पत्र जारी नहीं कर सकते, जब तक पाकिस्तान हक्कानी नेटवर्क और अन्य आतंकवादी संगठनों के खिलाफ निर्णायक सैन्य अभियान नहीं चलाता। इसके साथ ही, पाकिस्तान को अफगान सरकार के साथ समन्वय करते हुए अफगान-पाक सीमा पर आतंकवादियों की आवाजाही रोकने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। एंडी बिग्स ने इस विधेयक को पहली बार जनवरी 2019 में पेश किया था और इसके बाद इसे हर कांग्रेस सत्र में पेश किया गया है। हालांकि, अब तक इस प्रस्ताव को कोई बड़ी सफलता नहीं मिली है।

1.5 ट्रिलियन से ज्यादा हो सकती है ग्रीनलैंड की कीमत, खरीदेंगे या कब्जा करेंगे ट्रंप? डेनमार्क से होगी टक्कर

फ्लोरिडा , एजेंसी।
फ्लोरिडा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक आवश्यक संपत्ति करार दिया। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अगर जरूरत पड़ी तो ग्रीनलैंड पर सैन्य कार्रवाई करने से इंकार नहीं किया जाएगा। ट्रंप ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की पूरी कोशिश कर सकते हैं। उनके हालिया बयानों के बाद भू-राजनीतिक तनाव बढ़ गया है।

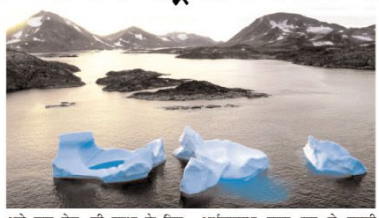

डोनाल्ड ट्रंप के बेटे ट्रंप जूनियर हाल ही में ग्रीनलैंड की यात्रा थे। इसे निजी यात्रा बताया गया। लेकिन इसने अटकलें तेज कर दी हैं कि क्या यह यात्रा ग्रीनलैंड के लोगों की राय जानने या अनौपचारिक बातचीत शुरू करने के मकसद से की गई थी। हालांकि, ग्रीनलैंड के स्थानीय प्रतिनिधियों ने उनसे मिलने से इनकार कर दिया और द्वीप की संप्रभुता पर जोर दिया।

ग्रीनलैंड दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है और अपनी रणनीतिक स्थिति के कारण अमेरिका के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह उत्तर अमेरिका और यूरोप के बीच स्थित है और आर्कटिक क्षेत्र में अमेरिका के सैन्य ठिकानों, जैसे थुले एयर बेस, की सुरक्षा के लिए अहम भूमिका निभाता है।

आर्कटिक के तेजी से पिघलते बर्फ क्षेत्र ने ग्रीनलैंड को संसाधनों का खजाना बना दिया है। यहां दुर्लभ खनिज, तेल और प्राकृतिक गैस के विशाल भंडार मौजूद हैं, जिन्हें ट्रंप प्रशासन अमेरिका की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने और चीन पर निर्भरता कम करने का एक महत्वपूर्ण साधन मानता है। इसके अलावा, आर्कटिक में जलवायु परिवर्तन के कारण नए समुद्री व्यापार मार्ग खुल रहे हैं, जो यूरोप और एशिया के बीच व्यापार को तेज और सस्ता बना सकते हैं।

वर्तमान में, ग्रीनलैंड की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से मछली पालन और डेनमार्क से मिलने वाली सब्सिडी पर निर्भर है। लेकिन ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री म्यूट एगेडे ने ट्रंप के बयानों को हिस्टीरिया बताया और कहा कि ग्रीनलैंड का भविष्य उसके अपने लोगों के हाथों में है। ग्रीनलैंड के नेता अधिक स्वायत्तता और अंततः स्वतंत्रता की दिशा में प्रयास कर रहे हैं।

1946 में, तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति हैरी ट्रूमैन ने ग्रीनलैंड को 100 मिलियन डॉलर के सोने (वर्तमान में .1.3 बिलियन) से खरीदने की पेशकश की थी। लेकिन आज यह मूल्य कहीं अधिक है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार, ग्रीनलैंड की अनुमानित कीमत सैकड़ों अरबों डॉलर से लेकर .1.5 ट्रिलियन तक हो सकती है, जिसमें द्वीप के खनिज संसाधन, रणनीतिक स्थिति और बुनियादी ढांचे के विकास की लागत शामिल है। इसके अलावा, ग्रीनलैंड के 57,000 निवासियों के लिए मुआवजे का सवाल भी उठता है। प्रति व्यक्ति .100,000 से .1 मिलियन तक की सीधी भुगतान योजना का सुझाव दिया गया है, जो कुल लागत में 5.7 बिलियन से 57 बिलियन तक जोड़ सकता है। अर्थशास्त्रियों और विश्लेषकों ने सैकड़ों अरबों से लेकर खरबों डॉलर तक के अनुमान लगाए हैं। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ग्रीनलैंड की कीमत उसके दुर्लभ खनिज और संसाधन क्षमता के कारण 1.1 ट्रिलियन डॉलर हो सकती है। वहीं डेली मेल की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्रीनलैंड के भूभाग की तुलना अलास्का के 1867 के 7.2 मिलियन डॉलर के खरीद मूल्य से करने पर लागत 230 मिलियन डॉलर आएगी - लेकिन इस आंकड़े में मुद्रास्फीति, आधुनिक संसाधन मूल्यांकन या भू-राजनीतिक दांव शामिल नहीं हैं।

भारत सरकार के निशाने पर रहे जॉर्ज सोरोस को एलन मस्क ने भी खूब लताड़ा

न्यूयॉर्क एजेंसी। भारत की नरेंद्र मोदी सरकार के निशाने पर रहे अरबपति जॉर्ज सोरोस को अब एक्स के मालिक और उद्योगपति एलन मस्क ने भी लताड़ा है। जॉर्ज सोरोस पर आरोप लगते रहे हैं कि वह भारत समेत कई देशों में चुनी हुई सरकारों को हटाने के लिए फंडिंग करते रहे हैं। जॉर्ज सोरोस से लिंक के आरोप लगाते हुए भाजपा ने कई बार कांग्रेस को भी घेरा है। हाल ही में सोनिया गांधी के लिंक भी सोरोस से जुड़े एक ट्रस्ट से बताते हुए उन पर निशाना साधा गया था। अब वह एलन मस्क के ही निशाने पर आए हैं। मस्क ने तो जॉर्ज सोरोस पर तीखा हमला करते हुए उन्हें मानवता का ही दुश्मन करार दिया है। एलन मस्क ने एक्स पर लिखा है, जॉर्ज सोरोस इजरायल समेत मानवता के ही दुश्मन हैं।

दरअसल उन्होंने यह कॉमेंट उस न्यूज रिपोर्ट को लेकर किया, जिसमें दावा किया गया था कि जॉर्ज सोरोस ने उग्रवादी समूह हमास को 15 मिलियन डॉलर की मदद दी है। इसी हमास के आतंकियों ने 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल में हमला कर दिया था और सैकड़ों लोगों को बंधक बना लिया था। इन आतंकियों ने महिलाओं और बच्चों समेत 700 से ज्यादा लोगों को कत्ल कर डाला था।

भारत के खिलाफ जिहाद की बात कहकर पीओके में ही घिर गए वहां के प्रधानमंत्री , बर्खास्तगी की होने लगी मांग

पेशावर एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के प्रधानमंत्री अनवर उल हक ने हाल ही में भारत के खिलाफ जिहाद का आह्वान करके आतंकवादियों की पुरानी बयानबाजी को दोहराया। उन्होंने घोषणा की कि उनकी सरकार जम्मू-कश्मीर से भारतीय सेना को बाहर निकालने के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों को जुटाएगी। उनकी टिप्पणियों की व्यापक रूप से आलोचना की गई है। कई लोगों ने उन्हें दोनों देशों के बीच शांति बनाए रखने की संभावना के लिए खतरा बताया है।

हक का यह बयान 5 जनवरी को मुजफ्फराबाद में अधिकार की स्वतंत्रता दिवस रैली में आया था। इस रैली में अल-जिहाद, अल-जिहाद के नारे लगाए गए। इस मौके पर हक ने कहा, अगर 3 रुपये में बिजली और 2,000 मन (लगभग 37 किलोग्राम प्रति मन) आटा देने से राज्य डूब नहीं जाता है, तो अल्लाह के रास्ते में जिहाद जायज है। उन्होंने कश्मीर को भारत से अलग करने और घाटी में तैनात 10 लाख भारतीय सैनिकों को बाहर करने के लिए जिहादिस्ट संस्कृति को पुनर्जीवित करने का समर्थन किया।

हक के भड़काऊ बयान पर मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और राजनीतिक नेताओं द्वारा व्यापक आलोचना की गई है। मानवाधिकार कार्यकर्ता अमजद आयुब मिर्जा ने हक के भाषण को राजनीतिक रूप से पिछड़े हुए क्षेत्रों को फिर से हासिल करने की एक निराशाजनक कोशिश बताया। मिर्जा ने चेतावनी दी कि ऐसे भड़काऊ बयान क्षेत्र में पहले से ही अस्थिर स्थिति को और बढ़ा सकते हैं और यह कश्मीर में धर्मनिरपेक्ष आवाजों के लिए खतरा बन सकता है। मिर्जा ने कहा, यह एक लापरवाह कदम है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय न्यायालय से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस प्रकार के खतरनाक भावनाओं को क्षेत्रीय स्थिरता को नुकसान पहुंचाने से रोकने के लिए कदम उठाने चाहिए। उन्होंने हक की बर्खास्तगी की भी मांग की है। उन्होंने कहा कि वह राजनीतिक लाभ के लिए धार्मिक भावनाओं का शोषण कर रहे हैं। संयुक्त कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी के नेता साजिद हुसैन ने भी इसकी आलोचना की है। हुसैन ने एक वीडियो बयान में कहा कि हक का जिहाद की अपील क्षेत्रीय और वैश्विक शांति के लिए गंभीर खतरा है।

अमेरिका में लगी आग हॉलीवुड तक पहुंची, 1 लाख लोगों को निकलने का आदेश; 5 की मौत

लॉस एंजिलिस एजेंसी।
अमेरिका के लॉस एंजिलिस शहर में लगी आग बेकाबू हो गई है। इस आग की चपेट में आने से तमाम घर जल गए हैं और वाहनों भी धू-धूकर राख हो गए। हॉलीवुड हिल्स क्षेत्र में भीषण आग लगने की घटना में पांच लोगों की मौत हो गई तथा एक लाख से अधिक लोगों को दूसरे स्थानों पर जाने का आदेश दिया गया है। आग मंगलवार रात हॉलीवुड बाउल के निकट और हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम से कुछ ही दूरी पर लगी। घटना के बाद ग्राउमन चाइनीज थियेटर और मैडम तुसाद संग्रहालय के आसपास की सड़कों पर वाहनों की भीड़ देखी गई और हर ओर से सायरन बजने की आवाज आ रही थी। इसके अलावा कम ऊंचाई पर उड़ते हेलीकॉप्टर आग पर पानी डाल रहे थे। लोग सूटकेस लेकर पैदल ही होटलों से बाहर निकल गए।

आग के कारण 1,000 से अधिक इमारतें खत्म हो गईं। इनमें से ज्यादातर मकान हैं। इसके अलावा महानगरीय क्षेत्र में 1,30,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने का निर्देश दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में 10 से अधिक स्कूल या तो क्षतिग्रस्त या फिर नष्ट हो गए। इनमें पैलिसेड्स चार्टर हाई स्कूल भी शामिल है, जिसे 1976 की हॉरर फिल्म कैरी और टीवी सीरीज टीन वुल्फ समेत कई हॉलीवुड फिल्मों व सीरीज में दिखाया गया है। लॉस एंजिलिस की मेयर कैरेन बास ने कहा कि हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल कर आग बुझाने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि हवाओं की अस्थिर गति के कारण आग बुझाने में परेशानी हो रही है, हालांकि मंगलवार रात की तुलना में हवाओं की गति थोड़ी धीमी है। शुरू हुई आग से 200 से 500 संरचनाएं क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गई हैं। उन्होंने कहा कि शहर की जल व्यवस्था पर बहुत अधिक दबाव है तथा बिजली कटौती के कारण जल व्यवस्था और प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं के न होने पर भी अग्निशमन कर्मी आग को नहीं रोक पाते, क्योंकि तेज हवाओं के कारण एक के बाद एक कई ब्लॉक में आग फैलती चली गई। उन्होंने कहा, हम कल रात आग को काबू नहीं कर पाए। अस्थिर हवाओं के कारण आग कई मील आगे तक फैल गई है।

भारतीय मूल की महिला अफ्रीका में गिरफ्तार; 17 जोड़ों को लगाया लाखों का चूना !

जोहान्सबर्ग एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका में 53 साल की भारतीय मूल की एक महिला को ठगी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पेशे से वकील इस महिला ने कथित तौर पर नकली वेन्यू दिखाकर देश भर के 17 जोड़ों से लाखों रुपए ठगे। अब एक निजी सुरक्षा कंपनी ने ट्रैक कर महिला का पता लगाया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। हालांकि पकड़े जाने के बाद उसने पीड़ितों को पूरे पैसे वापस करने की बात कही है। एक जोड़े ने मोहनलाल को ट्रैक करने के लिए पिछले साल दिसंबर में एक कंपनी से संपर्क किया था। कंपनी ने बाद में सोशल मीडिया के जरिए पता लगाया कि इस तरह कुल 17 जोड़ों को ठगा गया था। साउथ अफ्रीका की एक सिक्योरिटी कंपनी रिएक्शन यूनिट साउथ अफ्रीका ने बताया कि महिला का नाम प्रीलिन मोहनलाल है। मोहनलाल ने कथित तौर पर उन प्रेमी जोड़ों को तलाशा जो शादी के लिए वेन्यू ढूंढ रहे थे। इस दौरान उसने एक जगह के बारे में बताकर उन्हें रकम का भुगतान करने के लिए राजी किया जबकि उस जगह से महिला का कोई संबंध नहीं था। जब जोड़े उस जगह पर पहुंचे तब उन्हें समझ में आया कि उनके साथ धोखा हुआ है। जोड़ों ने देखा कि उन्हें बेवकूफ बनाकर एक सुनसान जगह पर भेज दिया गया था जहां पानी और बिजली भी नहीं थी। कंपनी ने बताया कि मोहनलाल ने अधिकारियों को बताया कि वह एक वकील थी जिसे क्लाइंट के ट्रस्ट फंड खाते से पैसे चुराने के बाद लॉ सोसाइटी ने प्रतिबंधित कर दिया था। बाद में यह सामने आया कि आरोपी महिला का आपराधिक रिकॉर्ड रहा है और वह 20 सालों से ज्यादा समय से लोगों को धोखाधड़ी का शिकार बना रही है। वहीं महिला ने आरोपों से इनकार किया है।

स्वस्थ बच्चे पैदा करो, हजारों के इनाम पाओ; 25 साल से कम की युवतियों के लिए इस देश में खास ऑफर

मास्को, एजेंसी।
बीते तीन साल से जंग की आग में जलते रूस की आबादी बूढ़ी हो रही है। रूस में मौजूदा जन्म दर की बात करे तो यह अब तक के सबसे कम स्तर पर पहुंच हुई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक जून 2024 में देश में सिर्फ 5,99,600 बच्चे पैदा हुए। यह संख्या 25 सालों में सबसे कम है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने जुलाई 2024 में स्थिति को देश के भविष्य के लिए विनाशकारी बताया था। चीन और जापान जैसे देशों की तरह यहां भी हालात ठीक नहीं है और देश में जनसंख्या को बैलेंस करने के लिए सरकार रोज नए नए तरकीब लगा रही है। इसी कड़ी में घटते जन्म दर को बढ़ाने के लिए रूस के करेलिया की सरकार ने एक नए ऑफर की घोषणा की है। सरकार ने कहा है कि वह परिवार शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए 25 साल से कम आयु की महिला छात्राओं को इनाम देगी। इसके तहत स्वस्थ बच्चे पैदा करने वाली महिलाओं को 1,00,000 रूबल यानी लगभग 81,000 रुपये दिए जाएंगे। द मॉस्को टाइम्स ने बताया कि इस यह इनाम लेने के लिए इच्छुक युवतियों को स्थानीय विश्वविद्यालय या कॉलेज में फुलटाइम स्टूडेंट होना चाहिए, उनकी उम्र 25 साल से कम होनी चाहिए और करेलिया का निवासी होना चाहिए। कानून में यह भी लिखा गया है कि यह बोनस उन मांओं को नहीं दिया जाएगा जो मृत बच्चे को जन्म देती हैं।

म्यूजियम में इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू पर डाला लाल रंग फिर हथोड़े मारे ! वीडियो पोस्ट किया और लिखा यह गाज़ा के लिए

मेक्सिको एजेंसी। मेक्सिको सिटी में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की वैक्स प्रतिमा को एक प्रोपलस्तीन प्रदर्शनकारी ने नष्ट कर दिया। इस घटना की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें प्रदर्शनकारी प्रतिमा पर फिलिस्तीनी झंडा रखता है, उस पर लाल रंग डालता है, हथौड़े से मारता है और उसे नीचे गिरा देता है। यह वीडियो एक प्रोपलस्तीन अकाउंट से साझा किया गया, जिसके साथ लिखा गया- यह गाज़ा के लिए है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 7 जनवरी 2025 को मेक्सिको सिटी के वैक्स म्यूज़ियम में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की वैक्स प्रतिमा को एक प्रदर्शनकारी ने तोड़ दिया। इस घटना की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। घटना के बाद, मेक्सिको में इजरायली दूतावास ने इस कृत्य की निंदा करते हुए इसे हिंसा, असहिष्णुता और नफरत का संदेश बताया। दूतावास ने इसे आलोचना के दायरे से बाहर और खतरनाक बताया। इजरायली दूतावास ने कहा, नेतन्याहू की प्रतिमा पर किया गया हमला एक घिनौना कृत्य है। यह वैध आलोचना से परे जाकर हिंसा और नफरत का संदेश देता है। दूतावास ने यह भी कहा कि इजरायल गाज़ा में एक आतंकवादी संगठन के खिलाफ न्यायपूर्ण लड़ाई लड़ रहा है, जिसकी क्रूरता ने कई निर्दोष लोगों की जान ले ली है, जिनमें मेक्सिकन नागरिक भी शामिल हैं।

गर्लफ्रेंड से हुआ झगड़ा, प्रेमी ने चलते हुए विमान का खोल दिया इमरजेंसी गेट; मची अफरा-तफरी

बोस्टन एजेंसी।
अमेरिका के बोस्टन लोगन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर जेटब्लू फ्लाइट में एक यात्री द्वारा अचानक इमरजेंसी गेट खोलने के कारण अफरा-तफरी मच गई। यह घटना फ्लाइट 161 में हुई, जो प्यूर्टो रिको के सैन जुआन रवाना होने वाली थी। आरोपी यात्री की पहचान प्यूर्टो रिको निवासी एंजल लुइस टोरेस मोरालेस के रूप में हुई है। अधिकारियों के अनुसार, अन्य यात्रियों ने तुरंत मोरालेस को रोक लिया।

यह घटना मंगलवार शाम करीब 7-30 बजे हुई, जब विमान टैक्सी कर रहा था। टैक्सींग हवाई अड्डे पर किसी विमान के जमीन पर चलने की प्रक्रिया को कहते हैं। यह वह स्थिति होती है जब विमान रनवे पर उड़ान भरने या लैंडिंग के बाद पार्किंग क्षेत्र तक जाने के लिए धीमी गति से चलता है। टैक्सींग के दौरान विमान के इंजन चालू होते हैं, और पायलट विमान को नियंत्रित करता है। विमान के पहियों की मदद से इसे टैक्सीवे पर चलाया जाता है। यह प्रक्रिया उड़ान शुरू करने और खत्म करने का एक अहम हिस्सा होती है। मैसाचुसेट्स राज्य पुलिस के प्रवक्ता टिम मैकगर्क ने बताया कि टोरेस मोरालेस ने अचानक और बिना किसी चेतावनी के विंग के ऊपर स्थित इमरजेंसी गेट खोल दिया, जिससे इमरजेंसी स्लाइड एक्टिव हो गई। एयरलाइन ने अपने बयान में पुष्टि की कि इस घटना के कारण फ्लाइट में देरी हुई। यात्रियों को दूसरे विमान से भेजा गया। घटनास्थल पर मौजूद यात्रियों ने इसे तनावपूर्ण पल बताया। फ्लाइट में मौजूद यात्री फ्रेड विन ने बताया कि टोरेस मोरालेस अपनी गर्लफ्रेंड से मोबाइल फोन को लेकर बहस कर रहा था। विन ने बताया, मुझे लगता है कि बॉयफ्रेंड अपनी गर्लफ्रेंड का फोन देखना चाहता था, लेकिन उसने मना कर दिया। इसके बाद वह अचानक उठा, विमान के बीचों-बीच दौड़ते हुए इमरजेंसी गेट की तरफ गया और उसे खोल दिया।विन ने बताया कि इस घटना के दौरान यात्री घबरा गए और चिल्लाने लगे। लोग चिल्ला रहे थे, 'रुक जाओ, रुक जाओ!' यह काफी डरावना था, उन्होंने अपने द्वारा रिकॉर्ड किए गए एक वीडियो में कहा। टोरेस मोरालेस को बुधवार को ईस्ट बोस्टन डिवीजन में बोस्टन म्युनिसिपल कोर्ट में पेश किया गया। उन पर विमान संचालन में बाधा डालने का आरोप लगाया गया है। आरोपी ने खुद को निर्दोष बताया है और अब उन्हें 4 मार्च को दोबारा अदालत में पेश होना होगा।

प्रणय मलेशिया ओपन के दूसरे दौर में हारे, चीन के लि शि फेंग ने दी मात

कुआलालंपुर (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी एच एस प्रणय बृहस्पतिवार को यहां मलेशिया सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के दूसरे दौर में चीन के लि शि फेंग से हारकर बाहर हो गए। भारत के 32 साल के खिलाड़ी को एक घंटे 22 मिनट तक चले मैच में सातवें वरीय लि से 8-21, 21-15, 21-23 से हार मिली।

इससे पहले त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी को राउंड 16 मैच में चीन की जिया यि फान और झांग शु जियान से 21-15, 19-21, 19-21 से पराजय झेलनी पड़ी। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी को 44 मिनट में चीन की चेंग जिंग और झांग चि की सातवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी से 13-21, 20-22 से शिकस्त मिली।

चैंपियंस ट्रॉफी को पाकिस्तान से बाहर स्थानांतरित करने की खबरों पर

● पीसीबी अधिकारी ने कहा सभी कभी कार्य पूरे होंगे

कराची (एजेंसी)। स्टेडियमों के नवीनीकरण कार्य में देरी के कारण चैंपियंस ट्रॉफी को पाकिस्तान से बाहर स्थानांतरित किए जाने की संभावना का दावा करने वाली रिपोर्टों के बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक अधिकारी ने कहा कि तैयारियां जोरों पर हैं और स्टेडियम से संबंधित सभी कार्य फरवरी के पहले सप्ताह तक पूरे हो जाएंगे। चैंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से शुरू होगी। आठ टीमों के इस टूर्नामेंट में 15 मुकाबले होंगे और यह 9 मार्च को समाप्त होगा। रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम, लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम और कराची के नेशनल बैंक स्टेडियम में चैंपियंस ट्रॉफी के मैच खेले जाने हैं।

पिछले साल अगस्त में शुरू हुए और 31 दिसंबर तक पूरा होने वाले स्टेडियमों के नवीनीकरण कार्य के अभी तक पूरा नहीं होने के कारण कई रिपोर्ट्स में कहा गया है कि आईसीसी तीनों स्टेडियमों का निरीक्षण करने के लिए एक टीम पाकिस्तान भेजेगा। अगर 12 फरवरी को स्टेडियम हैंडओवर के लिए तैयार नहीं होते हैं तो पूरा टूर्नामेंट यूएई में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

पीसीबी अधिकारी ने कहा, (स्टेडियमों से संबंधित) सभी काम फरवरी के पहले सप्ताह तक पूरे हो जाएंगे। पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी की सफलतापूर्वक मेजबानी करेगा। किसी भी अफवाह पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है। हम अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कुछ लोग हैं जो सोशल मीडिया पर पाकिस्तान की छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। हम जानते हैं कि वे कौन हैं और वे ऐसा क्यों कर रहे हैं।

पीसीबी ने बुधवार को दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड की भागीदारी वाली वनडे त्रिकोणीय श्रृंखला को मुल्तान से कराची और लाहौर स्थानांतरित कर दिया। पीसीबी ने कहा कि यह कदम लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम और कराची के नेशनल स्टेडियम में तैयारियों के अग्रिम चरण के कारण उठाया गया है। ये स्टेडियम चैंपियंस ट्रॉफी के 12 रूप चरण मैचों में से छह की मेजबानी करेंगे। पाकिस्तान 1996 (वनडे विश्व कप की सह-मेजबानी) के बाद पहली बार आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है।

भारत और आयरलैंड के बीच

3 मैचों की विमेंस वनडे सीरीज आज से राजकोट में

भारत और आयरलैंड की प्लेयर्स ने प्रैक्टिस शुरू की; स्मृति मंधाना करेंगी इंडिया की कप्तानी

राजकोट (एजेंसी)। भारत और आयरलैंड के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज 10 जनवरी से राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में खेली जाएगी। सोमवार को दोनों टीमों की प्लेयर्स राजकोट पहुंचीं। आज से दोनों टीमों की खिलाड़ियों ने मैदान पर नेट प्रैक्टिस भी शुरू कर दी।

दोनों टीमों ने 6 घंटे प्रैक्टिस की

मंगलवार सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक दोनों टीमों ने प्रैक्टिस की। जिसमें दोनों टीमों की खिलाड़ियों ने वॉर्म-अप, फील्डिंग, कैच और नेट प्रैक्टिस के साथ बैटिंग और बॉलिंग की प्रैक्टिस की। राजकोट में पहली बार ही कोई विमेंस इंटरनेशनल मैच खेला जाएगा। वेस्टइंडीज को वनडे और टी-20 सीरीज में हराया था। अब टीम आयरलैंड के खिलाफ 3 वनडे की सीरीज खेलेगी। 12 और 15 जनवरी को बाकी 2 मुकाबले खेले जाएंगे।

हरमनप्रीत कौर को आराम

आयरलैंड के खिलाफ हरमनप्रीत कौर को आराम दिया गया, उनकी जगह स्मृति मंधाना कप्तानी करेंगी। राजकोट एयरपोर्ट पर दोनों टीमों का फूल मालाओं से स्वागत हुआ। प्लेयर्स को किताबें भी गिफ्ट की गईं।

मंधाना को मिल सकता है प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड - भारत की ओपनिंग बैटर स्मृति मंधाना ने दिसंबर में 9 मैच खेले और 463 रन बना दिए। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक शतक भी लगाया। उन्होंने फिर वेस्टइंडीज के खिलाफ लगातार 5 मैचों में 50+ स्कोर बनाए। उन्होंने वनडे में 270 और टी-20 में 193 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द दिसंबर मंथ के लिए ड्रृष्टि ने नॉमिनेट किया। वह अवॉर्ड जीतने की रेस में टॉप पर भी हैं।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम टीम

स्मृति मंधाना (कप्तान), दीप्ति शर्मा (उप कप्तान), प्रतिका रावल, हरलीन देओल, जेमिमा रोड्रिग्स, उमा छेत्री, ऋचा घोष, तेजल हसबनीस, मिन्नू मणि, प्रिया मिश्रा, तनुजा कंवर, राघवी बिष्ट, तितास साधु, साइमा ठाकोर और सयाली सातघरे।

आयरलैंड महिला क्रिकेट टीम टीम

गैबी लुईस (कप्तान), एवा कैनिंग, क्रिस्टीना कूल्टर रीली, अलाना डाल्ज़ेल, लौरा डेलानी, जॉर्जीना डेम्प्सी, सारा फोर्ब्स, आर्लीन केली, जोआना लॉफ्रान, एमी मगुरी, लेह पॉल, ओर्ला प्रेंडरगास्ट, उना रेमंड-होए, फ्रेया सार्जेंट और रेबेका स्टोकेलो।

मनोविज्ञान की छात्रा होने से क्रिकेट में काफी मदद मिली : प्रतीका रावल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की युवा क्रिकेटर प्रतीका रावल ने कहा कि मनोविज्ञान की छात्रा होने से उन्हें सीनियर महिला टीम में अपनी जगह पक्की करने में मदद मिली क्योंकि उन्हें मानसिक पहलू के महत्व के बारे में पता था। प्रतीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल ही में हुई महिला वनडे श्रृंखला में शानदार पदार्पण करके स्मृति मंधाना के साथ पारी की शुरुआत के लिये अपना दावा पक्का किया है। प्रतीका ने पहले दो मैचों में 40 और 76 रन बनाए। 24 वर्ष की प्रतीका ने कहा कि मनोविज्ञान में उनकी गहरी रूचि और क्रिकेट के लिये प्यार ने भारतीय टीम तक उनका सफर आसान किया।

उन्होंने बीसीसीआई द्वारा 'एक्स' पर साझा किए गए वीडियो 'प्रतीका रावल ~ मनोविज्ञान का क्रिकेट से मिलन' में कहा, 'मैं इंसानी दिमाग के बारे में पढ़ना चाहती थी। जब मैंने पढ़ना शुरू किया तो मैं जानना चाहती थी कि हम मैदान पर और उससे बाहर हालात का सामना कैसे करते हैं। इससे मुझे क्रिकेट में भी काफी मदद मिली। दिल्ली की इस क्रिकेटर ने कहा, 'जब मैं मैच से पहले मैदान पर होती हूं तो खुद से काफी सकारात्मक बातें करती हूं। मैं अभी क्या करना चाहती हूं और भविष्य में क्या करूंगी। बल्लेबाजी के दौरान भी मैं खुद से कहती हूं कि तुम बेस्ट हो और यह कर सकती हो। आयरलैंड के खिलाफ आगामी वनडे श्रृंखला के लिये टीम में जगह बरकरार रखने वाली रावल ने कहा, 'मैं मॉडर्न स्कूल बाराखम्बा में पढ़ती थी। मेरे परिवार का जोर शिक्षा पर हमेशा रहा हालांकि क्रिकेट के लिये अपने प्यार और जुनून से मुझे इनकार नहीं है। मैं हमेशा से क्रिकेट ही खेलना चाहती थी।

कोंस्टास या हेड : श्रीलंका में कौन करेगा ओपनिंग, ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता ने दिया संकेत

सिडनी (एजेंसी)। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में प्रसिद्ध भारतीय गेंदबाजी इकाई के खिलाफ प्रभावित करने के बाद सैम कोंस्टास को ऑस्ट्रेलिया के आगामी दो मैचों के श्रीलंका दौरे के लिए चुना गया है। लेकिन अभी भी अनिश्चितता है कि वह उपमहाद्वीप में ऑस्ट्रेलिया के लिए ओपनिंग करेंगे या नहीं। भारत के खिलाफ ओपनर के रूप में अपने प्रदर्शन के दौरान युवा खिलाड़ी ने अलग तकनीक का प्रदर्शन किया। आक्रामकता के साथ उनके अपरंपरागत शॉट्स ने दुनिया का ध्यान खींचा, जो अगली पीढ़ी को केंद्र में देखना चाहते हैं। कोंस्टास ने दो टेस्ट में 113 रन बनो जिसमें उनका औसत 28.25 रहा जबकि स्ट्राइक रेट 81.88 रहा। अपनी घरेलू धरती पर दिखाए गए सभी शानदार प्रदर्शन के बावजूद इस बात पर अभी भी संदेह है कि क्या युवा खिलाड़ी श्रीलंका की स्पिनिंग ट्रैक पर अच्छा प्रदर्शन कर पाएंगे। चयनकर्ताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने स्वीकार किया कि कोंस्टास के पास स्पिनिंग ट्रैक के लिए 'अच्छी तकनीक' है, लेकिन उन्होंने ट्रेविस हेड के ओपनिंग की संभावना दिखाई।

बेली ने कोंस्टास के बारे में कहा, सच में आप तब तक नहीं जान सकते जब तक कोई (उपमहाद्वीप की परिस्थितियों) का सामना न कर ले। हमने जो देखा है, वह यह है कि वह बहुत जल्दी सीखता है, और बहुत सारी जानकारी को इकट्ठा करता है। ऑस्ट्रेलिया में उसके स्पिन खेलने और दुनिया के विभिन्न हिस्सों में उसके द्वारा खेले गए अवसरों से

हमें लगता है कि उसके पास एक ऐसा खेल है जो अच्छी तरह से अनुकूल है और एक ऐसी तकनीक है जो टिक सकती है। उन्होंने कहा, यह इस दौरे की सबसे रोमांचक चीजों में से एक है। हम ऑस्ट्रेलिया में उनके द्वारा सामना की गई परिस्थितियों के अलावा अन्य परिस्थितियों में उनके खेल के बारे में थोड़ा और जानेंगे। ट्रैव एक (ओपनिंग) विकल्प है... जाहिर है, उस टीम के साथ, हमारे पास कई विकल्प हैं। हेड को टर्निंग ट्रैक पर रेड-बॉल क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के लिए ओपनिंग करने का काफी अनुभव है। 2023 में भारत में सलामी बल्लेबाज के रूप में बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने 55 की औसत और 71 की स्ट्राइक रेट से 223 रन बनाए। पैट कमिंस के सीरीज से बाहर रहने के कारण स्टीवन स्मिथ अंतरिम कप्तान की भूमिका निभाएंगे। बैगी ग्रीन्स के लिए स्पिनर मैट कुहनेमैन और टॉड मर्फी की वापसी हुई है। लेकिन ऑस्ट्रेलिया को जोश हेजलवुड की कमी खलेगी, जो पिंडली की चोट से उबर रहे हैं। हेजलवुड के साथ-साथ अनुभवी ऑलराउंडर मिशेल मार्श को उपमहाद्वीप दौरे के लिए बाहर रखा गया है। युवा कूपर कोनोली और नाथन मैकस्वीनी को अनुभवी सितारों एडम जम्पा और पीटर हैंड्सकॉम्ब पर तरजीह दी गई जिन्हें दौरे के लिए संभावित यात्रियों के रूप में चुना गया था। श्रृंखला 29 जनवरी को गॉल में शुरू होगी और दूसरा टेस्ट 6 फरवरी को उसी स्थान पर शुरू होगा।

श्रीलंका टेस्ट दौरे के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम

स्टीव स्मिथ (कप्तान), सीन एबॉट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कूपर कोनोली, ट्रैविस हेड (उपकप्तान), जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, सैम कोंस्टास, मैट कुहनेमैन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, नाथन मैकस्वीनी, टॉड मर्फी, मिशेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर।

ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम घोषित की, स्मिथ को मिली कप्तानी

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका के खिलाफ 29 जनवरी से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 16 खिलाड़ियों की टीम की घोषणा की है। दाएं हाथ के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को राष्ट्रीय टीम का अंतरिम कप्तान नियुक्त किया गया है। स्थित पैट कमिंस की अनुपस्थिति में टीम की अगुआई करेंगे जो पितृत्व अवकाश पर हैं और हाल ही में घरेलू गर्मियों के दौरान टखने की थोड़ी समस्या से जूझ रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप कप्तान कूपर कोनोली को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है जबकि साथी युवा खिलाड़ी नाथन मैकस्वीनी को हाल ही में बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में मेलबर्न और सिडनी टेस्ट में नहीं खेलने के बावजूद वापस बुलाया गया है। स्पिनर मैट कुहनेमैन और टॉड मर्फी भी वापसी कर रहे हैं, हालांकि टीम को जोश हेजलवुड की पिंडली की चोट और मिशेल मार्श की कमी खलेगी, क्योंकि यह जोड़ी आगामी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

ग्लेन मैक्सवेल, एडम जाम्पा और पीटर हैंड्सकॉम्ब जैसे खिलाड़ियों को दौरे के लिए संभावित यात्रियों के रूप में चुना गया था, लेकिन उन्हें टीम में नहीं चुना गया। ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा कि श्रीलंका में खेलने की अनूठी चुनौतियां नए खिलाड़ियों को अपने देश के लिए लाल गेंद से खेलने का मौका देती हैं। आईसीसी की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार जॉर्ज बेली ने कहा, %श्रीलंका दौरे के लिए चुनौतीपूर्ण और रोमांचक जगह है, क्योंकि यहां खिलाड़ियों को अलग-अलग परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। यह टीम प्रत्येक मैच में किस तरह के विकेट का सामना कर सकती है, इसके आधार पर इलेवन को तैयार करने के कई तरीके प्रदान करती है।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने कहा, हम उन टीम के सदस्यों के लिए, आगे के अवसर को लेकर उत्साहित हैं, जो अपने टेस्ट करियर की शुरुआत में हैं और उपमहाद्वीप की परिस्थितियों में अपने खेल को आगे बढ़ाना जारी रखेंगे, जहां आने वाले वर्षों में हमारे पास कई महत्वपूर्ण दौरे हैं। सीरीज के दोनों मैच विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2023-2025 चक्र का हिस्सा हैं, हालांकि ऑस्ट्रेलिया (संभावित अंकों का 63.73%) और दक्षिण अफ्रीका (संभावित अंकों का 69.44%) पहले ही फाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं और 11 जून से लॉर्ड्स खिताब के लिए भिड़ेंगे।

श्रीलंका बनाम ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज
29 जनवरी से 2 फरवरी - गॉल।
6 फरवरी से 10 फरवरी - गॉल।

ऑस्ट्रेलियाई टीम

स्टीव स्मिथ (कप्तान), सीन एबॉट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कूपर कोनोली, ट्रैविस हेड (उपकप्तान), जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, सैम कोंस्टास, मैट कुहनेमैन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, नाथन मैकस्वीनी, टॉड मर्फी, मिशेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर।

जसप्रीत बुमराह आगे बढ़कर नेतृत्व करते हैं, वे भारत के अगले कप्तान होंगे: सुनील गावस्कर

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के महान खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि हाल ही में संपन्न बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने शानदार प्रदर्शन के बाद जसप्रीत बुमराह भारतीय टेस्ट टीम के अगले कप्तान क्यों हो सकते हैं। बुमराह ने गेंद से आगे बढ़कर नेतृत्व किया, पांच मैचों की श्रृंखला में 32 विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार जीता।

इसके अलावा बुमराह की कप्तानी की व्यापक प्रशंसा हुई, जब उन्होंने पर्थ में स्टैंड-इन कप्तान के रूप में भारत को श्रृंखला की एकमात्र जीत दिलाई। रोहित शर्मा के हटने के बाद उन्हें अंतिम टेस्ट में फिर से कप्तानी सौंपी गई, लेकिन पीठ की चोट के कारण वे तीसरे दिन गेंदबाजी नहीं कर पाए। कई लोगों ने बुमराह को भारतीय टेस्ट टीम के भावी कप्तान के रूप में समर्थन दिया है और सुनील गावस्कर ने भी पीछे नहीं हैं।

भारतीय दिग्गज ने कहा कि तेज गेंदबाज में एक नेता की छवि है, लेकिन वह ऐसा व्यक्ति नहीं है जो अपने साथियों पर दबाव डाल सके। उन्होंने कहा, वह अगला खिलाड़ी हो सकता है। मुझे लगता है कि वह अगला खिलाड़ी होगा। क्योंकि वह आगे बढ़कर नेतृत्व करता है। उसके अंदर एक बहुत अच्छी छवि है। एक नेता की छवि। लेकिन वह ऐसा व्यक्ति नहीं है जो आप पर दबाव डालने वाला हो। कभी-कभी आपके पास ऐसे कप्तान होते हैं जो आप पर बहुत दबाव डालते हैं।

गावस्कर ने आगे कहा कि बुमराह खिलाड़ियों से अपना काम करने की उम्मीद करते हैं और उन पर अतिरिक्त दबाव नहीं डालते। भारतीय दिग्गज ने यह भी बताया कि कैसे तेज गेंदबाज मिड-ऑफ और मिड-ऑन पर खड़ा को रखकर और लगातार उनका मार्गदर्शन करके बाकी तेज गेंदबाजों की मदद कर रहा था।

गावस्कर ने कहा, बुमराह के मामले में आप देख सकते हैं कि वह दूसरों से यही उम्मीद करते हैं कि वे वही करें जो उनका काम है और जिसके लिए वे राष्ट्रीय टीम में हैं। लेकिन वह किसी पर दबाव नहीं डालते। तेज गेंदबाजों के मामले में वह बिल्कुल शानदार रहे हैं।

मिड-ऑफ, मिड-ऑन पर खड़े रहे। हर बार वह उन्हें बताने और उनका मार्गदर्शन करने के लिए मौजूद थे। मुझे लगता है कि वह बिल्कुल शानदार थे और अगर वह जल्द ही कमान संभाल लेते हैं तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा। बुमराह जून में इंग्लैंड दौरे के दौरान टेस्ट मैचों में अगली बार एक्शन में दिखाई देंगे।

मेरा चरित्र हनन किया जा रहा- युजी चहल से तलाक पर धनश्री वर्मा ने दी सफाई

मुंबई (एजेंसी)। पति युजी चहल के साथ मजबूत रिश्तों की आखिरकार मशहूर कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा ने एक बार फिर से गवाही भर दी है। सोशल मीडिया पर जब युजी और धनश्री के बीच दूरियां बढ़ने और बात तलाक तक पहुंचने की बातें आईं तो आखिरकार धनश्री ने खुद आगे आकर अपने प्रशंसकों के नाम एक संदेश साझा की है। धनश्री ने अपने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर की है जिसमें ट्रोलर्स को मुंहतोड़ जवाब देने की कोशिश की है। युजी और धनश्री की शादी साल 2020 में हुई थी। इसके बाद लगातार युजी और धनश्री के बीच रिश्तों को लेकर तनाव की खबरें आती रहीं लेकिन यह हर बार अफवाह मात्र ही साबित होती रहीं।

एक बार फिर से अपने खिलाफ नाकारात्मक माहौल बनने पर धनश्री के सब्र का बांध टूट गया। उन्होंने सफाई दे हुए इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा- पिछले कुछ दिन मेरे परिवार और मेरे लिए अविश्वसनीय रूप से कठिन रहे हैं। जो बात वास्तव में परेशान करने वाली है वह है तथ्य-जांच से रहित आधारहीन लेखन और नफरत फैलाने वाले फेसलेस ट्रोल्स द्वारा मेरे चरित्र का हनन। मैंने अपना नाम और ईमानदारी बनाने के लिए वर्षों तक कड़ी मेहनत की है। मेरी खामोशी कमजोरी की निशानी नहीं है। नकारात्मकता ऑनलाइन आसानी से फैलती है, दूसरों के उत्थान के लिए साहस और करुणा की आवश्यकता होती है। मैं अपनी सच्चाई पर ध्यान केंद्रित करना और अपने मूल्यों पर कायम रहते हुए आगे बढ़ना चुनती हूं। औचित्य की आवश्यकता के बिना सत्य सीधा खड़ा रहता है। ऊँ नमः शिवाय।

लव स्टोरी है बेहद रोचक

युजवेंद्र चहल ने एक इंटरव्यू के दौरान अपनी और धनश्री की लवस्टोरी का खुलासा किया था। चहल ने एक वीडियो में बताया कि कैसे उन्होंने डांस क्लास के दौरान धनश्री के साथ दोस्ती की और उस दोस्ती के साथ कैसे प्यार आगे बढ़ा। चहल ने इस वीडियो के दौरान कहा कि मैं बचपन से ही डांस और भांगड़ा सीखना चाहता था। इसलिए मैंने क्लास को ज्वॉइन किया और इस दौरान हम एक दूसरे को जानने लगे। धीरे धीरे हम एक दूसरे के साथ रिलेशनशिप में आए और इसके बारे में परिवार को बताया। मैंने दो महीने की डांस क्लास के बाद अपने घरवालों को बताया कि मैं धनश्री के साथ शादी करना चाहता हूं। इस इंटरव्यू के दौरान जब धनश्री से पूछा गया कि आप उन्हें डांस में कितने नंबर देंगी तो धनश्री ने कहा कि वह अच्छे डांसर हैं और उन्हें मैं 10 में से 7 नंबर दूंगी। क्योंकि वह बेहद ईमानदार हैं और काफी मेहनती भी हैं।